शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 264 | गुवाहाटी | शनिवार, 22 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य और राष्ट्र के निर्माण में गोरखाओं का महत्वपूर्ण योगदान पेज 3
वर्तमान सरकार अपने काम में वंचितों को प्राथमिकता दे रही – प्रधानमंत्री पेज 4
प्रदेश सरकार के माफिया और अपराधियों की सूची में वाराणसी के कई नाम... पेज 5
सैन्य वाहन पर आतंकी हमले की एनआईए ने शुरू की जांच पेज 8

असम–नगालैंड तेल की खोज के लिए सहमत

नई दिल्ली। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच पांच दशक पुराने सीमा विवाद सुलझाने के लिए दोनों राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद नगालैंड ने भी असम के विवादित सीमा के साथ तेल की खोज के लिए एकसाथ आने का फैसला किया। असम और नगालैंड के मुख्यमंत्रियों हिमंत विश्व शर्मा और नेफ्यू रियो ने दोनों राज्यों के आर्थिक लाभ के लिए विवादित क्षेत्रों में तेल की खोज के लिए आगे बढ़ने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की। शर्मा और रियो गुरुवार रात एक बैठक के दौरान इस समझौत पर पहुंचे। असम सरकार के एक बयान में कहा गया है कि असम और नगालैंड दशकों पुराने सीमा विवाद को सौहार्दपूर्ण तरीके से खत्म करने के लिए सभी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि यहां आमने–सामने की चर्चा के दौरान दोनों मुख्यमंत्रियों ने आपसी हित के मुद्दों और अंतर्राज्यीय सीमा पर तेल की खोज के लिए सहयोग पर चर्चा की। रियो ने संवाददाताओं से कहा कि असम और नगालैंड ने सैद्धांतिक रूप से विवादित क्षेत्रों में तेल की खोज के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है ताकि तेल निकाला जा सके और पड़ोसी राज्यों के बीच रॉयल्टी साझा की जा सके। उन्होंने कहा कि नगालैंड के अंदर भी तेल की खोज की अपार संभावनाएं हैं, एक बार जब यह औपचारिक हो जाएगा तो हम इस पर आगे बढ़ेंगे, क्योंकि देश को बड़े पैमाने पर तेल की जरूरत है। शर्मा ने ट्वीट किया कि नई दिल्ली के असम हाउस में नगालैंड –शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने हेपेटाइटिस–ए के प्रकोप का लिया जायजा

गुवाहाटी। उत्तर गुवाहाटी के अमीनगांव में हेपेटाइटिस–ए से सात लोगों की मौत हो गई। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने स्थिति का जायजा लेने और पानी की गुणवत्ता का निरीक्षण करने के लिए क्षेत्र का दौरा किया। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों तथा रेलवे और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रतिनिधियों के साथ गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) से अमीनगांव और आसपास के क्षेत्रों में प्रत्येक व्यक्ति की पूरी स्वास्थ्य जांच करने के लिए एक मेडिकल टीम भेजने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। मीडिया से बात करते हुए, शर्मा ने कहा कि मैंने रेलवे और जन स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया है और पानी की गुणवत्ता का सत्यापन भी किया है। मैंने पुष्टि की है कि हेपेटाइटिस–ए के परिणामस्वरूप अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के अलावा एक नई जल आपूर्ति योजना विकसित करने की भी आश्यकता है। मालूम हो कि उत्तर गुवाहाटी में जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) की जल वितरण योजना –शेष पृष्ठ दो पर

थाना परिसर में सिपाही ने खुद को मारी गोली

विश्वनाथ (हि.स.)। विश्वनाथ के बिहाली पुलिस स्टेशन में शुक्रवार को एक कॉन्स्टेबल ने थाना परिसर में अपनी सर्विस 5.56 इंसास राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक मृतक कॉन्स्टेबल ललित तेरंग निवासी गहपुर ने थाना के बैरेक के पिछले हिस्से में आज सुबह कांस्टेबल ने खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे थाना परिसर में सनसनी फैल गई। बिहाली पुलिस स्टेशन के एक कांस्टेबल ने सुबह बैरक के पीछे मृत कांस्टेबल का शव देखा। इस बीच मजिस्ट्रेट की –शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत सरकार के दो वर्ष पर तीन दिवसीय आयोजन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार 10 मई को अपना दो वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लेगी। इस मौके पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मौजूद रहने की संभावना है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सरकार की दूसरी वर्षगांठ का समारोह गुवाहाटी के खानापारा में आयोजित किया जाएगा। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री कार्यालय ने प्रत्येक मंत्री की विभागीय रिपोर्ट एकत्र की है। असम सरकार के मंत्री जोगेन महन के मुताबिक मुख्यमंत्री कार्यालय सभी विभागों से जानकारी ले रहा है। किस विभाग में क्या कुछ किया गया है, वह सब एकत्र किया जा रहा है। मुख्यमंत्री लोगों को इन उपलब्धियों से अवगत कराएंगे। सफल विभाग और सफल मंत्रियों को पुरस्कृत कर सकते हैं। इसलिए मंत्री अपने–अपने विभागों को अपडेट करने में लगे हैं। गौरतलब है कि 2021 में भाजपा ने दूसरी बार दिसपुर (राजधानी) की सत्ता पर कब्जा कर असम में सरकार बनाई थी।

छात्रा के साथ दुष्कर्म कर हत्या पुलिस पर लोगों का पथराव

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल से दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। राज्य के उत्तर दिनाजपुर जिले में अज्ञात बदमाशों ने एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद बदमाशों ने उसकी हत्या कर शव नहर में फेंक दिया, जो अगले दिन स्थानीय लोगों को पड़ा मिला। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस का कहना है कि जिले की रहने वाली एक नाबालिग किशोरी गुरुवार शाम ट्यूशन जाने का बोलकर घर से निकली थी। जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजन घबरा गए। उन्होंने आसपास बेटी की तलाश की, स्थानीय लोग भी परिवार के –शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म न करने से, कर्म करना श्रेष्ठ है।

– श्रीमद् भागवत गीता

मणिपुर के बीरेन सरकार पर बढ़ता असंतोष भाजपा ने बुलाई उच्च स्तरीय बैठक

इंफाल /नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों का असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब तीसरे भाजपा विधायक पी ब्रोजेन सिंह ने असंतोष के सुर बुलंद किए हैं। उन्होंने मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वालों की लिस्ट में वे तीसरे विधायक हैं। वह वांगजिंग तेंथा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर आते हैं। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को संबोधित एक पत्र में उन्होंने इस्तीफे का कारण निजी बताया है। पिछेल एक सप्ताह के भीतर ये तीसरा इस्तीफा दिया गया है। इससे पहले 13 अप्रैल को विधायक थोकचोम राधेश्याम सिंह ने मुख्यमंत्री के सलाहकार के पद से –शेष पृष्ठ दो पर

पार्टी में सब कुछ ठीक है : मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर भाजपा में खटपट होने की अटकलों को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सिरे से खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा में कोई संकट नहीं है। तीन विधायकों के प्रशासनिक पदों से हुए इस्तीफे के कारण मणिपुर में बैठक बुलाई गई थी। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि पार्टी में सब कुछ सही है। मणिपुर भाजपा में संकट –शेष पृष्ठ दो पर

सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा पर पीएम ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह युद्ध प्रभावित सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। पीएम ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान वहां से देश के लोगों को सुरक्षित निकालने पर चर्चा हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी हिस्सा लिया और सूडान के मौजूदा हालात के बारे में पीएम को अवगत कराया। बैठक को लेकर पीएमओ ने बयान जारी किया है। –शेष पृष्ठ दो पर

गोधरा कांड : आठ दोषियों को एससी से जमानत

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में गोधरा में ट्रेन के एक कोच में आग लगाकर 59 लोगों की हत्या के दोषी 8 लोगों को जमानत दे दी है। इन सभी को ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट से उम्र कैद की सजा मिली थी। कोर्ट ने गुरुवार को इन्हें 17–18 साल जेल में बिताने के आधार पर जमानत दी है। कोर्ट ने निचली अदालत से फांसी की सजा पाने वाले 4 को जमानत से मना कर दिया है। गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने 20 फरवरी को सुनवाई के दौरान अपराध को जघन्य बताते हुए जमानत दिए जाने की मांग का विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट –शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में भीषण गर्मी, रिकॉर्ड टूटने की ओर

गुवाहाटी। देश में मौसम का यही हाल रहा तो पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में इस साल गर्मी के सारे रिकॉर्ड टूट सकते हैं। अप्रैल के तीसरे हफ्ते में ही तापमान पूर्वोत्तर भारत के अब तक के रिकॉर्ड तापमान के करीब पहुंच गए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों पर नजर डालेंगे को आपकों भी गर्मी का अंदाजा लग जाएगा। औमतौर पर इस क्षेत्र में लंबे समय तक गर्मी नहीं पड़ती है। अप्रैल और मई में आंधी–तूफान शुरू हो जाते हैं जिनकी वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिलती है लेकिन, इस साल मामला कुछ उल्टा नजर आ रहा है। बाकी सालों की तुलना में इस साल कम आंधी–तूफान दर्ज किए गए हैं। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा की बात करें तो राजधानी अगरतला में 15 से 19 अप्रैल के बीच अधिकतम तापना 38 से 39.3 डिग्री तक दर्ज हो चुका है, जबकि इस महीने के अभी दस दिन बचे हुए हैं। अगरतला में करीब 62 साल पहले 30 अप्रैल, 1960 को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री –शेष पृष्ठ दो पर

पुलवामा : सत्यपाल मलिक को सीबीआई का समन

नई दिल्ली। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक इन दिनों अपने बयानों की वजह से लगातार सुर्खियों में हैं। कभी जम्मू कश्मीर आतंकी घटना को लेकर बयान सामने आता है तो कभी किसान आंदोलन के मुद्दे पर केंद्र और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच मध्यस्थता की बात कह डालते हैं। लेकिन अब सत्यपाल मलिक सीबीआई की तरफ –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दिल्ली की कोर्ट में गोलियां चलीं

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में शुक्रवार सुबह साकेत कोर्ट के अंदर एक महिला को गोली मार दी गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला के पेट और एक हाथ पर गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आरोपी फरार हो गया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) चंदन चौधरी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े 10 बजे हुई। चौधरी ने कहा कि एम राधा को दो गोलियां लगी हैं। एक गोली उसके पेट और एक गोली हाथ में लगी है। राधा की उम्र 40 साल से अधिक है। उसे साकेत स्थित मैक्स अस्पताल ले जाया गया है और उसकी हालत स्थिर बताई जा –शेष पृष्ठ दो पर

ईसी की खराब वीवीपैट मशीनों की पहचान वाली रिपोर्ट पर कांग्रेस का सवाल

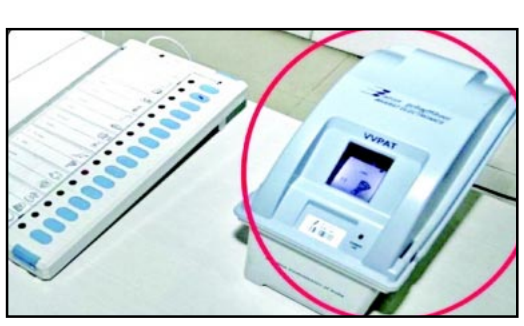

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को चुनाव आयोग की *खराब* वीवीपीएटी मशीनों की पहचान करने वाली रिपोर्ट को *सबसे गंभीर* करार दिया। साथ ही चुनाव निकाय को चुनावी प्रक्रिया की अखंडता में जनता के विश्वास को बनाए रखने में मदद करने के लिए सभी को विश्वास में लेने की सलाह दी। विपक्षी दल ने चुनाव आयोग से कई सवाल किए और कहा कि चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बहाल करने में मदद के लिए वीवीपीएटी पर पूरी पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि चुनाव आयोग ने कथित तौर पर 6.5 लाख वीवीपीएटी मशीनों को दोषपूर्ण के रूप में पहचाना है और उन्हें मरम्मत के लिए निर्माताओं को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि ये वीवीपीएटी मशीनें नवीनतम *एम3* प्रकार की हैं, जिन्हें पहली बार 2018 में चुनाव आयोग द्वारा पेश किया गया था और तब से चुनावों में उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 17.4 लाख वीवीपीएटी मशीनों को 2019 के लोकसभा चुनावों में उपयोग के लिए अधिसूचित किया गया था। हालांकि, वीवीपीएटी में खराबी के बारे में मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

माफिया अतीक-अशरफ की हत्या पर अल कायदा ने भारत को दी धमकी

नई दिल्ली। कुख्यात आतंकी संगठन अल-कायदा ने माफिया डॉन और बाहूबली अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमदकी हत्या को लेकर भारत को धमकी दी है। इतना ही नहीं अल-कायदा ने अतीक अहमद को शहीद भी करार दिया है। अल-कायदा ने कहा है कि हम भारत से अतीक और अशरफ अहमद की मौत का बदला लेंगे। अल-कायदा ने सात पन्ने जारी कर कहा कि वह इस *नरसंहार* का बदला लेगा। अपने ईद संदेश में अल-कायदा ने बिहार हिंसा का भी जिक्र किया है। अल-कायदा ने कहा है कि बिहार और कश्मीर में मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है। अल-कायदा ने भारत के अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, सऊदी, यमन और अमेरिका में भी आत्मघाती हमले करने की धमकी दी है। अल-कायदा ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में मुसलमानों की स्थिति पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया है कि बांग्लादेश में हिंदू प्रभाव स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) के प्रमुख उस्मा महमूद ने कहा है कि हम अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। अल कायदा ने पिछले साल भी भारत में आत्मघाती हमले करने की धमकी दी थी। पैगंबर मोहम्मद पर की गई कथित टिप्पणियों को लेकर अल कायदा ने कहा था कि हम पैगंबर की गरिमा के लिए लड़ने को तैयार हैं। अल कायदा ने तब राजधानी दिल्ली, मुंबई, गुजरात और उत्तर प्रदेश में हमले करने की धमकियां दी थीं।

कोरोना : केंद्र ने राज्यों को चेताया कड़ी निगरानी रखने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। देश में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र सहित आठ राज्यों से कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। केंद्र ने इन राज्यों को कोरोना संक्रमण के किसी भी उभरते प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई को लेकर तैयार रहने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने शुक्रवार को कहा कि देश में अभी भी कोविड-19 खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, हरियाणा और दिल्ली को किसी भी स्तर पर ढिलाई के खिलाफ सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सतर्कता, कोरोना महामारी से लड़ने में अहम भूमिका निभा सकती है। बता दें कि देश में मार्च के बाद से कोविड-19 मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। बीते दिन 20 अप्रैल को 10,262 कोरोना के नए मामले दर्ज किए गए थे। इसके साथ ही, देश भर में संक्रमण दर में भी वृद्धि देखी गई है। बीते सप्ताह के अंत में 5.5 प्रतिशत पाजिटिविटी दर दर्ज की गई थी। भूषण ने कहा कि यह चिंता का कारण है, क्योंकि 19 अप्रैल को पिछले सप्ताह में 4.7 प्रतिशत पाजिटिविटी दर दर्ज की गई थी।

लंका में भारी मात्रा में तस्करी का तेल जब्त

होजाई (हिंस)। होजाई जिला के लंका में पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में तस्करी का तेल जब्त किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि गुप्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने लंका के लस्कर पथार इलाके में ड्रम में एकत्र किए गए भारी मात्रा में तेल को जब्त किया है। जब्त ड्रमों में रखे तेल की पहचान पेट्रोल और डीजल के रूप में हुई है। अब तक, पुलिस इस घटना के संबंध में किसी को भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। हालांकि, तेल की तस्करी के लिए इस्तेमाल होने वाले एक चार पहिया वाहन (एएस-02सीसी-1754) को पुलिस ने जब्त किया है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। साथ ही इस संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज की है।

अंकिता को अभी तक निलंबित नहीं किया गया : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि अभी तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने असम प्रदेश युवक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष और एआईसीसी की सदस्य अंकिता दत्ता को पार्टी से निलंबित करने के किसी भी फैसले के बारे में सूचित नहीं किया है। बोरा ने यह भी बताया कि अंकिता दत्ता असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी को कारण बताओ नोटिस का जवाब पहले ही सौंप चुकी हैं और जवाब एआईसीसी को भेज दिया गया है। बोरा ने कहा है कि असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष कमलाक्षा दे पुरकायस्थ का मीडिया को दिया गया बयान कि अंकिता दत्ता को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, यह एपीसीसी का बयान नहीं है। अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने मीडिया को जानकारी दी कि दूसरी ओर, कमलाक्ष दे को इस तरह के बयान के लिए पार्टी के समक्ष पुरकायस्थ को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

आंधी, ओलावृष्टि से रंगिया में तबाही

कामरूप (हिंस)। आंधी, बारिश और भारी ओलावृष्टि से कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया उपमंडल के पश्चिमी हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है। इलाके में अभूतपूर्व ओलावृष्टि हुई है। खासकर बीती रात को हुई ओलावृष्टि के कारण पूर्वी बारिगोग, पश्चिमी बारिगोग मौजा के साथ-साथ पांडुरी मौजा की जयंतीपुर ग्राम पंचायत के गांवों के सभी घरों के टिन और एस्बेस्टस की छत टूट-फूट गई हैं। ओलावृष्टि ने न केवल सभी प्रकार की सब्जियों की फसलों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है, बल्कि खाद्यान्न संकट भी पैदा कर दिया है। मानसून के समय किसानों के सिर पर आर्थिक संकट का भारी बोझ अचानक आ गया है, जिसके चलते गरीब किसान बेहद चिंतित हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार से मदद की गुहार लगाई है। असम के विभिन्न हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से भारी तबाही हुई है।

ईद का चांद आया नजर आज मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली (हि.स.)। राजधानी दिल्ली समेत देश के विभिन्न भागों में ईद का चांद नजर आने की खबरें हैं। सभी बड़ी मस्जिद और संगठनों की रुयत-ए-हिलाल कमेटियों ने ईद का चांद निकलने की पुष्टि की है और यह फैसला लिया है कि शनिवार को देशभर में ईद का त्योहार मनाया जाएगा। गौरतलब है कि ईद-उल-फितर का त्योहार रमजान महीने के एक महीने के रोजे रखने के बाद मनाया जाता है। दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने मस्जिद से एलान करते हुए बताया है कि दिल्ली सहित देश के कई भागों से ईद का चांद निकलने की पुष्टि की गई है। जामा मस्जिद में मगरिब की नमाज के बाद आयोजित मरकजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी की मीटिंग हुई है। बैठक में दिल्ली सहित देश के अन्य हिस्सों से ईद के चांद निकलने के बारे में जानकारी प्राप्त की गई है। बैठक में फैसला लिया गया है कि कल शनिवार को ईद मनाई जाएगी। शाही इमाम ने देशभर के मुसलमानों को ईद की मुबारकबाद भी पेश की है। इसी तरह चांदनी चौक स्थित शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद के चांद निकलने की एलान करते हुए देशभर के मुसलमानों कल शनिवार को ईद मनाने की अपील की है। जमीयत अहले हदीस के अमीर मौलाना असगर अली इमाम सल्फी मेहंदी ने भी ईद का चांद नजर आने का एलान करते हुए शनिवार को ईद मनाए जाने की अपील की।

वजू के लिए पानी के साथ पर्याप्त संख्या में टब मुहैया कराएं : सुप्रीम कोर्ट

वाराणसी। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम नमाजियों के वजू को लेकर शुक्रवार को वाराणसी के जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने पानी के साथ पर्याप्त संख्या में टब उपलब्ध कराने को कहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ को बताया कि डीएम नमाज के दौरान वजू के लिए लोगों के लिए पर्याप्त पानी के टब उपलब्ध कराएंगे। पीठ ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल का कहना है कि वजू को सुविधाजनक बनाने के लिए डीएम यह सुनिश्चित करेंगे कि पानी के लिए पर्याप्त संख्या में टब उपलब्ध हों। गौरतलब है, मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि रमजान को देखते हुए ज्ञानवापी में वजू और शौचालय की व्यवस्था कराई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी के जिलाधिकारी एस राजलिंगम को आम सहमति से निर्णय लेकर समस्या के समाधान कराने का आदेश दिया था। जिलाधिकारी ने मंगलवार को पहले मुस्लिम पक्ष और बुधवार को हिंदू पक्ष के साथ बैठक कर इस समस्या के समाधान के प्रयास किया था। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के साथ हुई बैठक में तय हुआ था कि पुराने बाथरूम को तोड़कर शौचालय बना दिया जाए और उसके ऊपर टंकी रखकर वजू की व्यवस्था कर दी जाए। इसका हिंदू पक्ष ने विरोध किया था। गत बुधवार को हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन भी किया था। ज्ञानवापी के मां श्रृंगार गौरी मामले की वादिनी चार महिलाओं ने भी जिलाधिकारी से मिलकर स्थायी शौचालय के निर्माण के निर्णय का विरोध किया था। उनकी मांग थी कि वजू स्थल ज्ञानवापी परिसर से बाहर किया जाए। गुरुवार को जिला प्रशासन ने आम सहमति से ज्ञानवापी के 100 मीटर दायरे में नमाजियों के लिए मोबाइल शौचालय रखवा दिए हैं। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि आम सहमति से नमाजियों के लिए मोबाइल शौचालय और वजू की व्यवस्था कर दी गई है। पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार की गई है।

पृष्ठ एक का शेष

असम-नगालैंड तेल ...

के माननीय मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो जी के साथ समय बिताने का अवसर पाकर खुशी हुई। हमारे बीच चल रहे सीमा विवाद को खत्म करने और आपसी लाभ एवं सहयोग के अन्य क्षेत्रों पर चर्चा हुई। नगालैंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के जातीय समूहों के समर्थन और सहयोग से सीमा विवाद के अदालत के बाहर समाधान पर असम के अपने समकक्ष के साथ सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि हमने सीमा और विकास के मुद्दों पर चर्चा की। क्योंकि हमें एक साथ काम करना है, एक दूसरे का समर्थन करना है और ऐसे ही आगे बढ़ना है। बता दें कि असम और नगालैंड 434 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं। दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद छह दशक से अधिक पुराना है और इसे लेकर कई झड़पें भी हुई हैं। आखिरी बड़ी झड़प 1985 में मेरापानी में हुई थी, यह वर्तमान में गोलाघाट जिले में पड़ता है। इस झड़प में असम के 28 पुलिसकर्मियों सहित 41 लोग मारे गए थे। केंद्र की ओर से इस मसले को सुलझाने के कई प्रयास किए गए हैं।

सीएम ने हेपेटाइटिस-ए...

मई तक पूरी होने की उम्मीद है। लेकिन मुख्यमंत्री के अनुसार, आमिनगांव में अभी भी कुछ चिंताएं हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों ने बताया कि उत्तरी गुवाहाटी में 37 लोगों में हेपेटाइटिस-ए वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया है। उपचार के दौरान लोगों को सावधानी बरतने और अच्छी स्वच्छता बनाए रखने के लिए कहा गया। हेपेटाइटिस-ए एक गंभीर रूप से संक्रामक रोग है जो संक्रमित लोगों के साथ-साथ दूषित भोजन और पानी के संपर्क से भी फैलता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वायरस के प्रकोप से संबंधित पहली मौत 6 अप्रैल को हुई थी।

थाना परिसर में ...

मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विश्वनाथ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुलेंद्र नाथ ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर परिवार वालों ने इस घटना की उच्च जांच की मांग की है। हालांकि, कांस्टेबल के आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

छात्रा के साथ ...

साथ किशोरी को ढूंढ रहे थे। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। पड़ोसियों के साथ मिलकर परिजन पूरी रात किशोरी को ढूंढते रहे, लेकिन वह नहीं मिली। पुलिस का कहना है कि शुक्रवार सुबह एक नहर में किशोरी का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला, जो गुरुवार रात से ही नहर में पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस का लोगों ने विरोध किया। उनकी मांग है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। स्थानीय लोगों ने सड़कों को जाम कर दिया। टायर जलाए और विरोध करते हुए पुलिस पर पथराव भी किया। अधिकारी ने बताया कि भीड़ काफी आक्रामक थी, नियंत्रण करने के लिए हमें लाठीचार्ज करना पड़ा। आंसू गैस के गोले भी दागे गए थे। अधिकारी ने बताया कि लड़की का शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले में पश्चिम बंगाल नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में अराजकता का आरोप लगाया है। अपराध के लिए उन्होंने राज्य पुलिस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मामले में दो ट्वीट करते हुए बंगाल सरकार पर निशाना साधा है। सफेद चादर से ढके शव के आसपास खड़े स्थानीय लोगों का एक वीडियो पोस्ट करते हुए भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एक और नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या। उत्तर दिनाजपुर के कलियागंज के राजबंशी समुदाय की दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा का शव मिला। वहीं उन्होंने अपनी ट्वीट में कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए खेद है। क्योंकि पश्चिम बंगाल पुलिस भाइपो के नबजोवर (टीएमसी राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी) के लिए सुरक्षा व्यवस्था करने में व्यस्त हैं। दुर्भाग्य है कि इसकी कीमत आम लोग और महिलाएं चुका रही हैं। राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं।

मणिपुर के बीरेन ...

इस्तीफा दे दिया। इसके ठीक चार दिन बाद करम श्याम ने भी मणिपुर पर्यटन निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। दोनों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफे के पीछे जिम्मेदारियों का अभाव का हवाला दिया। बताया जा रहा है कि भाजपा के कई विधायक कथित तौर पर आलाकमान को अपनी शिकायतें देने के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। ये तीनों विधायक उन्हीं में शामिल हैं। इस तरह की घटनाक्रम को लेकर मणिपुर भाजपा में हड़कंप मचा हुआ है। आपसी कलह को सुलझाने के लिए पार्टी की राज्य इकाई ने शुक्रवार को एक हाई लेवल बैठक बुलाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा इस बैठक में शामिल हो सकते हैं क्योंकि वे मणिपुर के प्रभारी भी हैं। मणिपुर में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का यह दूसरा कार्यकाल है। बताया जा रहा है कि सीएम बीरेन सिंह से पार्टी के विधायक खुश नजर नहीं आ रहे हैं। पहले कार्यकाल में भी उनके कैबिनेट सहयोगियों ने कई तरह के सवाल खड़े किए थे और सीएम की जमकर आलोचना की थी। साल 2020 में बीरेन ने अपने उपमुख्यमंत्री वाई जॉयकुमार सिंह से सभी विभागों को वापस ले लिया था। इस कलह के चलते तत्कालीन सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भाजपा सरकार से किनारा करना शुरू कर दिया था। हालांकि अंतिम समय में संकट टल गया था।

पार्टी में सबकुछ ...

छाने की अटकलों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मंत्री इंदौर गए हुए हैं, उसके लिए उन्होंने मुझसे छुट्टी ली है। तीन विधायकों का दिल्ली में इलाज चल रहा है। बस इतना है। पार्टी में कोई संकट नहीं है, बाकी विधायकों ने बैठकों में भाग लिया है। भाजपा के विधायक पाओनम ब्रोजेन ने गुरुवार को प्रशासनिक पद से इस्तीफा दे दिया था। ब्रोजेन इस्तीफा देने वाली तीसरी विधायक हैं। उन्होंने पद छोड़ने के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। ब्रोजेन मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी की अध्यक्ष थीं। इसके पहले सोमवार को भाजपा विधायक करम श्याम ने पर्यटन निगम मणिपुर लिमिटेड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, पद छोड़ते हुए उन्होंने शिकायत की, उनका कहना है कि उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। वहीं, मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे विधायक थोकचोम राधेश्याम ने भी शिकायत करते हुए 8 अप्रैल को पद से इस्तीफा दे दिया था। पार्टी सूत्रों का कहना है कि शुक्रवार को भाजपा नेताओं की बैठक थी। भाजपा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए निर्वाचित विधायकों और पार्टी सदस्यों की बैठक बुलाई गई थी। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों की अटकलें और शुक्रवार को हुई बैठक के बीच कोई संबंध नहीं है। यह महज एक संयोग है। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में साल 2022 में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनावों में भाजपा ने बहुमत हासिल किया है। 60 विधानसभा सीटों वाले मणिपुर में भाजपा ने 37 सीटों पर कब्जा हासिल किया। वहीं कांग्रेस को राज्य में मात्र पांच सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। अटकलें हैं कि मणिपुर भाजपा के चार विधायक दिल्ली में हैं। वह पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मिलकर अपनी शिकायत बताना चाहते हैं। बता दें, इन चारों विधायकों में से तीन विधायकों ने अपने प्रशासनिक पदों से इस्तीफा दे दिया है। मणिपुर के गृह विभाग ने बताया कि 37 उग्रवादियों ने सरकार के सामने सरेंडर किया है। इनमें से 36 उग्रवादी चिन कुकी लिबरेशन आर्मी के हैं। एक उग्रवादी प्रेपैक (प्रो) से जुड़ा हुआ था। इसपर मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि 37 उग्रवादियों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अपना विश्वास दिखाया और सरेंडर किया। मुझे विश्वास है कि हम मणिपुर में शांति और प्रगति को मजबूत करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, चार एके सीरीज राइफल्स, एक .22 राइफल, एक 303 राइफल, एक सिंगल बैरल, एक कार्बाइन, चार पिस्टल, दो ग्रेनेड और 540 मिश्रित गोला-बारूद 37 उग्रवादियों ने सौंपे हैं।

सूडान में फंसे ...

बयान के मुताबिक, पीएम ने सूडान में हाल के घटनाक्रमों का आकलन किया और सूडान में वर्तमान में फंसे हुए 3,000 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ जमीनी हकीकत की पहली रिपोर्ट प्राप्त की। इस दौरान पीएम मोदी ने सूडान में एक भारतीय नागरिक के निधन पर शोक व्यक्त जताया। गृहयुद्ध से प्रभावित सूडान में पिछले सप्ताह भारतीय नागरिक एक गोली का शिकार हो गया था। पीएम ने इस दौरान सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने, विकास की बारीकी से निगरानी करने और सूडान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का लगातार मूल्यांकन करने और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। साथ ही पीएम मोदी ने आगे आकस्मिक निकासी योजनाओं की तैयारी, तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य और विभिन्न विकल्पों की व्यवहार्यता के लिए लेखांकन का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र के पड़ोसी देशों के साथ-साथ सूडान में बड़ी संख्या में नागरिकों के साथ घनिष्ठ संचार बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। गौरतलब है कि सूडान में सेना व रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच जारी गृहयुद्ध को लेकर मंगलवार देर शाम को दोनों पक्षों ने 24 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी, लेकिन बहुत जल्द यह युद्धविराम टूट गया। बुधवार को पांचवें दिन तक देश में डब्ल्यूएचओ ने 270 मौतों की बात कही जबकि 2,600 से ज्यादा घायल बताए थे। इस बीच, वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत पूरे मामले पर करीबी नजर रखे हुए है और विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई व सऊदी अरब से वार्ता कर समन्वय शुरू कर दिया है। गोलाबारी व हवाई हमलों ने राजधानी खारतूम और नील नदी के ओमडुरमैन शहर को हिलाकर रख दिया है। देश में किसी अनजान जगह पर 31 भारतीयों के फंसे होने की खबरें भी हैं। भारतीयों की सुरक्षा पर जयशंकर ने चार देशों से चर्चा के बाद ट्वीट किया कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया, जो हमारे संपर्क में हैं। उन्हें सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान व ब्रिटेन-अमेरिका से भी व्यावहारिक समर्थन का आश्वासन मिला है। हताहतों की निगरानी करने वाले सूडान डॉक्टर्स सिंडिकेट ने कहा कि यहां सैकड़ों लोग मारे गए हैं। कई शव सड़कों पर पड़े हैं लेकिन उन तक पहुंच न बन पाने के कारण सही गिनती नहीं हो रही।

गोधरा कांड : आठ ...

ने दोषियों के नाम, अपराध में उनकी भूमिका और जेल में बिताए गए समय संबंधी चार्ट कोर्ट में दाखिल करने का निर्देश दिया था। 30 जनवरी को सुनवाई के दौरान दोषियों की ओर से कहा गया था कि उनका दोष सिर्फ यही था कि इन्होंने सिर्फ पत्थरबाजी की थी, लेकिन वो उम्रकैद की सजा भुगत रहे हैं। इस पर तुषार मेहता ने कहा था कि सिर्फ पत्थरबाजी ही नहीं, इन लोगों ने ट्रेन की बोगी में आग भी लगाई थी। पहले की सुनवाई के दौरान मेहता ने कोर्ट को आश्वस्त किया था कि वह हर दोषी की भूमिका की जांच करेंगे कि क्या वाकई इनमें से कुछ लोगों को जमानत पर रिहा किया जा सकता है। 15 दिसंबर 2022 को कोर्ट ने इस मामले के दोषी फारुख को 17 साल से जेल में होने के आधार पर जमानत दी थी। दरअसल, 27 फरवरी, 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस की एस-6 बोगी में आग लगाई गई थी, जिसमें 58 लोगों की मौत हो गई थी। साबरमती एक्सप्रेस से यह कारसेवक अयोध्या से लौट रहे थे। की इस घटना के बाद गुजरात में सांप्रदायिक दंगे हुए थे। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने 2011 में 31 लोगों को दोषी करार दिया था। इनमें से 11 को फांसी की सजा और 20 को उम्रकैद की सजा हुई थी। इस मामले में 63 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया था। गुजरात हाई कोर्ट ने 2017 में ट्रायल कोर्ट से फांसी की सजा मिले 11 दोषियों की सजा कम करते हुए उसे उम्रकैद में तब्दील कर दिया था और 20 को मिली उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी।

पूर्वोत्तर में भीषण ...

सेल्सियस दर्ज किया गया है। अभी तक अप्रैल में औसत तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस रहा है। वहीं, मेघालय की राजधानी शिलांग में इस बार अभी तक अधिकतम तापमान 27 से 29.1 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। शिलांग में अभी तक सबसे अधिक तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस है, जो 5 अप्रैल, 1973 को दर्ज किया गया था। मतलब रिकॉर्ड को टूटने में अब कुछ प्वाइंट्स का ही अंतर है। मणिपुर के तापमान की बात करें तो यहां इस साल औसतन तापमान 32.8 से 38 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है। इंफाल का अभी तक अधिकतम तापमान 36.1 रहा है, जिसे 9 अप्रैल 1999 को दर्ज किया गया था। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, इम्फाल दैनिक औसतन तापमान मात्र 29 डिग्री सेल्सियस है। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि तापमान में किस कदर बढ़ोतरी हो रही है। पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा पूर्वी भारत के राज्यों में भी तापमान में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। बंगाल की राजधानी कोलकाता की बात करें तो 15 से 19 अप्रैल के बीच 40 से 41.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ है। कोलकाता के पुराने रिकॉर्ड की बात करें तो 25 अप्रैल, 1954 को यहां 42.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था।

पुलवामा : सत्यपाल ...

से समन मिलने को लेकर चर्चा में हैं। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामले में जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को मौखिक समन भेजा है। उन्हें एजेंसी ने 27 और 28 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा है। इस संबंध में सीबीआई ने फिलहाल कोई पुष्टि नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एजेंसी की तरफ से जम्मू कश्मीर में दो प्रोजेक्ट में गड़बड़ियों को लेकर केस दर्ज किया था। इसी मामले में सीबीआई ने उन्हें बुलावा भेजा है। मलिक की तरफ से दावा किया था कि उन्हें दो फाइल साइन करने के लिए 300 करोड़ रुपए का ऑफर मिला था। सीबीआई की तरफ से पिछले वर्ष अक्तूबर के महीने में भी उनके पूछताछ की गई थी। हाल ही में सत्यपाल मलिक ने पुलवामा हमले को लेकर अपने दावे से सनसनी मचा दी थी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने दावा किया है कि वह 14 फरवरी, 2019 के पुलवामा हमले के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपर्क में थे, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे और प्रधानमंत्री ने उनसे कुछ खामियों पर चुप रहने को कहा था।

ईसी की खराब ...

चुनाव आयोग ने कहा है कि मरम्मत के लिए 3.43 लाख वीवीपैट की पहचान की गई थी, न कि 6.5 लाख की, जैसा कि मीडिया में रिपोर्ट किया गया है। चुनाव अधिकारियों ने कहा है कि दोषपूर्ण वीवीपीएटी किसी भी तरह से गलत परिणाम नहीं देता है, यह केवल चुनाव प्रक्रिया के दौरान कामकाज को रोकने का संकेत देता है। खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस इसे चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को प्रभावित करने वाला एक *सबसे गंभीर मुद्दा* मान रही है, क्योंकि जिन मशीनों में खामियां पाई गई हैं, उनकी संख्या कथित रूप से 2019 के लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई संख्या के एक तिहाई (37 प्रतिशत) से अधिक है। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के वोट प्रभावित हो सकते हैं। ईवीएम में जनता के विश्वास को बढ़ाने के उपाय के रूप में वीवीपैट की शुरुआत की गई थी। ईवीएम पर बढ़ते सवालों के माहौल में इतने बड़े पैमाने पर त्रुटि को चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पूरी पारदर्शिता की आवश्यकता है। यह देखते हुए कि इसे एक अलग घटना के रूप में नहीं माना जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि खामियां इतनी गंभीर हैं कि चुनाव आयोग की अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के उल्लंघन में मशीनों को निर्माताओं को वापस करना पड़ा है। खेड़ा ने कहा कि इन मशीनों को वापस मंगाए जाने के कारण के बारे में राजनीतिक दलों को विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है। हमारे जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हमें बताते हैं कि उन्हें सूचित किया गया था कि यह गतिविधि चुनाव अधिकारियों द्वारा सामान्य प्रक्रिया के रूप में की जा रही है। चुनाव आयोग द्वारा सूचित किए जाने के बजाय हमें मीडिया रिपोर्टों के जरिये इस मुद्दे की गंभीरता का एहसास हुआ। खेड़ा ने कहा कि यह उन घटनाओं की श्रृंखला में नई कड़ी है, जिन्होंने धीरे-धीरे ईवीएम और वीवीपैट में जनता के विश्वास को कम किया है। हम आशा करते हैं कि चुनाव आयोग हमारे सवालों का पूरी तरह से और तेजी से जवाब देगा और वीवीपीएटी को लेकर उठाए गए सवालों को सक्रिय रूप से दूर करके जनता के विश्वास को बहाल करेगा।

दिल्ली की कोर्ट ...

रही है। चौधरी ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है। उसने पीड़िता और वकील राजेंद्र झा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज कराया था। वहीं गोली लगने के बाद भी महिला हिम्मत नहीं हारी और पेट से निकल रहे खून पर अपनी चुनरी बांध खुद चलकर कोर्ट के बाहर आई। पुलिस ने बताया कि महिला कोर्ट में गवाही देने के लिए आई ती लेकिन उसे कोर्ट परिसर की सीढ़ियां चढ़ते ही गोली मार दी गई। एक सूत्र ने बताया कि आरोपी एक वकील है, जिसे साकेत अदालत की बार एसोसिएशन ने पहले निलंबित कर दिया था। उसने बताया कि आरोपी ने महिला को कथित रूप से 25 लाख रुपए ब्याज पर उधार दिए थे और वह उसका भुगतान नहीं कर रही थी। चौधरी ने बताया कि एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, आरोपी ने चार-पांच गोलियां चलाईं और इसके बाद वह भोजनालय के पीछे के दरवाजे से भाग गया। उन्होंने बताया कि अदालत में हालात सामान्य हैं। *साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन* के अध्यक्ष विनोद शर्मा ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए और कानूनी पेशे से जुड़े लोगों को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए। शर्मा ने पुष्टि की कि आरोपी वकील की सदस्यता एसोसिएशन ने निलंबित कर दी थी। इससे पहले, वकील बनकर आए दो लोगों ने 2021 में जेल में बंद गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की रोहिणी अदालत कक्ष में गोली मारकर हत्या कर दी थी।

स्वर्वेद भाष्य

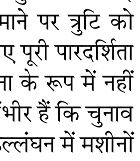

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

गृही धर्म यह श्रेष्ठ है, सब विधि सद्‌गुरु सेव।
पूजे सब मन कामना, गुरु देवन का देव॥ 45॥

शब्दार्थ : (गृही धर्म) गृहस्थाश्रम का धर्म (मन कामना) मन की अभिलाषा।

भाष्य : गृहस्थी का धर्म सबसे श्रेष्ठ है। सब गुरुओं के गुरु सद्‌गुरुदेव हैं। इनकी सब प्रकार से सेवा करने से समस्त मन की इच्छाएं पूर्ण होती हैं।

आरत दीन अधीन बन, सेवा कर लो ज्ञान।
सेवक निश्चय पतन है, कर गुरु से अभिमान॥ 46॥

शब्दार्थ : (आरत) त्रितापपीड़ित (अधीन) अनुकूल (पतन) गिरना (अभिमान) अहंकार।

भाष्य : त्रिताप पीड़ित प्रभु-भक्त, अनुरागी जीवन, दीन-अधीन हो कर सद्‌गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करेत हैं। उस सेवक का निश्चय पतन हो जाता है, जो गुरु से अइभमान करते हैं। निरभिमानी सेवक ही ज्ञान-विज्ञान और सुख-शांति को प्राप्त करता है।

असम के सीएम बोले

राज्य और राष्ट्र के निर्माण में गोरखाओं का महत्वपूर्ण योगदान

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि गोरखाओं ने राज्य और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोरखा कड़ी मेहनत और बहादुरी के प्रतीक हैं। उन्होंने हमारे राज्य और हमारे राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को सोनिणपुर जिले के गरपाल में असम गोरखा के 57वें सम्मेलन दिवस को संबोधित कर रहे थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के गोरखा विदेशी नहीं हैं, वे असमिया हैं और असमवासी हैं। यह फैसला हो चुका है। राज्यपाल के हस्ताक्षर से नोटिफिकेशन भी निकल गया है। इसके बावजूद सोशल मीडिया में इस तरह की बातें लिखना और बातें करने से आपस

में दूरी बढ़ती जाएगी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, उन गोरखा लोगों को आड़े हाथों लिया जो इस विषय को लेकर बार-बार सोशल मीडिया में लिखते हैं। उन्होंने कहा, जब असम कैबिनेट नें फैसला ले किया कि असम के गोरखा विदेश नहीं हैं, तो फिर बार-बार इस तरह की बातें क्यों हो रही हैं। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों से अपने साथ दोहराने को कहा, मैं गोरखा, मैं असमिया और मैं भारतीय। आज के बाद विदेशी वाला विवाद खत्म। उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों से असम के किसी गोरखा को ट्रिब्यूनल में जाना तो नहीं पड़ रहा है। वे (गोरखा) माटी के लाल हैं। हमारे शासनादेश के अनुसार आज से गोरखा सम्मेलन अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र (ओबीसी) प्रदान कर सकता है। आदिवासी बेल्ट ब्लॉक में गोरखा जमीन खरीद सकते हैं।

माहेश्वरी सभा की कार्यकारिणी सभा संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी सभा, गुवाहाटी की सत्र 2023-25 की द्वितीय बैठक माहेश्वरी भवन में अध्यक्ष सीताराम बिहानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा में मंत्री सुरेन्द्र लाहोटी ने विगत दिवस आयोजित बैठक के प्रतिवेदन को सभा में पारित करवाया। अध्यक्ष ने नए सदस्य के लिए नारायण बागड़ी को कार्यकारिणी सदस्य से परिचित करवाया गया। सभा में आगामी महेश नवमी पर चर्चा के दौरान कई प्रस्ताव पारित किए गए। जिनमें मुख्यत महेश नवमी उत्सव 2023 हेतु दिनांक 29 मई 2023 को विशाल शोभायात्रा का आयोजन सभा द्वारा करने का मानस बनाया गया। इसकी जानकारी शोभायात्रा संयोजक रमेश चांडक एवं संदीप राठी द्वारा सदन को दी गई। शोभायात्रा की रूपरेखा अतिशीघ्र बनाकर माहेश्वरी समाज को जनकारी के लिए प्रस्तुत करने की बात कही गई। ताकि शोभायात्रा को विशाल रूप से आयोजित कर सके।

रंगिया : भगवान परशुराम की सजेगी झांकी

रंगिया (विभास)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विप्र महापरिषद, रंगिया के तत्वाधान में समाज के आराध्य भगवान परशुराम के जन्मोत्सव का आयोजन आस्था और उत्साह के साथ किया गया है। जो कि स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में 22 अप्रैल, शनिवार को एक दिवसीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को सुबह 8 बजे ध्वजारोहण एवं मूर्ती स्थापना, सुबह 8.30 बजे दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजा अर्चना, सुबह 9 बजे सुंदरकांड पाठ प्रारंभ, सुबह 10 बजे से श्री हनुमान चालीसा पाठ प्रारंभ एवं महाआरती, दोपहर 12 बजे शोभायात्रा, दोपहर 1 बजे महाप्रसाद तथा संध्या। बजे दीप प्रज्ज्वलन (हर घर से एक दीया) एवं संध्या आरती का

आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विप्र समाज द्वारा आयोजन समिति का गठन कर समाजबंधुओं को विभिन्न कार्यभार सौंपा गया है। भीषण गर्मी के बावजूद भी ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी और विप्रजन पूरे उत्साह के साथ आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे है। समिति के अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा, उपाध्यक्ष वासु शर्मा, कार्यक्रम संयोजक घनश्याम शर्मा, सचिव लक्ष्मण शर्मा, सहसचिव अमित शर्मा सहित प्रभु वोहरा, अशोक शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, अशोक दाधीच एवं रंगिया के समस्त विप्र समाज द्वारा सभी समाजबंधुओं से सपरिवार इस्ट मित्रों सहित सम्पूर्ण कार्यक्रम में सम्मिलित होने का विनम्र निवेदन किया गया है।

बाढ़ से निपटने के लिए जिला स्तरीय बैठक आयोजित

रंगिया/अमीनगाँव। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से गुरुवार को अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आगामी बाढ़ के दौरान किए जाने वाले उपायों पर जिला स्तरीय एक बैठक आयोजित की गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से आगामी 25 और 27 अप्रैल को एक अभ्यास आयोजित कर रहा है। इस अभ्यास में जिले के सभी विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ कर्मी, अग्नि निर्वाहक वाहिनी भाग लेगी। उक्त बैठक में विभिन्न विभागों से अभियान की तैयारी में सहयोग की कामना की गई। बैठक में फायर ब्रिगेड के उप-संचालक नंद सिंह, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिला परियोजना अधिकारी राजीव चौधुरी, एनडीआरएफ बल, एसडीआरएफ बल के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

विश्वनाथ में महिला काव्य संगोष्ठी आयोजित

विश्वनाथ। शहर समता विचार मंच, विश्वनाथ, असम इकाई की महिला काव्यगोष्ठी सैयदा आनोवारा खातून के संचालन में महिला काव्यगोष्ठी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सेक्सना की अध्यक्षता में कल शाम 6.30 बजे आयोजित विश्वनाथ इकाई महिला काव्य मंच की लोकार्पण और काव्य पाठ सफलता पूर्वक संपन्न हूई। जिसका शुभारंभ जिलाध्यक्ष सैयदा आनोवारा खातून ने सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित की। विश्वनाथ चाराली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार महतो ने गणेश वंदना सुंदर प्रस्तुति किया और शिलांग इकाई से शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की जिलाध्यक्षा डॉ. अनिता पांडा ने सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति दी। इस काव्य गोष्ठी में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के डॉ. अनिता दुबे, मुख्य वक्ता-शहर समता अखबार के सम्पादक आदरणीय उमेश श्रीवास्तव, सारस्वत वक्ता सुमन ढींगरा दुग्गल, विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिता पांडा, आमंत्रित अतिथि बंगाईगांव से मानव देब, पुरुष काव्यगोष्ठी, विश्वनाथ इकाई के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार महतों, दिव्यज्योति बरुवा, सैयदा आनोवारा खातून, ईटानगर से सुमन राणा, ऋतीका पांडे आदि उपस्थित थे। इस काव्य गोष्ठि गुगल मीट से संपन्न हूई। सर्वप्रथम उमेश श्रीवास्तव ने मंच में शहर शमता महिला काव्य मंच और हमें विस्तार से

जानकारी प्रदान किए। शहर समता अखबार के बारे में भी जानकारी दिए। सुमन ढींगरा दुग्गल जी ने फेसबुक लाइफ कविता पाठ के लिए फेसबुक लिंक से जुडने के लिए महिलाओं को सर्पक करने के लिए कहा। डॉ. अनिता पांडा ने महिला मंच की विशेषता के बारे में बताए। मंच में दिव्यज्योति बरुवा ने *रंगाली बिहू,* मानव देव ने चलो नीलगगन पर परवाज करें, संतोष कुमार महतो ने मां के जीवन निधि के लिए संजोएं सपने, डॉ. अनिता पांडा ने *बचपन की यादें* सुमन ढींगरा दुग्गल ने *मेरी दिल दुखा गई बारिश,* डॉ अनिता दुबे ने प्रेम क्या है? सैयदा आनोवारा खातून की कवि के कल्पनाओं से निकली *मैं हूं एक कविता* उमेश श्रीवास्तव के *मैं उस जनपद के कवि हूं* और आखिर क्यों?

मारवाड़ी अस्पताल, गुवाहाटी में लिवर क्लिनिक की शुरुआत

गुवाहाटी। पिंकसिटी जयपुर की पहचान अब मेडिकल टयूरिज्म हव के रूप में हो रही है। महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर विदेशी तथा अंतर्देशीय रोगियों में अपनी क्वालिटी सेवाओं तथा किफायती उपचार दरों के जरिये बहुत लोकप्रिय हो रहा है। यहां देश के मैट्रो सिटीज मुकाबले उपचार खर्च लगभग आधा ही होता है। यह जानकारी महात्मा गांधी अस्पताल के संस्थापक चेयरपसंन डॉ एम एल स्वर्णकार ने दी। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गाधी अरपताल देश में अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण का प्रमुख केंद्र बन गया है। जहां 1550 से अधिक किडनी प्रत्यारोपण हो चुके हैं। प्रति सप्ताह यहां लिवर ट्रांसप्लाट हो रहे हैं। इसकी गिनती देश के उन पांच प्रमुख अरपतालो में हो रही हैं, जहां हार्ट, लंग्स, पैंकियाज तथा कॉनिया प्रत्यारोपण आदि सभी प्रकार के ट्रांसप्लांट। उल्लेखनीय है कि अस्पताल की टीम ने यहां के व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ लिवर स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता कार्यकम तथा चिकित्सकों के लिए एक साइंटिफिक कांफ्रेंस भी आयोजित

की। प्रेस कांफ्रेंस में महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर के लिवर ट्रांसप्लांट विभाग के निदेशक एव मुख्य ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ नैमिष एन मेहता ने बताया कि लिवर फेलियर तथा लिवर कैंसर वाले रोगियों में अंतिम उपचार के रूप में लिवर ट्रांसप्लांट किया जाता है। इसके लिए पारिवारिक सदस्य द्वारा प्राप्त लिवर के एक हिस्से को रोगी में प्रत्यारोपित कर उपचारित किया जाता है। रोगी तथा डोनर दोनों में चार सप्ताह के बाद लिवर पुन: सामान्य आकार ले लेता है। आजकल लिवर प्रत्यारोपण की सफलता दर दूसरे ऑपरेशनों की तरह ही 95 से 90 प्रतिशत तक होती है। कांफ्रेंस में हिपेटोलोजी विभाग प्रमुख डॉ विवेक आनंद सारस्वत ने बताया कि लिवर की खराबी से ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग. कैंसर आदि रोग की संभावना भी अधिक बढ़ जाती है। बदलते खान-पान तथा शराब सेवन से लिवर सिरोसिस के मामले बहुत अधिक सामने आ रहे हैं। इसको नजरअंदाज न कर उपचार कराना चाहिए। हाल ही में रिसर्च से ज्ञात हुआ कि भारत व पूर्वोत्तर राज्यों में लीवर से संबंधित बीमारियां निरंतर बढती जा रही है। अपनी सामुदायिक जिम्मेदारी के तहत मारवाड़ी अस्पताल गुवाहाटी में महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर की ओर से लिवर क्लिनिक की शुरूआत की जा रही है। इसमें वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ करण कुमार अपनी नियमित सेवाएं देकर स्थानीय लिवर रोगियों को राहत देने का प्रयास करेंगे। डॉ सारस्वत ने बताया कि 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग का सामान्य वजन वाला समान ब्लड ग्रुप वाला करीबी रिश्तेदार अंगदान कर सकता है। कार्यकम में गाइनी एण्डोस्कोपिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विजय सिंह नाहटा, अरपताल के सीओओ सुकांतादास भी मौजूद थे। यह जानकारी डाइरेक्टर जनसंपर्क वीरेंद्र पारीक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

लुइतपरिया बिहू सम्मेलन के लिए वृहत्तर मारवाड़ी की बैठक

गुवाहाटी/होजाई (विभास/होस)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच व मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के आतिथ्य में आयोजित होने वाले लुइतपरिया बिहू सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु एक बैठक गत दिनों गुवाहाटी स्थित होटल ऋतुराज में पूप्रमायुमं के अध्यक्ष पंकज जालान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। गुवाहाटी से लगभग 30 मारवाड़ी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने इस सभा में हिस्सा लिया। संथाओं के पदाधिकारियों ने एक जुट होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया एवं अपना पूर्ण सहयोग देने की घोषणा की। सभी संस्थाओं ने अपने विचार साझा किए ताकि सभी की सहमति एवं सहायता से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा सके। असम में रहने वाला मारवाड़ी समाज, वृहत्तर असमिया जाती का ही अंश है और असमिया परंपरा एवं बिहू की विशेषता को समझता है। इसी के तहत पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अन्य मारवाड़ी समाज की संस्थाओं के सहयोग से लुइतपरिया बिहू सम्मेलन का आयोजन पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा दिनांक 30 अप्रैल 2023 को गुवाहाटी फैंसी बाजार स्थित महावीर स्थल में केंद्रीय रूप से आयोजित किया जाएगा। ये जानकारी पूप्रमायुमं के जनसंपर्क विभाग के चैयरमैन पवन केजरीवाल व जनसंपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दी।

कोकराझाड़ जिले की उपायुक्त वर्नाली डेका पीएम पुरस्कार से सम्मानित

कोकराझाड़। आज 16वें सिविल सेवा दिवस की पूर्व संध्या पर देशभर में चुनिंदा अधिकारियों में से आज कोकराझाड़ के जिले की जिला उपायुक्त वर्नाली डेका को इनोवेशन और एस्पिरेशनल के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन दिया गया। उन्हें यह सम्मान 2020 के लिए इनोवेशन और एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। इस मौके पर वर्णाली डेका से उपराष्ट्रपति के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बात-चीत की। दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित केंद्रीय सिविल सेवा दिवस कार्यक्रमों देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे।

बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ-बीजीबी ने एक-दूसरे को दी ईद की बधाई

करीमगंज (हिंस)। भारत और बांग्लादेश के सीमा प्रहरियों ने कर्तव्य-जिम्मेदारी-भक्ति के बीच पवित्र ईद-उल-फितर की आज एक-दूसरे को बधाइयां दीं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों ने सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी के बीच खुशियों के त्योहार के दौरान एक-दूसरे को बधाई दी। शुक्रवार दोपहर यह तस्वीर सीमावर्ती जिले के करीमगंज के सुतारकांदी-बियानीबाजार बॉर्डर पर देखने को मिली। भारत-बंग्लादेश के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए, दोनों देशों के सीमा प्रहरियों के विभिन्न धार्मिक त्योहारों, स्वतंत्रता दिवस और विजय दिवस पर मिठाइयों के आदान-प्रदान की लंबी परंपरा है। ईद के मौके पर बीएसएफ ने आज सीमावर्ती जिला करीमगंज में बीजीबी को मिठाइयों का उपहार दिया। विशेष दिनों सहित विभिन्न अवसरों पर अभिवादन और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान की परंपरा अतीत से चली आ रही है। भारत और पड़ोसी देश बांग्लादेश के बीच अच्छे संबंध लंबे समय से चले आ रहे हैं। हर साल दिवाली, डोल उत्सव, राखी या विजयादशमी के दौरान यह तस्वीर भारत-बांग्लादेश सीमा पर देखने को मिलती है। बीएसएफ के महानिरीक्षक की ओर से मिजोरम-कछार फ्रंटियर के उप महानिरीक्षक, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश सिलहट और श्रीमंगल सेक्टर कमांडर ने करीमगंज के सुतारकांदी लैंड पोर्ट के पिलर नंबर 1360 के जीरो प्वाइंट पर ईद की बधाई भेजी। दोनों देशों के सीमा प्रहरियों ने अभिवादन का आदान-प्रदान किया। वहीं बार्डर गार्ड बांग्लादेश की ओर से बीएसएफ जवानों को ईद की बधाई के तौर पर मिठाई के पैकेट सौंपे गए। अभिवादन के आदान-प्रदान के दौरान, बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि दोनों देशों के सीमा बलों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए, बीएसएफ ईद सहित विभिन्न दिनों में बीजीबी सदस्यों को मिठाइयों की भेंट देता है।

परशुराम जयंती पर विशेष

भगवान परशुराम : विप्र धर्म के प्रतीक

गुवाहाटी। भगवान परशुराम ने छठे विष्णु अवतार के रूप में भृगुवंश में अवतार लिया। परशुरामजी का जन्म वैशाख शुक्ल अक्षय तृतीया के दिन हुआ। इस तिथि की यह विशिष्टता है कि ज्योतिष की दृष्टि से इस तिथि का क्षय नहीं होता। परशुरामजी के पिता का नाम महर्षि जमदग्नि और माता का नाम रेणुका था। वे अपने भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाइयों के नाम रूमंडवान, सुषेण, बसु, विश्वावसु था। महर्षि जमदग्नि ने परशुरामजी को चिरंजीवी होने का वरदान दिया था। इसलिए हमारे पुराणों में इन्हें सप्त चिरंजीवी में से माना जाता है। उनके नाम है-

अश्वत्थामा बलिर्व्यास: हनुमांश्च विभिषण: ।
कृप: परशुरामश्च सप्तैते चिरजीविन: ।।

एक समय सहस्रबाहु नाम के अत्यंत शक्तिशाली राजा द्वारा ऋषि संस्कृति के विनाश की दृष्टि से गुरुकुलों को नष्ट भ्रष्ट किया जा रहा था। विरोध करने पर ऋषि मुनियों की हत्या तक की जा रही थी। इस अत्याचार की पराकाष्ठा उस समय हुई जब सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने यज्ञशाला में नित्य अनुष्ठान में रत महर्षि जमदग्नि का शिरच्छेदन कर डाला। इस बर्बरता को देखकर परशुरामजी का ब्राह्मणत्व जाग उठा। उन्होंने सहस्त्रबाहु के कुटुंब एवं संबंधियों के समस्त कुणवों को ही समाप्त कर डाला। राजा लोग ब्राह्मणों के द्रोही होने के कारण भगवान परशुरामजी ने क्रोधित होकर 21 बार पृथ्वी को क्षत्रियों से

शून्य कर दिया। यदि अधिक व्यापक दृष्टि से देखें तो संपूर्ण विश्व में मनुष्य के प्रादुर्भाव से लगाकर अब तक के कालखंड में अनेक ऋषियों, तपस्वियों, युग पुरुषों का पृथ्वी पर अवतरण हुआ है। उस ऋषि परंपरा में यदि कालजयी होकर अमरत्व प्राप्त करने वाले ऋषि के रूप में हम किसी को स्मरण कर सकते हैं तो वे हैं जमदग्नि पुत्र भगवान परशुराम। इतना ही नहीं उनके द्वारा किए गए अवदान को स्मरण कर उन्हें ऋषि, राजर्षि, ब्रह्मर्षि इनसे भी कहीं ऊंचा स्थान *भगवान परशुराम* का संबोधन देकर कहा गया है। हमें सारे अभीष्ट प्राप्त हो जाते हैं, ऐसे भगवान परशुराम का नाम लेते ही जो चित्र हमारी आंखों के सामने खड़ा होता है वह चित्र किसी यज्ञ में आहुति दे रहे ऋषि का नहीं है, अपितु जीवन की वृद्धावस्था की द्योतक हवा में लहराती सफेद लंबी दाढ़ी पुष्ट से पुष्ट भुजाओं की मांसपेशियों को लजाने वाली उभरी हुई मांस पेशियां, चट्टान की तरह मजबूत कंधे, लावा उगलने वाली आंखें, चेहरे पर अदम्य आत्मविश्वास और एक हाथ में कमंडल, बगल में मृगचर्य धनुष तो दूसरे हाथ में फरसा (परशु) लेकर सजग सन्नद् योद्धा का स्वरूप उभर आता है। जिसमें कदम हमेशा आगे की ओर बढ़ रहे हैं, यही तो है भगवान परशुराम का स्वरूप जिसके नाम के साथ हमारी स्मृतियों का इतिहास दर्ज हो। परशुराम जी केवल क्रोधी या अभिमानी नहीं थे, बल्कि ब्राह्मणोचित्त धर्म, दया, तपस्या से परिपूर्ण थे। उनकी दया वीरता का सबसे अच्छा उदाहरण यह है कि अपने शत्रु सहस्त्रबाहु के पुत्र *मधु* को सिंधु के राजा के रूप में अभय दान देते हुए सेना व बंधु बंधुओं सहित क्षमा कर दिया था। परशुराम जी की ख्याति नारी शक्ति के सर्वप्रथम उद्धारक एवं सहायक के रूप में पुराणों में पाई जाती है। परशुरामजी यद्यपि शास्त्र से अधिक शस्त्र पर विश्वास करते थे, किंतु उनकी समस्त शस्त्र विद्या ऋषि-मुनियों के आश्रमों के सुरक्षा, आततायियों का उन्मूलन, स्वाभिमान की रक्षा एवं ब्राह्मण धर्म की रक्षा के लिए समर्पित थी। वे सभी ब्राह्मणोचित मान-मर्यादा आदि के प्रबल पक्षधर थे, हमारी रक्षा दूसरे करें यह उनको स्वीकार्य नहीं था। भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति की विभूति थे। नर्मदा नदी के तट पर उनका आश्रम था, जहां वेदों उपनिषदों की शिक्षा दी जाती थी। हजारों विद्यार्थी यहां वैदिक रचनाओं से आश्रम को गुंजित करते थे। भगवान परशुराम जी के ज्ञान की सीमा इस पृथ्वी तक ही सीमित नहीं थी, उन्हें संपूर्ण ब्रह्मांड का ज्ञान था। उनकी *भृगु संहिता* इसका जीता जागता प्रमाण है। ब्रह्मांड व्यापी एक एक गति की उन्हें जानकारी थी। भारतीय ज्योतिष विद्या का आधार ही *भृगु संहिता* है। ब्रह्मत्व के प्रतीक श्रेष्ठ ब्राह्मण से अपेक्षित व्यवहार करते हुए भगवान परशुराम विप्र वर्ग का सदैव आदर्श बनकर हर युग में जीवंत, संघर्षशील, सत्यनिष्ठ, नीतिवान ब्राह्मण के रूप में अन्याय, असदाचार व अनीति का प्रतिकार करते रहे हैं। आज भी संपूर्ण समाज में यदि कहीं ऐसा व्यक्तित्व दृष्टिगत होता है तो वह भगवान परशुराम की पावन व उच्च परंपरा का बाहक, त्यागी, तपस्वी, ओजस्वी, शक्तिमान एवं नि:स्पृह ज्ञानी ब्राह्मण है। परशुराम आप हैं, परशुराम हम हैं, सभी विप्र परशुराम है, परशुराम हम सभी बने, परशुराम ही इस देश, समाज व संस्कृति की रक्षा करते हुए जीवन मूल्यों को सामाजिक जीवन में स्थापना कर सकते हैं। आइए आज इस शुभ बेला में संकल्पित होकर अपने सभी मनमुटाव, अहंकार त्याग कर विप्र गण एक होकर देश, धर्म, संस्कृति, एकता एवं समाज की रक्षा का वचन लें। जय श्री परशुराम।

वर्तमान सरकार अपने काम में वंचितों को प्राथमिकता दे रही- प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि वर्तमान सरकार अपने काम में वंचितों को प्राथमिकता दे रही है। पहले यह सोच थी कि सरकार सबकुछ करेगी लेकिन अब सोच यह है कि सरकार सबके लिए करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सिविल सेवा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सिविल सेवकों को संबोधित किया। साथ ही इस आयोजन के दौरान लोक प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार उत्कृष्टता पुरस्कारों को आम नागरिकों के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के जिलों और संगठनों द्वारा किए गए असाधारण और अभिनव कार्यों को मान्यता देने की दृष्टि से स्थापित किया गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार सबके लिए काम करने की भावना के साथ समय और संसाधनों का बेहतर उपयोग कर रही है। राष्ट्र प्रथम, नागरिक प्रथम के मंत्र के साथ सरकार की प्राथमिकता वंचितों को वरीयता देना है। आज सरकार आकांक्षी ब्लॉक तक जा रही है और सीमावर्ती गांवों को देश का पहला गांव मानकर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए जरूरी है कि हर सरकारी कर्मचारी देशवासियों के सपनों को सच करने में उनकी मदद करें। पिछले दशकों से बनी व्यवस्था की नकारात्मक छवि को सकारात्मक में बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारी योजनाएं कितनी भी बेहतर हों लेकिन अंतिम पायदान तक उसकी वितरण सुनिश्चित ना हो तो अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आज सबके प्रयास से व्यवस्था में बदलाव आया है और देश के करीब 03 लाख करोड रुपये गलत हाथों में जाने से बचे हैं। आज पैसा गरीब के काम आ रहा है और उसके जीवन को आसान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज की चुनौती कुशलता को लेकर नहीं बल्कि अभाव को लेकर है और उसे दूर कैसे किया जाए इस पर प्रयास करने की जरूरत है। सिविल सेवा अधिकारियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 09 वर्षों में सुशासन पर विश्वास, भारत के विकास को गति और कोरोना संकट के बावजूद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहने के पीछे सिविल सेवा अधिकारियों की मेहनत का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि जब प्रशासन जन एवं विकास केंद्रित होता है तो न केवल वह समाधान देता है बल्कि सर्वोत्तम परिणाम भी देता है। यह ना केवल जनकल्याण सुनिश्चित करता है बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत काल का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे पास काफी कम समय है और बहुत कुछ हासिल करने को है। हमारे पास समय कम है लेकिन क्षमताएं अपार हैं, हमारे पास कठिन लक्ष्य हैं लेकिन महान साहस है, ऊंचाइयों को छूना हमारा लक्ष्य है लेकिन हमारे पास आसमान को भी पार करने की इच्छा है।

कोरोना उपचार केंद्र में 'घोटाला' मामले में शिवसेना नेता संजय राऊत के विरुद्ध मामला दर्ज

कोरोना उपचार केंद्र में 'घोटाला' मामले में शिवसेना नेता संजय राऊत के विरुद्ध मामला दर्ज

मुंबई, (हि.स.)। पुणे जिले में स्थित शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में कोरोना उपचार केंद्र में कथित घोटाला मामले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता संजय राऊत और अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया गया है। यह मामला पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमआरडीए) के कार्यकारी अभियंता राजू लक्ष्मण थंगे की शिकायत पर दर्ज किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. किरीट सोमैया ने इस मामले की छानबीन की मांग की थी। किरीट सोमैया ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि पुणे में आम कोरोना मरीजों को बेहतर इलाज के उद्देश्य से जंबो कोरोना उपचार केंद्र बनाया गया था। हालांकि यहां के कोरोना उपचार केंद्र का कांट्रैक्ट लाइफलाइन अस्पताल प्रबंधन सेवा को फर्जी दस्तावेज के आधार पर दिया गया था। इसी वजह आज पुणे पीएमआरडीए के कार्यकारी अभियंता ने लाइफलाइन अस्पताल प्रबंधन सेवा के अध्यक्ष सुजीत पाटकर , उनके बिजनेस पार्टनर संजय राऊत, डॉ. हेमंत रामशरण गुप्ता ,संजय मदनराज शाह, राजू नंदकुमार सालुंखे के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया है। किरीट सोमैया ने कहा कि इस कोरोना उपचार केंद्र में इलाज करवा रहे तीन कोरोना मरीजों की मौत हो गई थी। साथ ही इस केंद्र में बेहद लापरवाही बरती गई थी, जिससे आम कोरोना मरीजों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा था।

ट्विटर ने हटाया ममता बनर्जी का ब्लूटिक, अभिषेक का भी हटा

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का ट्विटर का ब्लू टिक हटा दिया गया है। इसे लेकर सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार सुबह यह पता चला कि मुख्यमंत्री के ट्विटर अकाउंट पर मौजूद ब्लू टिक को हटा दिया गया है। इसके बाद यह भी जानकारी मिली कि ना केवल मुख्यमंत्री का बल्कि उनके भतीजे और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी का भी ब्लू टिक ट्विटर पर हट गया है। इसे लेकर भाजपा पर साजिश रचने के आरोप लग रहे हैं। मुख्यमंत्री के ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर तृणमूल कार्यकर्ता लिख रहे हैं कि केंद्र की सरकार और भारतीय जनता पार्टी ने मिलकर मुख्यमंत्री और उनके भतीजे का ट्विटर ब्लूटिक हटवाया है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने अभी तक इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार का ट्विटर का ब्लूटिक बरकरार है। बहरहाल इस बारे में ट्विटर की ओर से भी कोई जानकारी नहीं मिली है। सूत्रों ने बताया है कि ट्विटर पर सरकारी या संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों के ट्विटर अकाउंट को ग्रेय टिक दिया जाता है। हो सकता है कि मुख्यमंत्री को ग्रेय टिक देने के लिए उनका ब्लू टिक हटाया गया है। बहरहाल इस बारे में फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

शरद पवार से मिले शिंदे गुट के नेता उदय सामंत, अटकलों का बाजार गर्म

मुंबई,(हि.स.)। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री एवं शिवसेना नेता उदय सामंत ने शुक्रवार सुबह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। एक दिन पहले उद्योगपति गौतम अडाणी भी शरद पवार से मिले थे। इसके मद्देनजर आज हुई इस मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। इस समय राज्य में राकांपा नेता अजीत पवार की शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल होने की जोरदार चर्चा की जा रही है। हालांकि अजीत पवार इस बारे में अपना स्पष्टीकरण दे चुके हैं। अजीत पवार ने कहा था कि वे जब तक जीवित हैं, तब तक राकांपा में ही रहेंगे। इसके बाद भी अजीत पवार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी को फूट से बचाने के लिए शरद पवार कोई नया खेल खेल सकते हैं। हालांकि शरद पवार से मुलाकात के बाद उदय सामंत ने कहा कि महाराष्ट्र नाटक परिषद के चुनाव के सिलसिले में वे उनसे मिले थे। इस मुलाकात का राजनीतिक अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अजीत पवार भाजपा के साथ मिलकर राज्य में भाजपा-राकांपा गठबंधन की सरकार बना चुके हैं। उस समय फडणवीस ने मुख्यमंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि यह सरकार सिर्फ 80 घंटे तक ही चली सकी थी। इसके मद्देनजर यह कयास लगाए जा रहे हैं कि राकांपा एक बार फिर शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हो सकती है।

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश मास्क पहनें एक जगह इकट्ठा होने से बचें

अजय कुमार

नई दिल्ली । दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले में अब लोगों के मन में डर पैदा कर रहे हैं। इस बाबत अब दिल्ली हाई कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश ने अपने स्टाफ, वादी और वकीलों को मास्क पहनने और अदालत परिसर में एक जगह इकट्ठा होने से बचने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रवींद्र डुडेजा द्वारा जारी परिपत्र में कहा, मुख्य न्यायाधीश को यह आदेश देते हुए प्रसन्नता हो रही है कि दिल्ली के एनसीटी में कोविड-19 मामलों में उछाल के कारण, कोरोना मामलों के प्रसार को रोकने और मुकाबला करने के लिए इस न्यायालय में काम करने वाले कर्मचारी और बार के सदस्यों व उनके कर्मचारियों और वादियों सहित लोगों को यह निर्देश दिया जाता है कि वे इस अदालत परिसर में हर वक्त फेस मास्क का उपयोग करें और न कि एक जगह बड़ी संख्या में इकट्ठा नहीं होना है। सामान्य क्षेत्रों में नंबर, जहां तक संभव हो, कोर्ट ब्लॉक के क्षेत्रों की प्रतीक्षा करें और वायरस के आगे प्रसार से बचने के लिए उचित कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करें। इस पत्र में उन्होंने आगे कहा कि माननीय मुख्य न्यायाधीश और माननीय न्यायाधीशों के सभी रजिस्ट्रार/ओएसडी/समन्वयक, डीआईएसी/संयुक्त रजिस्ट्रार (न्यायिक)/निजी सचिवों से अनुरोध किया जाता है कि समय-समय पर जारी निदेशों को सुनिश्चित करें। कोविड-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा उनके नियंत्रण में सख्ती से पालन किया जाता है।

सिसोदिया शराब घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता आप नेताओं के बयान बचाव का प्रयास

राकेश शर्मा

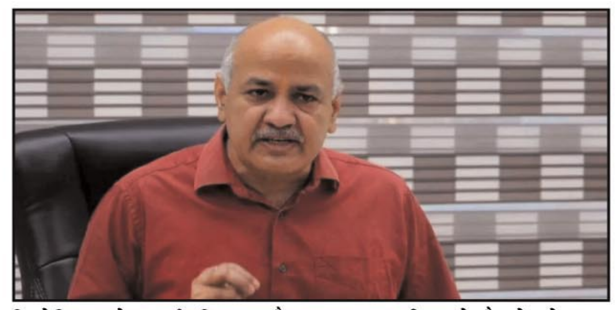

नई दिल्ली। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट में कहा कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शराब घोटाले के मुख्य साजिशकर्ता है। जांच एजेंसी ने कहा कि आप नेताओं के बयान सिसोदिया की रक्षा (बचाव) करने का प्रयास है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध जताते हुए यह तर्क रखा। सीबीआई ने कहा है कि इस मामले में एक गहरी जड़ और बहुस्तरीय साजिश शामिल है। सिसोदिया जांच के दौरान टालमटोल करते रहे हैं। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया को कार्यपालिका और नौकरशाहों के साथ घनिष्ठ साठगांठ का पता चलता है। सीबीआई ने कहा है कि उच्च पद पर आसीन पार्टी के सहयोगी तथ्यात्मक रूप से गलत दावे करना जारी रखते है। वे लोग यह साबित करने में लगे है कि सिसोदिया एक राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं और जांच को प्रभावित करने के लिए हैं।

हर किसी को प्यार करने का अधिकार है, चाहे वह पुरुष हो या महिलाः अभिषेक बनर्जी

कोलकाता (ईएमएस)। समलैंगिक विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी बहस के बीच तृणमूल कांग्रेस के नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को सेम सेक्स मैरिज के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार है। प्यार में कोई धर्म, जाति या पंथ नहीं होता। हर किसी को प्यार करने का अधिकार है। उन्होंने इस मुद्दे पर देरी करने के लिए केंद्र की भी आलोचना की और कहा कि केंद्र जान-बूझकर मामले में देरी कर रहा है, वे इस मामले में गंभीर नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बनर्जी ने कहा कि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा, लेकिन अगर मैं एक पुरुष हूं और मैं एक पुरुष से प्यार करता हूं या फिर मैं एक महिला हूं और मैं एक महिला से प्यार करता हू तो इसमें गलत क्या है, हर किसी को प्यार में पड़ने का अधिकार है। हर किसी को अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट लोकाचार के पक्ष में फैसला सुनाएगा। केंद्र द्वारा एक हलफनामा दाखिल करने पर एक सवाल का जवाब देते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि केंद्र इस मामले में टाल-मटोल करने की कोशिश कर रही है। इस मामले में मुझे भी लोगों की नब्ज जाननी पड़ेगी और मुझे पहले अदालत का फैसला देखना होगा। अदालत जो भी फैसला देगी, हम उसे जानेंगे और उसके बाद ही हम आपको बताएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को समान सेक्स विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई में कहा कि शहरों में अपनी सेक्सुअल आईडेंटिटी बताने वाले ज्यादा लोग सामने आते हैं, पर इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि सरकार के पास कोई ऐसा डाटा हो कि सेम सेक्स मैरिज की मांग सिर्फ शहरी वर्ग तक ही सीमित है। इस बेंच की अध्यक्षता कर रहे प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम समलैंगिक संबंधों को एक बार का रिश्ता नहीं, बल्कि हमेशा के लिए टिके रहने वाले रिश्तों के रूप में देखते हैं, जो न सिर्फ शारीरिक बल्कि भावनात्मक रूप से मिलन भी है।

भारतीय सैनिकों पर हमले पर भड़के शिवसेना, पाकिस्तान का झंडा और पीएएफएफ का पुतला फूंका

जम्मू, (हि.स.)। पुंछ जिले के संगयोट इलाके में गुरुवार को हुए एक सैन्य वाहन पर आंतकी हमले में पांच भारतीय जवानों की शहादत पर कड़ा रोष प्रकट करते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) जम्मू-कश्मीर ईकाई ने जम्मू में जोरदार प्रदर्शन कर पाकिस्तान के झंडे एवं हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान प्रयोजित आंतकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद/पीएएफएफ के पुतले को आग के हवाले कर दिया। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी के नेतृत्व में जम्मू के रूप नगर स्थित पार्टी कार्यालय के समीप एकत्रित शिव सैनिकों ने पाकिस्तान पर जोरदार सैन्य प्रहार कर भारतीय जवानों की शहादत का बदला लेने की वकालत करते हुए जैश-ए-मोहम्मद के मुखौटे पीएएफएफ और पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। साहनी ने कहा कि पाकिस्तान सीधे युद्ध में भारत से तीन बार पराजित हो चुका है । भारत के खिलाफ साजिशें रचते और आंतकवाद को प्रयोजित कर कंगाली के कगार पर पहुंच चुका है। जहां खाने तक की चीजों की भारी कमी के साथ दाम आसमान छू चुके हैं। कंगाल हो चुका पाकिस्तान अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी डिफॉल्ट होने की कगार पर खड़ा है। भारत से संबंध सुधारने के लिए गिड़गिड़ा रहा हैं मगर इन सब के बावजूद कश्मीर में आंतकवादी गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर बाज नहीं आ रहा । साहनी ने कहा कि पाकिस्तान की नापाक हरकतों का घड़ा भर चुका है और अब समय आ गया है कि केन्द्र की मोदी सरकार पाकिस्तान पर जोरदार सैन्य कार्रवाई कर सबक सिखाए तथा पाकिस्तान से साथ तमाम राजनीतिक, कूटनीतिक, दोस्ताना और व्यापारिक संबंध विच्छेद हो। इसके साथ ही साहनी ने कहा कि भारतीय जवानों के हत्यारे देश से आने वाले बिलावल भुट्टो को भारतीय सरजमीं पर पांव रखने की इजाजत ना दी जाए। इस मौके पर महिला विंग की अध्यक्ष मीनाक्षी छिब्बर, महासचिव विकास बख्शी, कामगर विंग के अध्यक्ष राज सिंह, शशि पाल, टीटू सहगल, ममता, बिट्टू भट, प्रेम, सरोज, बंटी, रितु, शुशीला, भगवती, रवि, हरिंदर, रमेश सहित कई अन्य मौजूद थे।

राजधानी में प्रदूषण पर कसेगा शिकंजा 30 विभागों ने सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी में प्रदूषण पर शिकंजा कसने के लिए समर एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। गर्मियों के मौसम में धूलकणों, जल और औद्योगिक इकाइयों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपायों पर विस्तृत कार्ययोजना केंद्रित होगी। पिछले साल की सफलता के बाद दिल्ली सरकार की तरफ से 16 बिंदुओं पर केंद्रित समर एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई। इसमें 30 विभागों ने रिपोर्ट और सुझाव पर्यावरण विभाग को सौंपे। गोपाल राय ने इसी आधार पर पर्यावरण विभाग को विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। 24 अप्रैल को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समर एक्शन प्लान की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। प्रदूषण से निपटने के लिए शुरू किए गए विंटर एक्शन प्लान के कारण दिल्ली में पीएम 10 और पीएम 2.5 की मौजूदगी में लगातार गिरावट दर्ज की गई थी। पिछले 8 सालो में प्रदूषण स्तर में भी करीब 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इस बार भी सरकार गर्मियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए समर एक्शन प्लान लेकर आ रही है। इसके लिए विभागों के साथ 12 अप्रैल को संयुक्त बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक में सभी विभागों को 20 अप्रैल तक समर एक्शन प्लान के तहत 16 बिंदुओं पर केंद्रित कार्ययोजना तैयार कर रिपोर्ट पर्यावरण विभाग को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। विभिन्न विभागों की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट पर चर्चा के लिए संयुक्त बैठक की गई।

दिल्ली एनसीआर में तेजी से चल रहा रैपिडएक्स कॉरिडोर का निर्माण कार्य

नई दिल्ली (ईएमएस) दिल्ली-मेरठ कारिडोर पर साहिबाबाद से दुहाई के बीच जहां मई के तीसरे-चौथे सप्ताह में रैपिडएक्स दौड़ने लगेगी, वहीं इसके दिल्ली सेक्शन पर भी निर्माण कार्य रफ्तार पकड़ रहा है। एलिवेटेड सेक्शन पर वायाडक्ट निर्माण कार्य 50 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है तो पिलर निर्माण भी करीब 80 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। यहां 2025 में ट्रेन का परिचालन शुरू होना है। गौरतलब है कि 82 किमी लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल सेवा रैपिडएक्स कारिडोर पर 14 किमी का हिस्सा दिल्ली में आता है। इसमें नौ किमी का हिस्सा एलिवेटेड और पांच किमी का हिस्सा भूमिगत है। एलिवेटेड सेक्शन में से पांच किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में वायाडक्ट का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। बाकी वायाडक्ट के लिए लांचिंग गेंट्रियों (तारिणी) का काम तेजी से चल रहा है। एलिवेटेड सेक्शन में पिलर निर्माण का कार्य भी करीब 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। दिल्ली में चार रैपिडएक्स स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं- जंगपुरा, सराय काले खां, न्यू अशोक नगर व आनंद विहार (भूमिगत)। सराय काले खां और न्यू अशोक नगर स्टेशन के बीच यमुना नदी पर पुल का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। रैपिडएक्स का पुल डीएनडी यमुना पुल के समानांतर बनाया जा रहा है। साथ ही खादर क्षेत्र में वायाडक्ट निर्माण भी प्रगति पर है। यह पुल एक ओर सराय काले खां स्टेशन के एलिवेटेड वायाडक्ट से कनेक्ट होगा तो दूसरी ओर न्यू अशोक नगर स्टेशन के वायाडक्ट से जुड़ेगा। पुल की लंबाई लगभग 1.5 किमी होगी। पुल का लगभग 626 मीटर का हिस्सा यमुना पर होगा और बाकी खादर क्षेत्र में रहेगा। पुल के लिए 32 पिलरों का निर्माण किया जा रहा है। पांच किमी लंबे भूमिगत खंड के लिए चार सुरंगों का निर्माण चल रहा है। आनंद विहार से न्यू अशोक नगर स्टेशन की ओर तीन किमी लंबी दो समानांतर सुरंगें एवं आनंद विहार से साहिबाबाद स्टेशन की ओर दो किमी लंबी दो समानांतर सुरंगें बन रही हैं। सराय काले खां स्टेशन पर कानकोर्स लेवल के लिए क्रास आर्म्स का निर्माण पूरा कर लिया गया है और स्लैब कास्टिंग का काम आरंभ हो गया है। कानकोर्स लेवल के निर्माण कार्य के साथ ही प्लेटफार्म और ट्रैक लेवल के लिए स्लैब कास्टिंग का काम भी शुरू हो गया है।

आप जीती मेयर चुनाव तो दोहराया जाएगा 15 साल पुराना इतिहास

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नगर निगम के एकीकरण के बाद हुए चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी ने 15 वर्षों से नगर निगम की सत्ता पर काबिज बीजेपी को मात देकर निगम चुनाव में बहुमत हासिल किया था, तो वहीं सदन में चली लंबी खींचतान के बाद मेयर के चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी और इसके प्रत्याशी को हार का मुंह देखना पड़ा था। अब चूंकि नया वित्तीय वर्ष शुरू हो चुका है, तो फिर से दिल्ली में मेयर का चुनाव होने जा रहा है जिसके लिए आम आदमी पार्टी ने मेयर और डिप्टी मेयर के उम्मीदवार के रूप में डॉ। शैली ओबरॉय और आले मोहम्मद इकबाल के नाम पर मुहर लगा दी है।ऐसे में बहुमत के आधार पर आम आदमी पार्टी की मेयर पद की प्रत्याशी डॉ. शैली ओबरॉय और डिप्टी मेयर पद पर आले मोहम्मद इकबाल का जीतना लगभग तय है। ऐसा होने पर निगम में डेढ़ दशक के बाद फिर वही स्थिति बनने जा रही है, जिसमें वर्तमान मेयर व डिप्टी मेयर को लगातार दूसरे वर्ष का कार्यभार संभालने का मौका मिलने जा रहा है। बीजेपी की तरफ से भी इन पदों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। बीजेपी ने मेयर पद के लिए ग्रेटर कैलाश की पार्षद शिखा राय और डिप्टी मेयर पद के लिए सोनिया विहार की पार्षद सोनी पांडेय को उम्मीदवार बनाया है लेकिन सदन में आप के बहुमत और पिछले चुनाव में हुई बीजेपी की हार को देखते हुए आप के प्रत्याशियों की जीत लगभग तय मानी जा रही है। इससे पहले लगातार दूसरे वर्ष मेयर और डिप्टी मेयर बनने की स्थिति वर्ष 2007 से लेकर 2009 में उत्पन्न हुई थी। उस समय बीजेपी पार्षद आरती मेहरा दो वर्ष तक मेयर रही थीं, जबकि दिव्य जायसवाल को भी लगातार दूसरे वर्ष डिप्टी मेयर बनने का मौका मिला था। हालांकि, उनका कार्यकाल मात्र 18 माह का था, जबकि महापौर आरती मेहरा का कार्यकाल दो वर्ष का था। यह इसलिए भी हुआ था क्योंकि वर्ष 2007 में बीजेपी, कांग्रेस को हराकर निगम की सत्ता पर काबिज हुई थी। पहला वर्ष महिला पार्षद के लिए आरक्षित होने की स्थिति में बीजेपी ने आरती मेहरा को मेयर और विद्रजीत सिंह बाजवा को उपमेयर बनाया था। अक्टूबर में बाजवा का निधन हो गया था। नवंबर 2007 में फिर से डिप्टी मेयर पद का चुनाव हुआ था इसमें बीजेपी पार्षद दिव्य जायसवाल नवंबर में डिप्टी मेयर बने थे। इसके बाद वर्ष 2008 में भी आरती मेहरा के साथ वह फिर से डिप्टी मेयर बने।

प्रचण्ड बहुमत से चुनाव जीतेंगी सुषमा खर्कवाल : ब्रजेश पाठक

– महापौर उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल के चुनाव कार्यालय का हुआ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को कहा कि लखनऊ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महापौर पद की उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल प्रचण्ड बहुमत से चुनाव जीतेंगी। इसके साथ ही भाजपा के षार्षद उम्मीदवार भी भारी वोटों से जीत दर्ज करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को हलवासिया मार्केट में भाजपा महापौर पद की उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर यह बातें कहीं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि लखनऊ के कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में यहां पर उपस्थिति दर्ज कराकर समर्थन जताया है। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि भाजपा महापौर उम्मीदवार के प्रति कार्यकताओं में भारी उत्साह है।

सुषमा खर्कवाल के पक्ष में जो माहौल बन रहा है वह लगातार जीत की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सुषमा खर्कवाल के पास समय कम है। सभी वार्डों में उनका पहुंचना सम्भव नहीं है। ऐसे में सभी कार्यकर्ता अपने को सुषमा खर्कवाल समझकर पार्टी के लिए काम करें। इस अवसर पर भाजपा महापौर पद की उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता हमेशा मैदान में रहता है। इसलिए हमारी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सामने कोई चुनौती नहीं है।

चन्द्रशेखर हाफ मैराथन को सरकारी किए जाने की घोषणा पर परिवहन मंत्री का जताया आभार

बलिया,(हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की स्मृति में 19 अप्रैल को आयोजित हुए पंचम हाफ मैराथन की सफलता पर आयोजन समिति ने सभी के प्रति आभार जताया। राष्ट्र नायक चंद्रशेखर मैराथन समिति ने इस सम्बंध में बैठक कर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व जिला प्रशासन की भूमिका को सराहा। समिति के सदस्यों ने उन सभी का आभार जताया जिनकी किसी न किसी प्रकार की भूमिका 21 किलोमीटर के हाफ मैराथन में थी। समिति के सचिव उपेंद्र सिंह ने कहा कि जिले की मिट्टी में पैदा हुए चंद्रशेखर देश के प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे और उसके बाद आजीवन अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उनके विशाल व्यक्तित्व के अनुरूप मैराथन का आयोजन कराना हर साल चुनौती रहती है, लेकिन जिले के लोगों द्वारा मिले सहयोग से यह विशाल आयोजन सकुशल हो पाता है। समिति के सचिव ने कहा कि हाफ मैराथन के मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने अगली बार से मैराथन को प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित कराए जाने की घोषणा की है। इसके लिए उनका विशेष तौर पर हम आभार व्यक्त करते हैं। वहीं, हाफ मैराथन के पचखोरा से बलिया वीर लोरिक स्टेडियम के 21 किलोमीटर के रास्ते में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी धन्यवाद के पात्र हैं। पूरे रास्ते में मैराथन धावकों के गुजरने तक परिंदा भी पर नहीं मार सका। उपेंद्र सिंह ने कहा कि मैराथन के रास्ते भर में जितने भी गांव हैं, सभी गांवों के लोगों ने देश-विदेश से आए धावकों पर जगह-जगह पुष्पवर्षा की और अन्य कई प्रकार से सहयोग किया। जिससे धावक अच्छा अनुभव लेकर गए हैं। इसके लिए मैराथन के रास्ते में आने वाले सभी गांवों के लोगों का भी राष्ट्र नायक चंद्रशेखर मैराथन समिति अपनी ओर से धन्यवाद व्यक्त करती है। ऐसे सभी लोगों के सहयोग से मिली ऊर्जा अगली बार के हाफ मैराथन को और भी भव्य बनाने में सहयोग करेगी। बैठक में सुखपुरा के प्रधान प्रतिनिधि उमेश सिंह ने आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के लिए सहभोज देने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस का सवाल, केंद्र सरकार बताए- अडाणी के खाते में 20 हजार करोड़ रुपये कैसे आये

रांची, (हि. स.)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता आभा सिन्हा ने अडानी को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हिडंनबर्ग की रिपोर्ट में अडानी के खाते में 20 हजार करोड़ रुपये कैसे आये हैं, यह केंद्र सरकार को बताना चाहिए। केंद्र सरकार ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द कर अडाणी के मुद्दा से भटकाने का काम किया। उन्होंने कहा कि अडाणी के खाते में इतनी बड़ी रकम कैसे आयी, जब अडानी के शेयर औंधे मुंह गिर रहे थे, तब एसबीआई और एलआईसी ने उन्हें अपने पैसे कैसे दिए और किसके आदेश से दिए। उन्होंने कहा कि हमारा देश लोकतांत्रिक देश है और जब इसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आंच आएगी तो कांग्रेस चुप नहीं रहेगी, चाहे उसके लिए कोई भी कुबार्नी देनी पड़े। कांग्रेस देश के लिए हमेशा से कुबार्नी देते आयी है। आज राहुल गांधी आम लोगों की आवाज बन चुके हैं।

फर्नीचर दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

रांची,(हि.स.)। नगर के सदर थाना क्षेत्र के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया हनुमान मंदिर के समीप एक फर्नीचर की दुकान और गोदाम में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई । इस अग्निकांड में किसी के हताहत होने नहीं होने की खबर है, लेकिन लाखों का नुकसान हुआ है। बताया गया कि कोकर इंडस्ट्रियल एरिया हनुमान मंदिर के समीप स्थित एक दुकान व कॉम्प्लेक्स के संचालक अशोक अग्रवाल और उनके परिवार के छह सदस्य कॉम्प्लेक्स के प्रथम तल्ले रहते थे। सुबह अचानक कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई। आग से प्लास्टिक की कुर्सी, टेबल और प्लाई के समान थे, जो जलकर पूरी तरह से राख हो गया है। किसी तरह कॉम्प्लेक्स के ऊपर रह रहे परिवार के सभी छह सदस्यों को बाहर निकाल लिया गया। वहां पास में स्थित पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने आग लगने की सूचना पुलिस को दी। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है । आग की लपटे इतनी भयावह थीं कि दुकान तक कोई भी सामने नहीं जा पा रहा था। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड के अधिकारी राजेंद्र राम बताया कि सुबह तीन बजे से आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। फायर ब्रिगेड के सात वाहन आग बुझाने में लगे हुए हैं। अब तक 25 गाड़ी पानी का उपयोग किया जा चुका है। फिलहाल आग बुझाने का प्रयास जारी है। विकास फर्नीचर नामक दुकान में आग लगी पीछे तक कॉन्प्लेक्स में पूरी तरह से फैल चुकी है।

अलग मिथिला राज्य निर्माण की मांग एवं समग्र विकास को धरना-प्रदर्शन

मधुबनी,(हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित हड़ताली स्थल पर शुक्रवार को मिथिला राज्य की मांग को धरणा प्रदर्शन हुआ। मिथिला क्षेत्र के विकास के लिए अलग मिथिला राज्य की मांग को लेकर मिथिला राज्य संघर्ष समिति के तत्वावधान में जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया। धरनास्थल सभा की अध्यक्षता डॉ कमलकांत झा ने की। सभा को संबोधित करते हुए मिथिला राज्य संघर्ष समिति के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ राम मोहन झा ने कहा कि मिथिला क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अलग मिथिला राज्य का निर्माण अति आवश्यक है इसके लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। आजादी के पश्चात यहाँ की सबसे बड़ी समस्या बाढ, सुखाड, बेरोजगारी, पलायन रहा है। डॉ झा ने कहा कि जब भाषाई आधार पर राज्यों का गठन किया तब भी मैथिली भाषी क्षेत्र मिथिला की उपेक्षा की गई। वैदिक काल से लेकर अट्ठारहवीं शताब्दी के अन्त तक मिथिला राज्य का स्वतंत्र अस्तित्व रहा । बिहार सरकार मिथिला वासियों के सर्वांगीण विकास के सपनों पर पानी फेर रही। कहा कि समय की मांग अलग मिथिला राज्य है। मिथिला राज्य निर्माण के आर-पार की लड़ाई लड़ना है। अध्यक्ष डॉ कमलकांत झा ने कहा कि संविधान की धारा तीन के अंतर्गत भारत में मिथिला राज्य का निर्माण किया जा सकता है। मिथिला प्रदेश का प्राचीन राज्य आज बिहार और आंशिक रूप से झारखंड एवं पश्चिम बंगाल में फैला हुआ है। मिथिला तिरहुत क्षेत्र को 1774 में तत्कालीन दरभंगा के शासकों के विरोध के वाबजूद ब्रिटिश इस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा पटना के अधीन कर दिया गया था जिसका विरोध सन 1800 में सम्राट शाह आलम द्वितीय ने भी किया था। मिथिला तिरहुत को बंगाल प्रेसीडेंसी और 1912 से बिहार और उड़ीसा के भीतर रखा गया। उड़ीसा और झारखंड आज एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में हैं। लेकिन भारत की सबसे प्राचीन सांस्कृतिक रूप से समृद्ध मिथिला क्षेत्र को एक अलग राज्य के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया। डॉ झा महामहिम राष्ट्रपति महोदया से आग्रह किया कि भारत सरकार को निर्देश देंगे। कहा कि मिथिला राज्य के निर्माण के लिए संविधान की धारा तीन के अंतर्गत संसद में विधेयक लाया जाय। सचिव राजीव कुमार ने कहा कि मिथिला राज्य की लड़ाई शहर जमीन पर शुरू की है। पटना व दिल्ली तक सुनाई होगी। संघर्ष समिति मिथिलांचल के सभी जिलों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन करेगी।

प्रदेश सरकार के माफिया और अपराधियों की सूची में वाराणसी के कई नाम गायब : अमिताभ ठाकुर

-पूर्व आईपीएस और अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सूची को पूरी तरह मनमाना और राजनैतिक बताया

वाराणसी, (हि.स.)। प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल में जारी माफिया और अपराधियों की सूची पर पूर्व आईपीएस और अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने सवालिया निशान लगाया है। उन्होंने कहा कि मात्र राजनैतिक कारणों से इस सूची में कई ऐसे नाम जानबूझ कर छोड़ दिए गए हैं, जिन पर दर्जनों बेहद संगीन मुकदमें हैं। और जिनके आपराधिक शोहरत से सभी परिचित हैं। उन्होंने कहा कि विधायक सुशील सिंह पर 25 से अधिक मुकदमे रहे हैं, किंतु उनका नाम सूची से गायब है। इसी तरह डबल मर्डर में सजायाफ्ता और 25 मुकदमें वाले अजय मरदह, दर्जनों मुकदमे लिए सुजीत सिंह बेलवा, मनीषा कोईराला के मैनेजर का हत्यारा अबू सलेम का साथी उपेंद्र सिंह गुड्डू, पूर्व प्रमुख चिरई गांव पप्पू भौकाली और बाहुबली के रूप में ज्ञात एमएलसी विनीत सिंह का नाम सूची से गायब है। इतना ही नहीं, बृजेश सिंह के धुर विरोधी वर्षों से फरार इंद्र देव सिंह, जेल से भागे हुए सुनील यादव तथा फरार अजीम के नाम भी सूची से गायब है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि ये नाम सिर्फ वाराणसी क्षेत्र से हैं, यही स्थिति पूरे प्रदेश में है, जो पुलिसिया कार्रवाई की हकीकत को सामने लाता है। गौरतलब हो कि योगी सरकार-2 ने पिछले दिनों प्रदेश में सक्रिय माफियाओं की सूची जारी की थी। इसमें मेरठ जोन से उधम सिंह, योगेश भदोड़ा, बदन सिंह बद्दो, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल कालू, अनुज बारखा, विक्रांत विक्की, हाजी इकबाल, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ,संजीव माहेश्वरी,विनय त्यागी उर्फ टिंकू का नाम दर्ज है। इसी तरह आगरा जोन से अनिल चौधरी, ऋषि कुमार शर्मा,बरेली जोन से माफिया एजाज का नाम सूची में शामिल है। लखनऊ जोन से खान मुबारक, अजय सिपाही,संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, मो. सहीम का नाम शामिल है। प्रयागराज जोन से डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह,लखनऊ जोन से सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह,वाराणसी जोन से मुख्तार अंसारी, त्रिभुवन सिंह,विजय मिश्रा,कुंटू सिंह, अखंड सिंह, रमेश सिंह काका का नाम शामिल है। गोरखपुर जोन से राजन तिवारी, रामू द्विवेदी,राकेश यादव,सुधीर सिंह, विनोद उपाध्याय,रिजवान जहीर माफिया, देवेंद्र सिंह का भी नाम सूची में शामिल है। इसी तरह नोएडा कमिश्नरेट से सुंदर भाटी, सिंहराज भाटी,अमित कसाना, अनिल भाटी, रणदीप भाटी, मनोज आसे, माफिया अनिल दुजाना का नाम सूची में है। कानपुर कमिश्नरेट से सऊद अख्तर, अनुपम दुबे,लखनऊ कमिश्नरेट से लल्लू यादव, बच्चू यादव,जुगनू वालिया उर्फ हरविंदर का नाम है। प्रयागराज कमिश्नरेट से बच्चा पासी उर्फ निहाल पासी, दिलीप मिश्रा, जावेद, राजेश यादव, गणेश यादव, कमरुल हसन, जाविर हुसैन का भी नाम है। वाराणसी कमिश्नरेट से अभिषेक सिंह हनी उर्फ जहर,बृजेश कुमार सिंह, सुभाष सिंह ठाकुर का भी नाम शामिल किया गया है।

वन और जल का दोहन रोकने से ही बचेगी पृथ्वी

बलिया, (हि.स.)। पृथ्वी को बचाने के लिए प्रकृति के साथ सद्भाव बनाए रखते हुए उसे सुरक्षित एवं संरक्षित रखना होगा। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन एवं शोषण नहीं, बल्कि उनका भरण-पोषण करना होगा। तभी हम पृथ्वी को बचा पायेंगे। यह कहना है पर्यावरणविद डा. गणेश पाठक का। अमरनाथ मिश्र पीजी कालेज दूबेछपरा के पूर्व प्राचार्य व जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के पूर्व शैक्षणिक निदेशक डा. गणेश पाठक ने "हिन्दुस्थान समाचार" से शुक्रवार को प्रकृति को लेकर गंभीरता से अपनी बातें रखी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण की भयावहता से प्रभावित होकर अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने सर्वप्रथम 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस मनाने का निर्णय लिया था। तब से प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को एक नए थीम को लेकर पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष का मुख्य थीम है "हमारे ग्रह में निवेश करें।" यहां प्रश्न यह है कि आखिर हम अपने ग्रह अर्थात पृथ्वी में क्या निवेश करें? डा. पाठक ने बताया कि मानव एवं पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। परस्पर समायोजन द्वारा ही पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र को बचाकर पृथ्वी को विनष्ट होने से बचाया जा सकता है। इसके लिए सबसे आवश्यक है पृथ्वी को हरा-भरा बनाना एवं जल का संरक्षण कर जल को बचाना तथा वर्षा जल संचयन द्वारा जल की सम्पूर्ति करना। साथ ही साथ पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी के प्रत्येक कारकों को सुरक्षित एवं संरक्षित करना तथा उनकी अभिवृद्धि करना। डा. पाठक ने बताया कि प्रारम्भ से ही मानव प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग करता आ रहा है, लेकिन जब तक मानव एवं प्रकृति का संबंध सकारात्मक रहा, तब तक पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी असंतुलन संबंधी कोई भी समस्या नहीं उत्पन्न हुई। जैसे-जैसे मानव की भोगवादी प्रवृत्ति एवं विलासितापूर्ण जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनियोजित एवं अनियंत्रित विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अतिशय दोहन एवं शोषण बढ़ता गया,पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र का असंतुलन बढ़ता गया। जिससे पर्यावरण प्रदूषण, ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि, ओजोन परत का क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं में भी निरन्तर वृद्धि होती जा रही है।

राज्य में कोरोना के 284 एक्टिव केस, 46 नए केस मिले

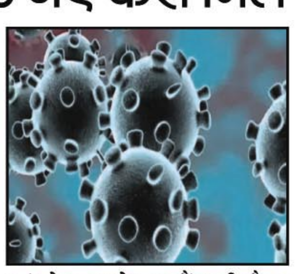

रांची, (हि.स.)। झारखंड में कोरोना का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। राज्य में कोरोना के एक्टिव केस की संख्या भी 284 हो गयी है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कोरोना के 46 नए मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना के नए मामलों में रांची में सात, बोकारो में दो, लातेहार और देवघर में चार-चार, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में नौ, गिरिडीह, गोड्डा और गुमला में दो- दो, हजारीबाग और पलामू से एक- एक एवं लोहरदगा के 12 हैं। इसी दौरान राज्य में कोरोना के 26 मरीज ठीक हुए हैं। राज्य में सबसे अधिक 83 केस राजधानी रांची में एक्टिव हैं।

उपमुख्यमंत्री ने किया सुषमा खर्कवाल के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

- वैदिक मंत्रोच्चार के बीच चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

लखनऊ, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में शनिवार को हलवासिया मार्केट में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लखनऊ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महापौर उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री आशुतोष टण्डन, लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, भाजपा महानगर महामंत्री सुनील यादव व त्रिलोक सिंह अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि मुझ जैसी पार्टी की सामान्य कार्यकर्ता को भाजपा ने टिकट देकर भाजपा कार्यकताओं के मान व सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से चुनाव में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि हम आपके मान-सम्मान में हमेशा आपके साथ खड़ी मिलूंगी। पार्टी ने मुझ पर जो भरोया जताया है उस पर खरे उतरने का प्रयास करूंगी। महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने सभी कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने-अपने बूथ पर पूरा फोकस करना है और हर हाल में अपने बूथ पर पार्टी को जीत दिलानी है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर विधायक नीरज बोरा, भाजपा नेता वीरेन्द्र तिवारी, मान सिंह, अंजनी श्रीवास्तव, अशोक यादव, नम्रता पाठक, ज्योति श्रीवास्तव और एडवोकेट बिपिन सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ट्रक और हाइवा की भीषण भिड़ंत में दोनों वाहन चालकों की मौत

दुमका,(हि.स.)। जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र के दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर रामपुर गांव के समीप एक बार फिर आधी रात को तेज रफ्तार का कहर बरपा। कोयला लदा हाइवा और पान मसाला लदे ट्रक की भिड़ंत में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई है। दोनों वाहनों के चालक केबिन पर फंसे रहे। दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर रामपुर गांव के समीप गुरुवार रात को कोयला लदा हाइवा और पान मसाला लदे ट्रक की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर गोपीकांदर एसआई अंजनी कुमार सह दल बल घटनास्थल पहुंच कर दोनों वाहन चालकों को गम्भीर अवस्था में सीएचसी, गोपीकांदर में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद दुमका रेफर कर दिया। बताया जाता है कि इलाज के दौरान डीएमसीएच में दोनों वाहन चालकों की मौत हो गई है। ट्रक चालक उत्तर प्रदेश के मैनपुरी गांव के राजू यादव के रूप पहचान हुई और हाइवा चालक पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के पचईबेड़ा गांव के रसिक सोरेन के रूप में हुई है। बताया गया कि ट्रक हरियाणा का है और वाहन में चालक अकेला था, जबकि कोयला ढुलाई में लगे वाहन में चालक और खलासी दोनों थे, लेकिन दुर्घटना में खलासी बच गया, उसे कोई चोट नहीं आई है। दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि गम्हरिया के पास ढलान है। ऐसे में पान मसाला लेकर पाकुड़ की ओर जा रहा वाहन तेज गति में था। जबकि आलूबेड़ा से कोयला लेकर आ दुमका रैक जा रहा हाइवा भी तेज गति में बताया जाता है। दोनों वाहनों की आमने-सामने की टक्कर से दोनों वाहनों के केबिन के परखच्चे उड़ गए हैं। दुर्घटना के बाद ट्रक में लदे पान मसाला और कोयला को आसपास के लोगों ने लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पुलिस पहुंचने के बाद कोयला और पान मसाला लूट रुक सकी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों को हर घर पहुंचाना है भाजयुमो की प्राथमिकता : सुमित

बेगूसराय, (हि.स.)। लोकसभा के 2024 में होने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चार सौ से अधिक सीट पर जीत कर एक बार फिर सरकार बनाने का अभियान शुरू कर चुकी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जहां चार सौ से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य तो बिहार के भी सभी 40 सीट पर जीत होगी। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी ने यह बातें शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों से निरंतर काम करते हुए आज भाजपा युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष मनोनीत होना एक सुखद अनुभव है। 2012-13 से लगातार पार्टी में कार्यकर्ता के रूप में काम किया। पार्टी के सभी कार्यक्रमों में उत्साही युवा के तौर पर शामिल हुआ। उन्होंने कहा कि 2016 में तात्कालीन जिलाध्यक्ष संजय सिंह द्वारा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक के रूप में पार्टी में दायित्व मिला। जिसमें खिलाड़ियों का सम्मान समारोह, अनेकों खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 2018 में लोकसभा मीडिया प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए दिया गया। 2019 के लोकसभा चुनावों में दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वाह किया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रिकॉर्ड मतों से विजय प्राप्त कर बेगूसराय के सांसद बने। 2019 में संगठन विस्तार में निवर्तमान अध्यक्ष राजकिशोर सिंह के द्वारा जिला मीडिया प्रभारी के दायित्व दिया गया। इस बीच 2020 विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा। संगठन में काम करते हुए 2020 के विधानसभा चुनाव में बेगूसराय विधानसभा में काम करते हुए विजय पताका लहराया और भारतीय जनता पार्टी ने बेगूसराय और बछवाड़ा सीट पर विजय हासिल किया, तीसरे सीट बखरी पर हम कुछ मतों से ही पीछे रह गए। 2020 से 2023 तक अनेकों सफल कार्यक्रम का हिस्सा बना, जो सफल कार्यक्रम जिला भाजपा, बेगूसराय के द्वारा आयोजित की गई।

2023 में फिर से संगठन विस्तार में जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा के द्वारा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। पार्टी के भरोसे पर खरा उतर कर 2024 के लोकसभा चुनाव एवं 2025 के विधानसभा चुनावों में विजय दिलाना ही प्राथमिकता होगी। सन्नी ने कहा कि पार्टी में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ना, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कामों को जन-जन तक पहुंचना हमारा मुख्य उद्देश्य है। हम सभी लोकसभा एवं विधानसभा के चुनावों को मजबूती से लड़ेंगे। चार सौ से अधिक सीट जीतकर फिर से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनाएंगे। 2025 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलेगा। बिहार में सरकार अपने दम पर बनाना हम सबों का प्रमुख उद्देश्य होगा। जिससे बिहार में जंगलराज खत्म हो और बिहार विकास के रास्ते पर अग्रसर हो।

संपादकीय

उपलब्धियों में कितनी उपलब्धि

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन तथा 26वें दीक्षांत समारोह के बहाने, शिक्षा की बात जुबां तक आई वरना अब तो केवल सियासी आंखों में ही ऐसे संस्थान बसते हैं। समारोह का आंखों देखा हाल बताता है कि छात्रों ने गौरव के कई क्षण और उपलब्धियों के कई खजाने सौंप कर प्रदेश के सबसे पुराने व अहम विश्वविद्यालय की आंखों में फिर से सुरमा डाला है। यही वजह है कि अति शिक्षित हिमाचल प्रदेश के आंकड़े देख कर देश की पहली नागरिक इस तथ्य को जानकर प्रफुल्लित हुईं कि उच्च शिक्षा में एक लाख छात्रों की तादाद की सत्तर फीसदी बेटियां, समाज के दर्पण को ऊंचा कर रही हैं। विश्वविद्यालय में 99 पीएचडी उपाधि प्राप्त छात्रों के नाम पर बजी तालियों में से 59 छात्राओं का योगदान, हर घर में बेटी का सम्मान है, तो 111 स्वर्ण पदकों का वितरण भी 77 बेटियों को आगे कर देता है। यह उपलब्धियों में उपलब्धि है कि शिक्षा के आधुनिक अवतरण में हिमाचल की बेटियां मीलों आगे हैं। स्कूल, कालेज से विश्वविद्यालय ही नहीं, बल्कि खेल के मैदान से सेना के अधिमान तक हिमाचल की बेटियां नित नए कीर्तिमान हासिल कर रही हैं। अभी दो दिन पहले ही जिस जिद्दत से पर्वतारोही बलजीत कौर ने बर्फ के पहाड़ से लड़ाई कर, खुद को बचाया वह पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है। इसमें दो राय नहीं कि इस पर्वतीय राज्य ने पहाड़ पर शिक्षा का पहाड़ चढ़ा दिया, लेकिन बात सिर्फ डिग्री धारक बनने की नहीं, जीवन में सफलता के एहसास को जीतने की है। शिमला विश्वविद्यालय के माध्यम से हिमाचल का शैक्षणिक इतिहास कभी डिग्रियों को ही स्वर्णिम बना देता था। हर विभाग के कक्ष में विचारों का तापमान जब तक उच्च रहा, तब तक शिक्षा के उस दौर ने कई नगीने पैदा किए, लेकिन अब छात्र जिज्ञासाओं के समुद्र से अध्ययन की परिपाटी अतृप्त क्यों है। क्यों एमबीए की डिग्री अब उस वातावरण को हार रही है, जो कभी सीधे देश की श्रेष्ठ यूनिवर्सिटियों के मुकाबले नाम कमाती थी। आए दिन शिमला विश्वविद्यालय अपने ही कारणों से ऐसी चिंताओं का घर बन गया, जहां प्रदेश भी अब कई विश्वविद्यालयों में विभक्त हो चुका है। छात्र राजनीति के कई सूरमा पैदा करके भी यह उच्च शिक्षा संस्थान आए दिन क्यों हिंसक उन्माद के नंगे नाच में फंस जाता है। बहरहाल हिमाचल में एक विवाद शिमला के बर अकस खड़े किए गए मंडी विश्वविद्यालय के औचित्य पर उठा है और जहां पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इसे बंद करने की आशंका प्रकट की है। आश्चर्य यह कि शिक्षा के तर्कों से परे राजनीतिक फैसलों की छांव में विश्वविद्यालयों की स्थापना भी अब एक खास तरह की सियासी जरूरत बना दी गई है। प्रदेश में कृषि, बागबानी, मेडिकल, तकनीकी, केंद्रीय व मंडी विश्वविद्यालयों की खेप में उपलब्धियां अगर डिग्रियां हैं, तो हम युवाओं का सही नेतृत्व नहीं कर रहे। किसी समय कृषि विश्वविद्यालय की जरूरत समझी गई होगी, लेकिन अगर हिमाचल में कुल दस गेहूं खरीद केंद्र स्थापित करके भी चार मंडियों में एक भी किसान गेहूं बेचने नहीं आता, तो कहीं संबंधी विश्वविद्यालय के औचित्य पर भी प्रश्न उठता है। जहां फलोत्पादक निजी नर्सरियों के भरोसे फल पौधों की खरीद पर भरोसा करते हों या किसान के लिए हर तरह के बीज शहर से आते हों, तो बागबानी तथा कृषि विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता का सवाल पैदा होता है। हिमाचल शिक्षा को विस्तृत और उच्च आयाम तक पहुंचाने के बजाय शिक्षण संस्थानों के कंगूरे खड़े कर रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से मेडिकल कालेजों की मिट्टी भले ही पलीद हो चुकी है, लेकिन दिल है कि एक अदद मेडिकल यूनिवर्सिटी बना कर भी मानता नहीं। तकनीकी विश्वविद्यालय को सजाने से पहले कितने इंजीनियरिंग कालेज मनहूस होकर मर गए, किसी के पास जवाब नहीं। ऐसे में फैकल्टी के नाम पर हुई विसंगतियों पर चर्चा के बजाय सियासत सिर्फ यह छाती पीट रही है कि हाय! मेरी यूनिवर्सिटी, हाय उसकी यूनिवर्सिटी। यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान भी अगर क्षेत्रवाद की जद में हैं तो शिमला विश्वविद्यालय का इतिहास और गौरव यूं ही छीना जाएगा ताकि कहीं अन्यत्र खुला विश्वविद्यालय पुचकारा जा सके। राज्य के पहले विश्वविद्यालय के प्रति सरकार को गंभीरता से इसकी श्रेष्ठ दमक को बरकरार रखने के उपाय सोचने होंगे।

विश्वविद्यालय में 99 पीएचडी उपाधि प्राप्त छात्रों के नाम पर बजी तालियों में से 59 छात्राओं का योगदान, हर घर में बेटी का सम्मान है, तो 111 स्वर्ण पदकों का वितरण भी 77 बेटियों को आगे कर देता है। यह उपलब्धियों में उपलब्ध है कि शिक्षा के आधुनिक अवतरण में हिमाचल की बेटियां मीलों आगे हैं। स्कूल, कालेज से विश्वविद्यालय ही नहीं, बल्कि खेल के मैदान से सेना के अधिमान तक हिमाचल की बेटियां नित नए कीर्तिमान हासिल कर रही हैं। अभी दो दिन पहले ही जिस जिद्दत से पर्वतारोही बलजीत कौर ने बर्फ के पहाड़ से लड़ाई कर, खुद को बचाया वह पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है। इसमें दो राय नहीं कि इस पर्वतीय राज्य ने पहाड़ पर शिक्षा का पहाड़ चढ़ा दिया, लेकिन बात सिर्फ डिग्री धारक बनने की नहीं, जीवन में सफलता के एहसास को जीतने की है। शिमला विश्वविद्यालय के माध्यम से हिमाचल का शैक्षणिक इतिहास कभी डिग्रियों को ही स्वर्णिम बना देता था।

कुछ अलग

सबसे ज्यादा हिंदुस्तानी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की ताजा रपट के मुताबिक, भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। चीन को पीछे छोड़ दिया गया है। फरवरी, 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत की आबादी 142.86 करोड़ और चीन की 142.57 करोड़ है। भारतीय चीनियों की तुलना में 29 लाख अधिक हो गए हैं। यह सिलसिला अब जारी रहेगा, क्योंकि हमारी औसत प्रजनन दर करीब 2 फीसदी है, लिहाजा आबादी लगातार बढ़ती रहती है। जब भारत अपनी आजादी का शतक पूरा कर चुका होगा, उसके बाद 2050 में हमारी आबादी 166.8 करोड़ से ज्यादा होगी। चीन से तुलना बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि 2100 आने तक उसकी आबादी सिकुड़ कर 76 करोड़ के करीब रह सकती है। भारत दुनिया का सबसे 'युवा देश' है। करीब 66 फीसदी आबादी 35 साल की उम्र से कम है। भारत में 15-64 आयु-वर्ग की आबादी करीब 68 फीसदी है। इस आयु-वर्ग को 'कामकाजी' माना जाता है। 19-40 के आयु-वर्ग के 53 करोड़ हिंदुस्तानी हैं, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हीं के दम पर भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' बनेगा। युवा आबादी हमारे लिए 'शक्ति-पुंज' है। दुनिया का सबसे बड़ा बाजार, सबसे युवा कार्य-बल और सबसे सस्ता श्रम-बल भारत में उपलब्ध है, लिहाजा हम दुनिया के 'बाजार-बादशाह' हैं। दुनिया के उदाहरण सामने हैं कि यदि अमरीका, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया सरीखे देशों ने असीम सफलताएं हासिल की हैं, तो सिर्फ अपनी युवा आबादी के बल पर ही...। चूंकि अब उनकी आबादी बुढियाने लगी है, तो काम के संकट भी पैदा हो रहे हैं। सामूहिक ताकत, ऊर्जा, कौशल, कारोबार, उत्पादन आदि के संदर्भ में 'सबसे ज्यादा हिंदुस्तानी' होने की खबर सुखद है। उम्मीद और संभावनाओं के व्यापक आसमान खोलती है, लेकिन चिंताएं और चुनौतियां भी मौजूद हैं। दुनिया की 800 करोड़ से ज्यादा की आबादी में भारत की हिस्सेदारी 17.77 फीसदी है, लेकिन हमारा भू-भाग मात्र 2.5 फीसदी है। संसाधन भी सीमित हैं। हालांकि भारत की इतनी आबादी होने के बावजूद हमारे सामने भुखमरी और सूखा-अकाल के हालात नहीं हैं, लेकिन देश के रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, अस्पताल, स्कूल, बाजारों, राशन के डिपो से लेकर 5 किलो मुफ्त अनाज के वितरण-केंद्रों आदि तक पर जब जन-सैलाब देखते हैं, तो असंतुलन का खौफ पैदा होने लगता है। असंख्य चेहरे आंदोलित होते हैं, किसान अपनी फसल को जलाने को विवश होते हैं और बेरोजगार युवा आक्रोश में आकर तोड़-फोड़ करने लगते हैं, तो आबादी का 'शक्ति-पुंज' ही देश को जलाता हुआ लगता है। सब कुछ सवालिया हो जाता है। बेशक भारत में बहुत कुछ बदल चुका है। देश में करीब 50 करोड़ कामगार हैं। यदि 15 साल से अधिक उम्र के कामगारों को भी जोड़ लिया जाए, तो यह आंकड़ा 100 करोड़ को छू सकता है। इतने कामगार दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। चीन को छोड़ दें, तो अमरीका, यूरोप, अफ्रीका की इतनी आबादी भी नहीं है। देश की तकनीकी कंपनियों में करीब 54 लाख लोग कार्यरत हैं। 2022-23 के दौरान इन कंपनियों ने 2.90 लाख लोगों को नौकरियां दी हैं। मार्च तिमाही में रोजगार दर करीब 37 फीसदी थी। हमारे देश में महिला कामगारों की संख्या भी काफी है, हालांकि इस संदर्भ में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

भारतीय या हिंदू सामाजिक व्यवस्था में इन जातियों के साथ इनकी जाति के कारण ही भेदभाव किया जाता है

अनुसूचित जाति आरक्षण में नए दावेदार

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कुछ लोग राजेन्द्र सच्चर और रंगनाथ मिश्रा की रपटों की भारी भरकम पोथियां लेकर उच्चतम न्यायालय की ओर भागते देखे गए। तर्क पर तर्क दिए जा रहे हैं। किसी भी तरीके से आरक्षण दिलवाना है, नहीं तो महमूद गजनवी से लेकर औरंगजेब तक का सब किया कराया मिट्टी में मिल जाएगा। प्रश्न यह है कि एटीएम मुसलमानों के लिए किस आधार पर आरक्षण मांग रहा है? एटीएम का कहना है कि इन मुसलमानों में भी जाति है। यदि कोई यह कहता है कि वह मुसलमान भी है और उसकी जाति भी है तो या तो वह झूठ बोल रहा है या फिर वह मुसलमान नहीं है। दोनों बातें एक साथ नहीं हो सकती। इस्लाम में जाति व्यवस्था नहीं है।

भारत की कुछ जातियों की एक सूची तैयार की गई है जिसके कारण इन जातियों को अनुसूचित जाति के नाम से जाना जाता है। अंग्रेजी भाषा में इसे संक्षेप में एससी कहा जाता है। इस सूची में शामिल जातियों के लोगों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। भारतीय या हिंदू सामाजिक व्यवस्था में इन जातियों के साथ इनकी जाति के कारण ही भेदभाव किया जाता है। उनके साथ दूसरी जातियों के लोग खाते-पीते नहीं हैं। उनकी बस्तियां गांव से बाहर होती हैं। इतना ही नहीं कई जातियों को तो अछूत ही मान लिया जाता है। शादी विवाह में खाने के लिए इन जातियों के लोगों की पंक्ति कई जगह अलग लगा दी जाती है। यह हिंदू समाज का भीतरी रोग है जिसे दूर करने के अनेक उपाय सदियों से होते रहे हैं। बाबा साहिब अंबेडकर ने एक बार कहा था कि यह हिंदू समाज का गुण है कि वह समय समय पर अपने भारत आ गई बीमारियों को दूर करने के प्रयास भी करता रहता है। भेदभाव की बीमारी को दूर करने और सामाजिक समरसता स्थापित करने के अनेक उपाय किए जाते रहे हैं। उनमें से एक उपाय है अनुसूचित जातियों का सशक्तिकरण। सरकारी नौकरियों में आरक्षण उनमें से मात्र एक प्रावधान है। सत्ता में भागीदारी दूसरा प्रावधान है। यही कारण है कि विधान सभाओं व लोकसभा में भी अनुसूचित जातियों के प्रत्याशियों के लिए कुछ सीटें आरक्षित रखी जाती हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों से भारत में रह रहे एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल-मंगोल) मूल के मुसलमान एक बड़े अभियान में लगे हुए हैं। उनकी कोशिश है कि भारत के देसी मुसलमान (डीएम) को भी अनुसूचित जाति की तर्ज पर आरक्षण दिलवाया जाए। लेकिन उनके दुर्भाग्य से इस्लाम में जाति की कोई अवधारणा नहीं है। सामाजिक व्यवस्था में जाति की अवधारणा केवल हिंदू समाज में ही है। यह सामाजिक व्यवस्था अच्छी है या बुरी है, यह एक अलग प्रश्न है। लेकिन इस व्यवस्था के अस्तित्व से कोई इन्कार नहीं कर सकता। जिनको आज की वैधानिक शब्दावली में एससी कहा जाता है, उनमें से बहुत सी जातियां एटीएम के शासन काल में इस्लाम में शामिल कर ली गई थीं। ऐसा नहीं कि इन जातियों ने इसका विरोध नहीं किया। बल्कि यदि इतिहास को सही रूप से परखा जाए तो अरबों, तुर्कों व मुगल हमलावरों से स्थान स्थान पर इन्हीं जातियों के लोगों ने मुकाबला किया। परन्तु हमलावरों की विजय के बाद, इसका

सबसे ज्यादा दंश भी इन्हीं जातियों को झेलना पड़ा। इनको इस्लाम में शामिल किया जाना भी इसी का परिणाम था। परन्तु 1947 के बाद देश में से सभी विदेशी शासकों मसलन- अरबों, तुर्कों, मुगलों, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों व अंग्रेजों के शासन का अन्त हो गया। देश में लोकतन्त्र की स्थापना हुई। नई शासन व्यवस्था में अनुसूचित जातियों को भी हिस्सेदारी मिली। इसलिए यह सुगबुगाहट भी होने लगी कि इन जातियों के जो लोग इस्लाम में धकेल दिए गए थे, वे वापिस अपने घर लौट आएं। इस सुगबुगाहट से एटीएम मूल के मुसलमान घबरा गए। उनकी घबराहट समझ में आती थी। एटीएम भारत में अभी भी इन्हीं देसी मुसलमानों के बलबूते अपना उल्लू सीधा कर रहा है। उनकी संख्या आटे में नमक के बराबर भी नहीं है, लेकिन वह देसी मुसलमानों को हांक कर, उनके संख्या बल पर विधान सभाओं या लोकसभा में पहुंचता है। देसी मुसलमान को मजहब की घुट्टी पिला कर स्वयं नौकरशाही में बड़े पद झटक लेता है। एटीएम को लगता है यदि देसी मुसलमान हिल गया तो एटीएम की हवेलियां धराशायी हो जाएंगी। इसलिए वह उसे आश्वस्त कर रहा है कि आप को भी अनुसूचित जाति की तजऱ्पर आरक्षण दिलवा दिया जाएगा। लेकिन यह कैसे सम्भव हो सकता है? बाबा साहिब अंबेडकर ने भी इस प्रश्न पर गहराई से विचार किया था। लेकिन उन्होंने देसी मुसलमान के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था करने से इन्कार कर दिया था। एटीएम ने इसका भी चोर दरवाजा खोज निकाला था। उसने सोनिया कांग्रेस से तालमेल बिठा कर भीमसेन सच्चर, जिन्होंने 1947 के बाद पाकिस्तान संविधान सभा का सदस्य बने रहने को वरीयता दी थी, के सुपुत्र राजेन्द्र सच्चर की अध्यक्षता में एक कमेटी बना दी थी। इस कमेटी ने अपनी रपट में कहा था कि भारत में मुसलमानों के साथ बहुत ही अन्याय हो रहा है। उनका शोषण हो रहा है और वे अत्यन्त पिछड़े हुए हैं। उसके कुछ साल बाद, यूपीए की सरकार ने ओडीशा के एक सज्जन रंगनाथ मिश्रा, जो कभी उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भी रह चुके थे, की अध्यक्षता में एक दूसरा आयोग गठित किया। इस आयोग ने भी राजेन्द्र सच्चर कमेटी की तजऱ्पर वही घोषणा की कि देसी मुसलमान के साथ घोर अन्याय हो रहा है। जाहिर है यह सारी कसरत इसलिए की जा रही थी कि कल को न्यायालय में जाकर इन महापुरुषों की रपटों को सबूत के तौर पर पेश किया जा सके और देसी मुसलमानों के लिए भी आरक्षण की मांग की जा सके। एक बार उनको आरक्षण दिलवा दिया तो उनका अपने पुराने पुश्तैनी घर में चले जाने का ख़तरा टल जाएगा और एटीएम इस भीड़ में छिप कर फिर मौज करेगा। और सचमुच जिसका शक था, वही हुआ। कुछ लोग राजेन्द्र सच्चर और रंगनाथ मिश्रा की रपटों की भारी भरकम पोथियां लेकर उच्चतम न्यायालय की ओर भागते देखे गए। तर्क पर तर्क दिए जा रहे हैं। किसी भी तरीके से आरक्षण दिलवाना है, नहीं तो महमूद गजनवी से लेकर औरंगजेब तक का सब किया कराया मिट्टी में मिल जाएगा। प्रश्न यह है कि एटीएम मुसलमानों के लिए किस आधार पर आरक्षण मांग रहा है? एटीएम का कहना है कि इन मुसलमानों में भी जाति है। यदि कोई यह कहता है कि वह मुसलमान भी है और उसकी जाति भी है तो या तो वह झूठ बोल रहा है या फिर वह मुसलमान नहीं है। दोनों बातें एक साथ नहीं हो सकती। इस्लाम में जाति व्यवस्था नहीं है। यह सामाजिक व्यवस्था केवल हिंदू समाज में ही है। अब एटीएम क्या यह मांग कर रहा है कि पहले तो उच्चतम न्यायालय इस्लाम की मूल अवधारणा में 'जाति की अवधारणा' ट्रांसप्लांट करे और यह कठिन काम निपटाने के बाद कुछ निश्चित जातियों को आरक्षण की व्यवस्था करे। लेकिन मुख्य प्रश्न यही है कि क्या हजरत मोहम्मद द्वारा स्थापित और पारिभाषित इस्लाम की मूल अवधारणा को किसी एक देश, उदाहरण के लिए भारत की न्यायपालिका बदल सकती है? सुनवाई के दौरान शायद भारत के मुख्य न्यायाधीश इसी का जवाब मांग रहे थे। एटीएम के पास क्या इसका कोई उत्तर है? उत्तर हो ही नहीं सकता क्योंकि एटीएम मूल के मुसलमानों की अपनी कोई जाति नहीं है।

स्कूलों में लागू करें फिटनेस कार्यक्रम

नया शिक्षण सत्र शुरू हो रहा है। क्या इस बार सरकारी स्कूल अपने यहां या कोई निजी स्कूल पहल करेगा? शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए।

कई वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। नया शिक्षण सत्र शुरू हो रहा है। क्या इस बार सरकारी स्कूल अपने यहां या कोई निजी स्कूल पहल करेगा? शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त बातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है।

पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है।

देश दुनीया से

समलैंगिकता 'कुदरत' के खिलाफ

सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने समलैंगिक शादी को कानूनी-सामाजिक मान्यता देने और 'स्पेशल मैरिज एक्ट' में संशोधन करने पर एक नई बहस शुरू की है। संविधान पीठ शादी की नई व्याख्या भी कर सकती है। कानून में 'पुरुष' और 'स्त्री' शब्दों के स्थान पर 'जीवन-साथी' शब्द स्थापित किया जा सकता है। ऐसी दलीलें सामने आई हैं। बहस से पहले यह सबसे अहम है कि क्या समलैंगिक यौन संबंध नैसर्गिक और प्राकृतिक हैं? क्या उन्हें 'अनैतिक' और 'गलत' करार नहीं दिया जाना चाहिए? सर्वोच्च अदालत ने 2018 में धारा 377 के तहत समलैंगिकता को 'अपराध' की श्रेणी से मुक्त किया था, लिहाजा उसे कुछ स्वीकृति मिली थी, लेकिन उसके मायने ये नहीं हैं कि प्रकृति की संरचनाओं से खिलवाड़ किया जाए। कुदरत ने सभी जीवों, प्राणियों में 'नर-मादा' की संरचना की है। उनके भीतर ऐसे समीकरण, प्रक्रियाएं तैयार की हैं कि दोनों का 'मिलन' एक और प्राणी को जन्म देता है। समलैंगिकों का जन्म भी इसी तरह हुआ है। जन्म और संरचना की यह प्रक्रिया एकदम 'दैवीय' लगती है। जिस तरह एक नए जीव का मस्तिष्क, चेहरा-मोहरा, शारीरिक अंग, हृदय और दूसरे हिस्से और उंगलियों पर लकीरें आदि हम देखते हैं, उन्हें कौन गढ़ता है? हम अचंभित होते रहते हैं कि 'नर-मादा' के मिलन से ही ऐसी संरचना कैसे बन जाती है? हमारे वेद, पुराण, उपनिषद आदि प्राचीन महाग्रंथों में जीव, प्राणी की संरचना, आत्मा और ब्रह्मांड के निरंतर निर्माण के संदर्भ में उल्लेख हैं और व्याख्याएं भी की गई हैं। कोई संविधान, कानून और व्यक्तिपरक बौद्धिकता ऐसी नैसर्गिक और प्राकृतिक संरचनाओं की समीक्षा नहीं कर सकते। यह व्यक्ति की क्षमताओं से बहुत परे है। उनके खिलाफ कानूनी प्रावधान स्थापित नहीं कर सकते। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में 'विवाह' को एक पवित्र संस्कार माना गया है। यह एक सामाजिक संस्थान भी है। विवाह के जरिए वंश-वृद्धि को सामाजिक मान्यता और स्वीकृति मिली है। समाज और दुनिया ऐसे ब्याहता जोड़े को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। जीव और मानवीय लैंगिकता उनके 'जननांग' से ही परिभाषित होती है। वैचारिक लैंगिकता उसके बाद ही आती है। अदालत कोई नई परिभाषा तय करना चाहती है, तो हम उसका भी आकलन करेंगे और फिर व्याख्या भी करेंगे। यह आधुनिक मतिभ्रम हो सकता है कि समलैंगिक होना भी 'प्रगतिशील' लगे। किन देशों में, किन स्थितियों में इसे कानूनी-सामाजिक-मानसिक मान्यता मिली है, उससे हमें ज्यादा सरोकार नहीं है। समलैंगिक भी भारत देश के नागरिक हैं, लिहाजा उनके मौलिक और संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित हैं। नर-नर और मादा-मादा का विवाह न तो मौलिक अधिकार है, अलबत्ता उन्हें भी शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका आदि के अधिकार प्राप्त होने चाहिए। उनकी मनोविकृति शारीरिक स्तर पर है, उसका निदान किया जाना चाहिए। समलैंगिक संबंध और शादी के अधिकार और मान्यता का ही सवाल नहीं है। परिवार और संबंध से जुड़े पर्सनल लॉ, बच्चे गोद लेने का अधिकार, उत्तराधिकार एवं संपत्ति के अधिकार भी ऐसे संवेदनशील मुद्दे हैं, जिन पर बड़े विवाद पनपते रहे हैं और संबंधों का ताना-बाना भी बिखर सकता है। जिस स्तर पर समलैंगिकता की समीक्षा की जा रही है, वह स्तर भी देश के लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। लोकतंत्र में यह स्वीकार्य कैसे हो सकता है? यदि चर्चा की जानी है, तो सबसे पहले संसद में की जाए। यह उसी के अधिकार-क्षेत्र का विषय है। यह विशुद्ध रूप से कानून और अपराध का मामला नहीं है। संसद में प्रस्ताव पारित हो जाए, तो फिर संविधान पीठ उसकी विवेचना कर सकती है।

कानून में 'पुरुष' और 'स्त्री' शब्दों के स्थान पर 'जीवन-साथी' शब्द स्थापित किया जा सकता है। ऐसी दलीलें सामने आई हैं। बहस से पहले यह सबसे अहम है कि क्या समलैंगिक यौन संबंध नैसर्गिक और प्राकृतिक हैं? क्या उन्हें 'अनैतिक' और 'गलत' करार नहीं दिया जाना चाहिए? सर्वोच्च अदालत ने 2018 में धारा 377 के तहत समलैंगिकता को 'अपराध' की श्रेणी से मुक्त किया था, लिहाजा उसे कुछ स्वीकृति मिली थी, लेकिन उसके मायने ये नहीं हैं कि प्रकृति की संरचनाओं से खिलवाड़ किया जाए। कुदरत ने सभी जीवों, प्राणियों में 'नर-मादा' की संरचना की है। उनके भीतर ऐसे समीकरण, प्रक्रियाएं तैयार की हैं कि दोनों का 'मिलन' एक और प्राणी को जन्म देता है। समलैंगिकों का जन्म भी इसी तरह हुआ है। जन्म और संरचना की यह प्रक्रिया एकदम 'दैवीय' लगती है।

नागरिक बोध

विपक्षी दलों में भाजपा और मोदी के खिलाफ गुस्सा और उदासी

राजनीतिक बैरोमीटर बता रहा है कि विपक्षी दल और उसके नेता चुनाव में पराजय, खासकर पूर्वोतर राज्यो में हार के कारण सकते में है। भाजपा और मोदी विरोधी खेमे में उदासी है। उदासी से ज्यादा गुस्सा है। अडाणी पर बयान से घिरे राहुल ने ब्रिटेन में भारत में लोकतंत्र को खतरा बताया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत की कोर्ट ने सजा सुनाने के बाद कांग्रेस तिलमिला उठी। उससे ज्यादा आपत्ति कांग्रेस और राहुल को उस समय हुई, जब राहुल का लोकसभा सदस्यता खत्म हो गई। इसलिए कांग्रेस और उनके सभी साथी पक्षो को मोदी और भाजपा फूटी आंख नही सुहाते है। विपक्ष कई बार विचार करता है कि मोदी को उन नीतियों के लिए कैसे इतना बड़ा जनसमर्थन मिल गया जिसे विपक्ष के लोग भारतीय लोकतंत्र और सेक्युलर ढांचे के खिलाफ मानते है। 1977 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जनता पार्टी से भयंकर हार का सामना करना पड़ा और उसके हाथ से सत्ता निकल गई। तब वह न तो हताश हुई और न ही नाराज। उन्होंने हार को अवसर माना और वह फिर से पार्टी को खड़ा कर सके ताकि राजनीतिक वापसी हो सके। कार्यवाहक प्रधानमंत्री बीड़ी जट्टी को अपना इस्तीफा देने के बाद जब वह संवाददाताओं से मिली तो बोली जनता का यह सामूहिक निर्णय है जिसका सम्मान होना ही चाहिए। वह 1977 का वर्ष था। 1975 में संजय गांधी ने इमरजेंसी लगवाने और जनता ओर अनुशासन के नाम पर जुल्म ढाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। सच्चाई को समझने वाले संजय गांधी ने कांग्रेस की हार में अपनी भूमिका मानकर माफी मांग ली। लेकिन हमने ऐसी कोई बात राहुल गांधी से नही सुनी। अभी हाल ही में सूरत में कोर्ट में माफी मांगने के लिए कोर्ट ने सलाह दी। लेकिन माफी नही मांगी। माफी मांग लेते तो लोकसभा की सदस्यता और दो वर्ष की सजा की घटनाओं को सहज रोका जा सकता है। राहुल ने सूरत में सजा माफ करने की प्रार्थना की थी, लेकिन कोर्ट में सजा बरकरार रखी है। अहंकार के आड़े राहुल माफी नही मांगते है। भले ही कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को मोदी का विकास बेमानी लगता है लेकिन पी चिदंबरम के आलेख में मोदी की प्रशंसा की है। कांग्रेस की नीतियों में बदलाव की जरूरत है। कांग्रेस सन 47 की नीतियों पर है। जबकि सच्चाई यह है कि आज हर इंसान की नीतियों, आर्थिक स्वावलंबन और रहन सहन के साथ विचारधारा भी बदली गई है। लेकिन कांग्रेस उसी नीतियों का अनुसरण कर रही है। जिसके कारण कांग्रेस को पीछेहट करना पड़ रहा है। नेता मणिशंकर अय्यर ने मोदी की टीका करते हुए कहा कि चायवाला कभी भी प्रधानमंत्री नही बन सकता है। हम अपने सम्मेलन स्थल पर उसको चाय बेचने को कुछ जगह दे सकते है।

2024 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे बाइडेन: 25 अप्रैल को ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं, इसी दिन 2020 का इलेक्शन लड़ने की घोषणा की थी

वॉशिंगटन।
आखिरकार जो बाइडेन ने साफ कर दिया है कि वो 2024 में होने वाले यूएस प्रेसिडेंट इलेक्शन में उतरने का मन बना रहे हैं। उन्होंने 15 अप्रैल को आयरलैंड में एक रैली में कहा था कि वो इसकी तैयारियां कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइडेन 25 अप्रैल को चुनाव लड़ने का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं। वो एक वीडियो के जरिए इसकी घोषणा करेंगे। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा- प्रेसिडेंट बाइडेन ने फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की है। 2019 में 25 अप्रैल के ही दिन उन्होंने 2020 का चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। तब भी उन्होंने एक वीडियो जारी कर इलेक्शन कैंपेन शुरू किया था। इसलिए माना जा रहा है कि वो 25 अप्रैल को ही 2024 इलेक्शन लड़ने का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं। हालांकि, घोषणा की तारीख आगे बढ़ने के चांस भी हैं।

अमेरिका के सबसे उम्रदराज प्रेसीडेंट हैं बाइडेन - बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे बुजुर्ग नेता हैं। 80 साल के डेमोक्रेट नेता ने 20 जनवरी 2021 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। उन्होंने रिपब्लिक के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हराकर अमेरिका की सत्ता हासिल की थी। अगर वो 2024 का इलेक्शन जीत जाते हैं तो ये उनका दूसरा कार्यकाल होगा। इसके खत्म होते तक बाइडेन 86 साल के हो जाएंगे।

दोबारा चुनाव लड़ने का प्लान है : बाइडेन - 15 अप्रैल को आयरलैंड में एक रैली के दौरान बाइडेन ने दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में खड़े होने की ओर इशारा किया था। उन्होंने कहा था- दोबारा चुनाव लड़ने का प्लान है। वहीं, उनके सपोर्टर्स का कहना है कि बाइडेन को घोषणा करने की कोई जल्दबाजी नहीं है। ट्रम्प की पार्टी की तरह बाइडेन की पार्टी में उन्हें चैलेंज करने वाला कोई नेता नहीं है।

दरअसल, रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव लड़ने की घोषणा की। उनकी पार्टी के कई नेता उन्हें चैलेंज करने के लिए तैयार हैं। वहीं, उनके खिलाफ कई आरोप भी हैं, जो चुनाव में अड़चने पैदा कर सकते हैं। ट्रम्प पर फैमिली बिजनेस की धोखाधड़ी, यूएस कैपिटल पर हमले में उनका हाथ, 2020 के चुनाव को पलटने की कोशिश और मार-ए-लागो में डॉक्यूमेंट्स छिपाने के आरोप हैं। जिनकी जांच चल रही है। अगर वे दोषी पाए जाते हैं तो जीत के बावजूद उन्हें डिस्क्वॉलिफाई कर दिया जाएगा। 16 नवंबर को ट्रम्प ने की थी घोषणा, कहा था- मेरे चुनाव लड़ने से बहुत लोग खुश होंगे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में भारतीय छात्र की हत्याः आंध्रप्रदेश का रहने वाला था 24 साल का साईश वीरा, पोस्ट-ग्रेजुएशन के 10 दिन पहले हमलावर ने गोली मारी

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहायो में एक भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल हमले की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि यो मामला चोरी से जुड़ा हो सकता है।

आंध्रप्रदेश के इलुरु का रहने वाले 24 साल का साईश वीरा पढ़ाई के साथ गैस स्टेशन पर काम भी करता था। यहीं उसे गोली मार दी गई। साईश नवंबर 2021 में अमेरिका आया था। 10 दिन बाद उसका पोस्ट-ग्रेजुएशन पूरा होने वाला था। पुलिस ने बताया कि घटना 20 अप्रैल को ओहायो के कोलंबस शहर में हुई। एक अधिकारी ने कहा- हमें होपहर 12: 50 बजे (लोकल समय के मुताबिक) खबर मिली की एक गैस स्टेशन पर गोलीबारी हुई है। मौके पर पहुंचे तो देखा की एक 24 साल का एक भारतीय जमीन पर गिरा था। वो गंभीर रूप से घायल था। उसके शरीर पर गोली के निशान थे। उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया। लेकिन आधे घंटे बाद करीब 1: 27 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमलावर गोली मार कर वहां से भाग गया। पुलिस अधिकारी ने कहा- हम आरोपी की तलाश कर रहे हैं। घटनास्थल पर लगे कैमरे के फुटेज के आधार पर हम उसे ढूंढ रहे हैं। फिलहाल हमारे पास उसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन हमें लगता है कि वो हाल ही में हुई एक चोरी की घटना का संदिग्ध हो सकता है। या फिर हो सकता है कि आपसी विवाद के चलते ये हमला हुआ हो। हम कुछ कह नहीं सकते। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव से मिले एस जयशंकर, सूडान और यूक्रेन पर हुई गंभीर चर्चा

संयुक्त राष्ट । विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट किया कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव संयुक्त राष्ट्र प्रमुख से मिलकर अच्छा लगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ सूडान, जी20 प्रेसीडेंसी और यूक्रेन में मौजूदा घटनाक्रम पर चर्चा हुई। सूडान पर जोर था। भारत एक प्रारंभिक युद्धविराम की दिशा में प्रयासों का पुरजोर समर्थन करता है। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रहेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आगे कहा कि हमारी बैठक बहुत अच्छी रही, अधिकांश बैठक सूडान की स्थिति पर थी। हमने जी20, यूक्रेन आदि पर भी चर्चा की लेकिन हमारी अधिकांश चर्चा सूडान को लेकर हुई। सूडान में संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम स्थापित करने के प्रयास कर रहा है क्योंकि इस समय जब तक युद्धविराम नहीं होता तब तक लोगों के लिए निकलना सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम के लिए राजनयिक प्रक्रिया से किस तरह वांछित सफलता मिल सकती है इस पर हमारा फोकस है। इसके अलावा भारत को जी-20 की अध्यक्षता समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जयशंकर गयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिक गणराज्य की नौ दिवसीय यात्रा पर हैं। सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच जारी संघर्ष में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र ने ईद को देखते हुए देनों पक्षों से तीन दिन के युद्ध विराम की अपील की है।

घातक लू से 90प्रतिशत भारतीयों पर बीमारियों का खतरा, भारत सतत विकास लक्ष्य को हासिल करने में पिछड़ रहा

लंदन । ऐसे वक्त जब देश के कई हिस्से पहले ही बढ़ते तापमान की चपेट में हैं, घातक लू की वजह से करीब 90प्रतिशत भारतीयों पर रोगों, भोजन की कमी और मौत के खतरे बढ़े हैं। 2022 में भी जलवायु परिवर्तन के साथ लू ने काफी नुकसान पहुंचाया। इस वजह से भारत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को हासिल करने में भी पिछड़ रहा है। यह दावे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार को जारी अध्ययन में किए। इस अध्ययन में वर्ष 2001 से 2021 के दौरान एसडीजी हासिल करने के लिए भारत के प्रदर्शन और भीषण मौसम के हालात का साझा मूल्यांकन किया गया। सामने आया कि भारत 17 में से 11 लक्ष्य हासिल नहीं कर पा रहा है। भुखमरी खत्म करने, अच्छा स्वास्थ्य हासिल करने, लैंगिक समानता लाने, उचित कार्य व आर्थिक विकास, उद्योग-इनोवेशन-बुनियादी ढांचे, असमानता मिटाने और पर्यावरण संरक्षण जैसे लक्ष्यों में प्रगति धीमी हुई है। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले डॉ. रमित देबनाथ के अनुसार भारत जलवायु परिवर्तन के नुकसान के राष्टीय सूचकांक (सीवीआई) से हालात को आंकता है और निपटने की योजनाएं बनाता है।

रूसी फाइटर जेट ने अपने ही शहर पर बमबारी की

सड़क पर बना 65 फीट का गड्ढा, कई इमारतों को भारी नुकसान

बेलगोरोड।
रूस-यूक्रेन जंग के बीच रूस ने गलती से अपने ही शहर में बमबारी कर दी। यूक्रेन बॉर्डर पर बसे बेलगोरोड शहर के ऊपर से रूस का सुखोई 34 फाइटर जेट गुजर रहा था। तभी पायलट ने गलती से बम इजेक्ट कर दिया। हमले में 2 महिलाएं घायल हुई हैं वहीं कई बिल्डिंग्स को भारी नुकसान पहुंचा है। जिस जगह पर बम गिरा वहां 65 फीट का गड्ढा हो गया।

हमले की आवाज इतनी भयानक थी कि पूरा शहर जाग उठा। बेलगोरोड के गवर्नर ने आनन-फानन में इमरजेंसी लगा दी। घटना करीब 1 बजे की है। हालांकि, सुखोई से गिरा बम कौन सा था इसकी जानकारी नहीं मिली है। सरकार ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। सोशल मीडिया पर ब्लास्ट के बाद घटनास्थल की कई तस्वीरें सामने आई हैं।

यूक्रेन बॉर्डर से 40 किलोमीटर दूर है बेलगोरोड शहर

बेलगोरोड शहर यूक्रेन के बॉर्डर से सिर्फ 40 किमी की दूरी पर है। ये यूक्रेन के शहर खार्कीव के नॉर्थ में बसा है। यूक्रेन जाते वक्त रूसी जेट्स इस शहर के ऊपर से गुजरते हैं जिससे यहां के लोगों में डर का माहौल रहता है। बम ब्लास्ट के बाद लोग डरकर घरों से बाहर निकल आए। कई लोगों के घरों में दीवारें भी गिर गईं।

पिछले साल भी रूस के डिफेंस सिस्टम से हुआ था मिसफायर

इससे पहले 24 जून को भी रूसी सेना ने अपने ही एयर डिफेंस सिस्टम का निशाना बनाया था। लुहान्स्क में एक रूसी एयर डिफेंस मिसाइल लॉन्च के बाद हवा में 180 डिग्री घूम गई थी और करीब उसी जगह पर वापस टकरा गई जहां से उसे लॉन्च किया गया था। एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम स300 में गड़बड़ी की वजह से ये हादसा हुआ था। उस वक्त घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

रूस के लिए एसयू-34 फाइटर जेट अहम

एसयू-34 रूसी एयर फोर्स का मजबूत फाइटर जेट माना जाता है। इस फाइटर जेट का इस्तेमाल रूस ने सीरिया के खिलाफ जंग में भी किया था। यूक्रेन के खिलाफ भी ये बॉम्बर विमान अहम रोल निभा रहा है। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद रूस के 10प्रतिशत सुखोई लड़ाकू विमान क्रैश हो चुके हैं। करीब 6 महीने पहले भी सुखोई-34 एक रेसिडेंशियल बिल्डिंग से टकराकर क्रैश हो गया था। इस हादसे में 3 बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हुई थी। वहीं 19 लोग घायल हुए थे।

यूक्रेन में अमेरिकी मिसाइल एजीएम88बी से हुआ था मिसफायर

वहीं 26 सितंबर, 2022 को भी यूक्रेन में मौजूद अमेरिका की एजीएम88बी मिसाइल ने अपना टारगेट मिस कर दिया था। इसका मकसद रूस के रडार सिस्टम को तबाह करना था, लेकिन ये पूर्वी यूक्रेन के क्रमाटोर्स्क इलाके में जा गिरी थी जहां तीन लोग घायल हो गए थे। एजीएम88बी एक हाई स्पीड एंटी रेडिएशन मिसाइल है जो ग्राउंड टारगेट को तबाह करने के लिए दागी जाती है।

वर्जीनिया के स्कूलों में पढ़ाया जाएगा सिख धर्म, ऐसा करने वाला 17वां अमेरिकी राज्य बना

वाशिंगटन।
अमेरिका के वर्जीनिया में 10 लाख से अधिक छात्र अब सिख धर्म के बारे में अपनी स्कूली किताब से जानकारी हासिल कर सकेंगे। क्योंकि इस राज्य ने नए सामाजिक अध्ययन मानकों के पक्ष में मतदान किया। जिसके बाद पहली बार स्कूली पाठ्यक्रम में सिख धर्म को शामिल किया जाएगा।

इससे पहले यूटा और मिसिसिपी अपने सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम में सिख धर्म, सिख प्रथाओं और परंपराओं के बारे में जानकारी शामिल करने वाले अमेरिका के 15वें और 16वें राज्य बने थे। अमेरिका के वर्जीनिया राज्य शिक्षा बोर्ड ने सीखने के नए इतिहास और सामाजिक विज्ञान मानकों के पक्ष में मतदान किया। सिख समाज ने कहा कि इस पहल के बाद दस लाख से अधिक छात्रों को सिख समुदाय के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

17वां राज्य बना वर्जीनिया

वर्जीनिया अब उन अमेरिकी राज्यों की बढ़ती सूची में 17वें स्थान पर है, जिन्होंने अपने पब्लिक-स्कूल सामाजिक अध्ययन मानकों में सिखों के बारे में सटीक जानकारी शामिल करने के लिए सिख गठबंधन के साथ काम किया है। सिख गठबंधन के वरिष्ठ शिक्षा प्रबंधक हरमन सिंह ने कहा, स्थानीय संगत के साथ दो साल से अधिक समय तक काम करने के बाद, यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि सिखी को वर्जीनिया के राष्ट्रमंडल में कक्षाओं में पढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम न केवल सिख समुदाय के लिए, बल्कि उन सभी समूहों के लिए लड़ना जारी रखते हैं, जिनके इतिहास को सटीक रूप से पढ़ाया जाना चाहिए। सिख धर्म दुनिया के सबसे बड़े धर्मों में से एक है और समुदाय के सदस्यों ने नागरिक अधिकारों, राजनीति, कृषि, इंजीनियरिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में 125 वर्षों से अमेरिकी समाज में योगदान दिया है।

इमरान की पार्टी के इंस्टाग्राम हेड का अपहरण, अपदस्थ प्रधानमंत्री ने सैन्य प्रतिष्ठान पर लगाया आरोप

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत अधिकारियों ने इमरान खान की पार्टी पीटीआई के इंस्टाग्राम हेड का कथित तौर पर अपहरण कर लिया। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने खुफिया एजेंसियों और पुलिस के सहयोग से इन दिनों सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं, खासतौर पर पीटीआई के खइलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री खान ने ट्विटर पर दावा किया कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के इंस्टाग्राम हेड अताउर रहमान का फैसल टाउन लाहौर से अपहरण कर लिया गया है। हमारी सोशल मीडिया टीम के सदस्यों के लगातार अपहरण की निंदा करता हूं। अता पंद्रह साल से हमारे साथ हैं। ताकतवर लोग सभी कानूनों को तोड़ रहे हैं। खान ने ट्वीट कर उनकी रिहाई की मांग की। उन्होंने ट्वीट किया, बीती देर रात एक और अपहरण। इस बार पीटीआई के इंस्टाग्राम हेड अताउर रहमान का फैसल टाउन लाहौर लाहौर से अपहरण। हमारी सोशल मीडिया टीम के सदस्यों के लगातार अपहरण की कड़ी निंदा करता हूं। पिछले हफ्ते खुफिया एजेंसियों ने एक अन्य प्रमुख सोशल मीडिया कार्यकर्ता वकास अमजद को गिरफ्तार किया गया था, जिसे कथित तौर पर न्यायिक हिरासत में प्रताड़ित किया गया था। पिछले महीने, सोशल मीडिया पर खान के करीबी व्यक्ति अजहर मशवानी को भी अधिकारियों ने पकड़ा था। खान ने पार्टी के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के अपहरण का आरोप सैन्य प्रतिष्ठान पर लगाया है। उन्होंने अमजद की प्रताड़ना की निंदा करते हुए कहा, आज पाकिस्तान में जंगल का पूरा कानून है। खान ने अफसोस जताते हुए कहा, आदेश एक उच्च अधिकारी (प्रतिष्ठान) से आते हैं, ऐसा लगता है कि वह सभी कानूनों से ऊपर हैं और अपहरण पहले किए जाते हैं, फिर फर्जी एफआईआर दर्ज की जाती हैं।

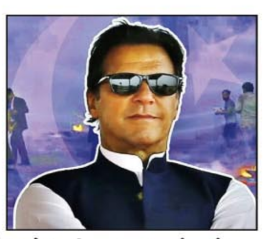

ईरान के सीक्रेट ड्रोन जखीरे की फोटो सामने आई: खुफिया बेस में मौजूद 200 ड्रोन, रूस-यूक्रेन जंग में इस्तेमाल होने की आशंका

तेहरान।
ईरान की सेना ने अपनी ताकत दिखाने के लिए मिसाइलों से लैस करीब 200 ड्रोन्स की फोटो जारी की है। ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने तेहरान के पास दुनिया के सबसे घातक ड्रोन्स होने का दावा भी किया। इसमें कहा गया कि ये ड्रोन्स एक खुफिया बेस में रखे गए हैं। हालांकि, बेस की लोकेशन कहां है, ये किसी को नहीं पता है।

अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इन ड्रोन्स का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन जंग में किया जा सकता है। यूक्रेन कई बार आरोप लगा चुका है कि रूसी सैनिक जंग में ईरानी हथियारों से हमला कर रहे हैं। हालांकि, ईरान इस बात से इनकार करता आ रहा है। वहीं, अमेरिका और यूरोपीय यूमियन ने ईरान के ड्रोन प्रोग्राम पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुतिन ने किया था ईरान का दौरा, यूएस ने कहा था- ईरान, रूस को हथियार बचना चाहता है 19 जुलाई 2022 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ईरान पहुंचे थे। ये उनकी पांचवी यात्रा थी। उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता अली खमनेई से मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने कहा था कि उनके इंटेलिजेंस नेटवर्क को पता चला है कि ईरान कई हजार ड्रोन रूस को बेचना चाहता है। इनमें कई हथियार लगे होंगे, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन की लड़ाई में किया जा सका है।

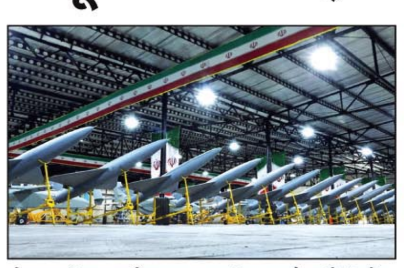

यूक्रेन पर ईरान के शाहीद-136 ड्रोन से हमला हुआ था

17 अक्टूबर 2022 को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर कामीकाजे ड्रोन से हमला किया था। ये ईरान में बने थे। हमले में इस्तेमाल किए गए कामीकाजे ड्रोन का नाम शाहीद-136 था। इस ड्रोन को ईरान का सबसे खतरनाक हथियार माना जाता है। यूक्रेन जंग में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के मकसद से रूसी सेना ईरानी ड्रोन से हमले कर रही है। इस ईरानी ड्रोन को सुसाइड ड्रोन भी कहा जाता है। इसका वजन 200 किलोग्राम है। इस ड्रोन की रेंज 2500 किलोमीटर है। ईरानी ड्रोन शाहीद-136 का निशाना अचूक है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरानी ड्रोन के जरिए रूस, यूक्रेनी रडार सिस्टम को निशाना बना रहा है।

यूएस बोला- ईरानी सैनिक रूसी सेना को कामीकाजे ड्रोन चलाना सिखा रहे

17 अक्टूबर 2022 को हुए हमले को लेकर अमेरिका का कहना था कि क्रीमिया में ईरानी सैनिक रूस के सैनिकों को जंग लड़ने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा था- ईरानी सैनिकों को रूसी बलों की मदद के लिए क्रीमिया भेजा गया। वो रूसी सैनिकों को ड्रोन चलाना सिखा रहे हैं। इसके बादे से यूक्रेन पर हमले तेज हुए।

अमेरिका ने भारत को सराहा, कहा-

यूक्रेन मसले पर हम एकमत नहीं, फिर भी हमारे रिश्ते मजबूत हुए

वाशिंगटन ।
एक साल से चल रहा रूस यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में अमेरिका ने रूस से युद्ध को रोकने की अपील की है। साथ ही भारत से भी आग्रह किया कि वह रूसी राष्ट्रपति को युद्ध से पीछे हटने को कहें। हालांकि बाइडन प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया है कि इस युद्ध का अमेरिका-भारत के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

युद्ध पर समान दृष्टिकोण नहीं

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक सचिव डोनाल्ड लू ने कहा कि रूस-युक्रेन युद्ध ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को तोड़ने के बजाय वास्तव में मजबूत किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह सच है कि हमने हमेशा यूक्रेन में रूस के युद्ध के लिए समान दृष्टिकोण साझा नहीं किया है। लेकिन हम इस बात को साझा करते हैं कि यह युद्ध जल्द से जल्द समाप्त होना चाहिए।

बातचीत ही एकमात्र रास्ता

डोनाल्ड लू ने कहा कि रूस के साथ भारत के लंबे समय से संबंध हैं। इसलिए भारत से आग्रह है कि वह व्लादिमीर पुतिन से अपने युद्ध को समाप्त करने और यूक्रेनी क्षेत्र से हटने पर बात करें। उन्होंने आगे कहा कि हम भारत से सहमत हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान बातचीत से निकाला जा सकता है।

पीएम मोदी की टिप्पणियां अहम

उन्होंने कहा कि भारत ने यूक्रेन में मानवीय सहायता प्रदान की है। इसका हम स्वागत करते हैं। साथ ही बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में वार्ता और कूटनीति के आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध के पहले दिनों से भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच निरंतर बातचीत हुई है। यह सहयोग जारी रहेगा। हमें उम्मीद है कि भारत इस युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ अपने संबंधों और अपने प्रभाव का उपयोग कर सकता है।

हमारे संबंध और मजबूत हुए

लू ने आगे कहा कि हमें पता है कि हमारा एक मत नहीं है युक्रेन युद्ध को लेकर, लेकिन हमने शुरू से ही एक दूसरे से बात करके समाधान निकाला है। शायद भारत ने महसूस किया होगा कि हमने किस तरह उनके बच्चों को बाहर निकलवाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि यूक्रेनी युद्ध ने हमारे संबंधों को तोड़ा नहीं, बल्कि हमारे संबंधों को मजबूत किया है।

प्रिंस विलियम ने भारतीय रेस्त्रां में फोन पर की ग्राहक से बात, उनके लिए टेबल की बुकिंग भी की

बर्मिंघम । ब्रिटेन के प्रिंस विलियम ने शाही यात्रा के दौरान एक अनजान ग्राहक से फोन पर बात की। वाकया बर्मिंघम के एक भारतीय रेस्त्रां का है। यहां उन्होंने एक अनजान ग्राहक का फोन रिसीव किया और टेबल बुकिंग के लिए बात की। यह रेस्त्रां एक परिवार के लोग मिलकर चलाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भविष्य के ब्रिटेन के राजा, उनकी पत्नी केट मध्य इंग्लैंड में बर्मिंघम की अपनी यात्रा के दौरान एक परिवार की ओर संचालित भारतीय स्ट्रीटरी पहुंचे थे। इस दौरान रेस्त्रां में एक फोन आया। फोन करने वाले ग्राहक को दो लोगों के लिए टेबल बुक करनी थी। बताया जा रहा है कि फोन पर बात करने के बाद प्रिंस विलियम ने रेस्त्रों मालिकों से बात की और बुकिंग की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने टेबल खाली होने की स्थिति को लेकर भी चर्चा की। ग्राहक को एक ट्रेन भी पकड़नी थी, ऐसे में उनके समय के मुताबिक बुकिंग की व्यवस्था के लिए प्रिंस ने रेस्त्रां की बुकिंग लिस्ट को चेक किया। प्रिंस ने बातचीत समाप्त करते हुए पूछा कि बुकिंग किसके नाम पर करनी है सवा दो बजे मिलते हैं। रोचक यह भी रहा कि ग्राहक को पता ही नहीं चला कि फोन पर उनकी प्रिंस विलियम से बात हो रही है। उन्होंने फोन करने वाले को अपना नाम तक नहीं बताया। इसके बाद विलियम के कार्यालय ने ट्विटर पर कहा कि उम्मीद है कि हमने इस ग्राहक को सही जगह पर आने पहुंचने में मदद की...! बताया जा रहा है कि प्रिंस ने रेस्त्रां की रसोई में व्यंजन तैयार करने में भी स्टाफ की मदद की।

सैन्य वाहन पर आतंकी हमले की एनआईए ने शुरू की जांच

पुंछ (हिंस)। जम्मू-पुंछ राजमार्ग पर संगयोट क्षेत्र में गुरुवार को सैन्य वाहन पर हुए आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुरू कर दी है। शुक्रवार को टीम ने पूरे घटनास्थल का दौरा किया और सबूत जुटाए। इस आतंकी हमले में पांच सैनिक शहीद हुए हैं तथा एक अन्य घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजौरी-पुंछ राजमार्ग पर संगयोट इलाके में गुरुवार को आतंकी हमले में पांच जवानों के शहीद होने के बाद आज आतंकवादियों की धर- पकड़ के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया है। आतंकियों की तलाश में ड्रोन से भी मदद ली जा रही है। घटनास्थल के आसपास इलाकों में चल रहे अभियानों में सेना तथा पुलिस के उच्च अधिकारी भी मौजूद हैं। हमले के दूसरे दिन आज मौके पर एनआईए की टीम पहुंची और घटनास्थल की जांच की। सेना ने हमलावरों का पता लगाने के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों को लगाया है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों को राजौरी-पुंछ सेक्टर में उस इलाके के पास दो समूहों में सक्रिय 6-7 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली है, जहां कल घटना हुई थी।

भारतीय सेना ने ड्रोन और निगरानी हेलीकाप्टरों के साथ कई विशेष बल टीमों को लांच किया है, जो संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि सेना, पुलिस और खुफिया एजेंसियों सहित सुरक्षा बल अभियान का समन्वय कर रहे हैं। आतंकियों के लश्कर के होने और पाकिस्तान के होने का संदेह है। क्षेत्र में उनके प्रवेश के मार्ग के बारे में अधिक जानकारी का पता लगाया जा रहा है। उस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खोज की जा रही है जहां कई गुफा-प्रकार की प्राकृतिक संरचनाएं मौजूद हैं।

सीएम मान ने पंजाब के चार जवानों के बलिदान को किया नमन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में शहीद पंजाब के चार जवानों को नमन करते हुए शोक व्यक्त किया है। पंजाब के चार शहीद जवानों में जिला गुरदासपुर की तहसील बटाला के गांव तलवंडी भरथ का सिपाही हरकृष्ण सिंह, लुधियाना की तहसील पायल के गांव चनकोइयां कैकन का हवलदार मनदीप सिंह, मोगा के गांव चड़कि का लांस नायक कुलवंत सिंह और बठिंडा के गांव बाघा का सिपाही सेवक सिंह शामिल है। मुख्यमंत्री मान ने शोक संदेश में कहा कि शहीद वालों में राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शामिल हैं। इनमें से चार जवान पंजाब के थे। आतंकी हमले में बलिदान देने वाले सरहद के रखवाले अमर रहें। परिवारों को वाहेगुरु यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। प्रणाम शहीदों को।

भगवान राम पर कांग्रेस नेता के आपत्तिजनक बोल, एफआईआर दर्ज

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं राज्य विमुक्त घुमंतू बोर्ड (डीएनटी) के उपाध्यक्ष चतराराम देशबंधु ने भगवान राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन क्षेत्र में 18 अप्रैल को एक कार्यक्रम में उन्होंने यह विवादित बयान दिया है। तीन दिन बाद विवादित सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है। चतराराम के खिलाफ पुलिस थाने में भी परिवाद दर्ज हुए हैं। कपासन थाना क्षेत्र में आने वाले मेवदा कॉलोनी गांव में 18 अप्रैल को भातु कंजर समाज की महापंचायत हुई थी। यह महापंचायत मेवदा कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की हत्या के मामले में बुलाई गई थी। इसमें डीएनटी के उपाध्यक्ष चतराराम देशबंधु भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि *लोग बोलते हैं, मर्यादा पुरुषोतम श्री राम की जय....* मैं तो बोलता हूं कि राम से घटिया आदमी दुनिया में कोई पैदा ही नहीं हुआ। अपनी लुगाई के साथ 14 साल वनवास में धक्के खाए। उसने पांच मिनट में अपने घर से निकाल दिया कि ये तेरे पेट में पुत्र किसका है, उसको कैसे हम मर्यादा पुरुषोत्तम कहेंगे यार ... कायदे की बात है रंग नंबर है तो *पीके* बनना *पड़ेगा*। इधर, चतराराम की विवादित टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद लोगों में खासा आक्रोश दिख रहा है। गुरुवार को कपासन के राधेश्याम वैष्णव ने थाने में शिकायत देकर देशबंधु के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि उपाध्यक्ष चतराराम के बयानों ने मुझे आहत किया है, जिसके लिए उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राधेश्याम ने प्रशासन को चेतावनी भी दी कि अगर शुक्रवार तक मामला दर्ज नहीं होता, तो वह हिंदू समाज के एक साथ प्रदर्शन करेंगे। कपासन सीआई गजेंद्रसिंह ने कहा कि राधेश्याम वैष्णव की शिकायत पर फिलहाल हम वीडियो देख कर जांच कर रहे हैं। नियम के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। इधर, कपासन के भाजपा विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने भी इस बयान पर चतराराम देशबंधु के खिलाफ ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई है। इसकी एक कॉपी डीआईजी और एसपी को भी ई-मेल से भेजी है। एमएलए ने मांग की है कि मुकदमा दर्ज करके कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

पानी की समस्या से परेशान महिलाएं पहुंचीं कलेक्ट्रेट

अलवर (हिंस)। कालीमोरी हीरावास कॉलोनी में पानी की समस्या से परेशान महिलाएं शुक्रवार को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंची। जहां पर महिलाओं ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिटी को पानी की समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। स्थानीय महिलाओ ने बताया कि पिछले काफी समय से क्षेत्र में पानी की समस्या है और जलदाय विभाग के अधिकारियों द्वारा भी इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बोरिंग भी खराब है। गरीबों की संख्या अधिक होने के चलते रोजाना टैंकरों से पानी मंगवाना संभव नहीं है। महिलाओं और बच्चों का सारा समय दूसरे वार्ड से पानी लाने में गुजर जाता है। क्षेत्र के लोगों द्वारा पानी की समस्या के निस्तारण के लिए हर संभव प्रयास किए गए, लेकिन जलदाय विभाग की खराब तकनीक व खराब कार्यशैली के चलते पानी की समस्या का निष्पादन नहीं हो पा रहा। इसलिए एडीएम सिटी को पानी की समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

बिजली सप्लाई बंद हुई तो ग्रामीणों ने कर्मचारी को पीटा

कैथल (हिंस)। गांव-कठवाड़ में बिजली सप्लाई चालू न होने से खफा लोगों ने बिजली कर्मचारी को पीट दिया। बिजली सप्लाई बंद होने से नाराज लोगों ने सब स्टेशन के बाहर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सदर थाना पुलिस में दी गई शिकायत में एसडीओ नितिन ने बताया कि 33 केवी सब स्टेशन पर 18 अप्रैल को रात के समय विकास कुमार कार्यरत था। उस समय कुछ ग्रामीण आए और बंद की गई बिजली को चलाने के लिए कहा। उसने कहा कि ऊपर से बिजली बंद है और मैसेज आते ही वह चला देगा। ग्रामीण बिजली तुरंत चलाने पर अड़े रहे, परंतु बिजली कर्मी ने उनकी बात नहीं मानी। शिकायत के अनुसार इसके बाद ग्रामीण उससे मारपीट करने लगे। वह वहां से किसी तरीके से अपनी जान बचाकर भागा। एसडीओ ने बताया कि मारपीट में सतपाल, निर्मल और जैल सिंह सहित अन्य शामिल थे।

पंजाब में राष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयारी के लिए मिलेगा 16 हजार मासिक वजीफा : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले 147 खिलाड़ियों की समर्पित भावना और वचनबद्धता का सम्मान करते हुए इन खिलाड़ियों को 5.43 करोड़ की नकद राशि से सम्मानित किया। उन्होंने राष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयारी के लिए 16 हजार रुपए मासिक वजीफे की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पंजाब पहला राज्य बन गया जिसने राष्ट्रीय खेल के विजेताओं को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल के स्वर्ण पदक विजेताओं को पांच-पांच लाख रुपए, रजत पदक विजेताओं को तीन-तीन लाख रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को दो-दो लाख रुपए से सम्मानित किया गया है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में खेल को काफी प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य का नाम रौशन करने के लिए सभी खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों को मान्यता देना हमारी सरकार का यह एक विनम्र प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा पहले ही ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। भगवंत मान ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को खेल में उपलब्धियां हासिल करने के लिए उत्साहित करने और नौजवानों को नशे की दलदल में से निकालने के लिए राज्य के खिलाड़ियों को नकद इनामों से सम्मानित किया जा रहा है। *ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर क्रीड़ा स्कीम* के अंतर्गत खिलाड़ियों को 16,000 रुपए महीना वजीफा देने का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नौजवान खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा उठाने के लिए राज्य सरकार ने यह बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने दु:ख जाहिर किया कि पहले माता-पिता नहीं थे चाहते कि उनके बच्चे खेल में हिस्सा लें परंतु अब यह पहल निर्णायक बदलाव लाएगी। भगवंत मान ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य पंजाब को खेल के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के तौर पर उभारना है। खेल को अनदेखा करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरुखे रवैए के कारण खेल में कई दिग्गज खिलाड़ी पैदा करने वाला राज्य खेल के क्षेत्र में पिछड़ गया। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा खेल की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है और गांवों में जल्द ही विश्व स्तरीय खेल स्टेडियम बनाए जाएंगे जिससे ग्रामीण लोगों की उभरती प्रतिभा को निखारा जा सके जिससे नौजवान नशे की बीमारी से दूर रह सकें।

ब्लैकमेलिंग के आरोप में आप विधायक के पिता गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जलालाबाद के विधायक गोल्डी कंबोज के पिता सुरिंदर कंबोज को ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। विधायक के पिता व चार अन्य के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार प्रॉपर्टी डीलर सुनील कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि रानू बाई नाम की महिला उसके पास मकान दिखाने आई थी। उसी दिन शाम को उनके पास रानू बाई का फोन आया कि उनके घरवालों को शक है कि हम दोनों का अफेयर चल रहा है। डीलर ने कहा कि उसके बाद मुझे उनके घर से फोन आने लगे और उन्होंने उनके साथ रेप किया। डीलर बताया कि इसके बाद विधायक गोल्डी कांबोज के पिता सुरिंदर कांबोज का भी फोन आया कि वह यहां आकर समझौता कर ले और दस लाख रुपए की मांग भी की गई।

अपनी मांगों को लेकर सरपंच संघ का प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। जिला सरपंच संघ द्वारा जिला परिषद के बाहर अपनी मांगी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही जिला प्रशासन को सरकार के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष अशोक यादव ने बताया पिछले 3 वर्षों से सरपंच संघ अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रयासरत है। इसके लिए कई बार आंदोलन व महापड़ाव भी किए लेकिन सरकार द्वारा कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। सरपंच संघ की मुख्य 8 मांग जिनमें 73वें संविधान संशोधन को लागू करने, ईंटेंडरिंग प्रथा को खत्म करने, सरपंच कल्याण कोष की स्थापना, हरियाणा सरकार की तर्ज पर पेंशन, खाद सुरक्षा योजना में चयनित परिवारों के लिए नए सदस्यों के नाम जोड़ने हेतु पोर्टल शुरू किया जाए। इन सभी सहित अन्य कई मांगों को लेकर जिला कलेक्टर कार्यकारी जिला परिषद सीईओ को सीएम अशोक गहलोत एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज्यमंत्री रमेश चंद मीणा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान संघ से जुड़े अनेक लोग मौजूद रहे।

रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी भारी पड़ेगी सरकार को : राजपाल नैन

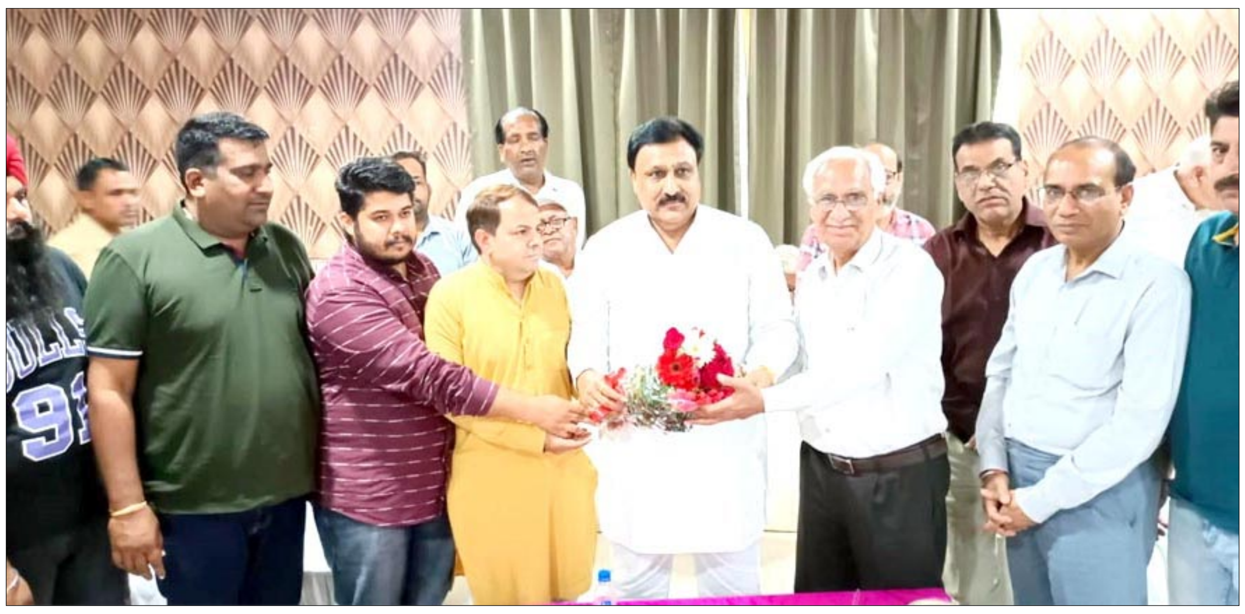

हिसार (हिंस)। रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों के हल के लिए सेवानिवृत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के समक्ष मंडल स्तरीय रोष प्रदर्शन करके धरना दिया। धरने में मंडल के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा व जींद जिला के रिटायर्ड कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। धरना की अध्यक्षता संयुक्त रूप से राजपाल नैन, महेंद्र स्याहड़वा, ओमप्रकाश सैनी व राजेंद्र ने की जबकि सेवानिवृत तहसीलदार नरेश गोयल व सुरेंद्र सैनी ने संचालन किया। धरना को संबोधित करते हुए संघर्ष समिति के जिला संयोजक राजपाल नैन व समिति के वरिष्ठ सदस्य एमएल सहगल ने कहा कि हरियाणा सरकार रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। इसी का परिणाम है कि सरकार ने अभी तक मांगों पर बातचीत के लिए सेवानिवृत कर्मचारियों को आमंत्रित तक नहीं किया है, जो बड़े खेद की बात है। उन्होंने कहा कि कहने को तो सरकार वरिष्ठ नागरिकों एवं पैंशनर्ज को सुविधाएं देने का ढिंढोरा पिटती है लेकिन हकीकत में कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता को देखते हुस संयुक्त संघर्ष समिति ने सर्वसम्मति से गत 24 फरवरी के जिला मुख्यालयों के सफल धरना प्रदर्शन के बाद अब मंडल स्तर पर सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। जिसका आगाज आज हिसार से किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद 24 मई को रोहतक, 9 अगस्त को गुरुग्राम, 22 सितंबर को अम्बाला व 27 अक्तूबर को करनाल में मंडल स्तर पर धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि इसके बाद भी सरकार ने मांगों को पूरा नहीं किया तो संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में रिटायर्ड कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों द्वारा अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा कर दी जाएगी। समिति के जिला संयोजक राजपाल नैन ने इस अवसर पर सेवानिवृत कर्मचारियों की मांगों का विस्तार से जिक्र करते हुए सरकार से इन मांगों को पूरा करने की मांग की। धरना को सेवानिवृत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के राज्य संयोजक जरनैल सिंह सांगवान, किताब सिंह भानवाला व देवराज नांदल ने भी संबोधित किया और कहा कि सरकार को इस धरना से आंदोलन की गंभीरता को समझ लेना चाहिए।

पुलिस विभाग में 500 मोबाइल यूनिट्स का होगा गठन

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस विभाग के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में 108 एम्बुलेंस की तर्ज पर 500 नवीन मोबाइल यूनिट्स के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इन मोबाइल यूनिट्स को अभय कमांड सेंटर (डायल 100/ डायल 112) से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक यूनिट में 1 हैड कांस्टेबल और 2 कांस्टेबल होंगे। इन यूनिट्स के गठन के लिए 500 वाहन सर्विस मॉडल पर लिया जाना प्रस्तावित है। जिनके संचालन पर वर्ष 2023-24 में लगभग 60 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के बजट में पुलिस मोबाइल यूनिट्स के गठन की घोषणा की थी। इस निर्णय से पुलिस की दक्षता और कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा आमजन की समस्याओं के निराकरण में सुगमता होगी। इन मोबाइल यूनिट्स के गठन से पुलिस पैट्रोलिंग बढ़ने के साथ ही आपराधिक घटनाओं में कमी आएगी।

छह शुभ संयोग में आज मनेगी अक्षय तृतीया

जयपुर (हिंस)। अक्षय तृतीया का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार इस दिन किया गया जप, तप, ज्ञान, स्नान, दान, होम आदि अक्षय रहते है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार अक्षय तृतीया पर पांच साल बाद कृतिका नक्षत्र का संयोग बनने के साथ आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, त्रिपुष्कर योग, सर्वार्थसिद्धि, अमृत सिद्धि योग और रवि योग समेत छह शुभ योग भी बन रहे हैं। जिनमें मांगलिक कार्य एवं खरीदारी करना बेहद शुभ रहता है। इस दिन मंदिरों में भगवान विष्णु का अभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। वहीं ठाकुरजी को भीगी हुई चने की दाल, कमल ककड़ी और मिश्री का भोग लगाया जाएगा। शहर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में ठाकुरजी का शृंगार कर झांकी सजाकर भोग लगाया जाएगा। पानी का दरीबा स्थित सरस निकुंज में पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण के सान्निध्य में राधा सरस जू सरकार का ऋतु पुष्पों से शृंगार कर चंदन का लेप किया किया जाएगा और शीतल व्यंजनों को भोग लगाया जाएगा। इस दिन ठाकुरजी को खरबूजा, पंखी, ऋतु फल चढ़ाए जाएंगे।

सनातन राष्ट्र भारत संगोष्ठी आज, सुविख्यात अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन होंगे मुख्य वक्ता

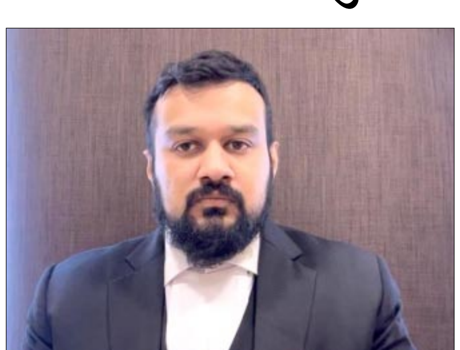

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर में *राष्ट्र मंथन* संस्था की ओर से शनिवार 22 अप्रैल को *सनातन राष्ट्र भारत: चुनौतियां एवं समाधान* विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसके मुख्य वक्ता उच्चतम न्यायालय के विख्यात अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन होंगे। राष्ट्र मंथन के संयोजक एडवोकेट रमन कुमार सूद ने बताया कि टाउन हॉल के सुखाड़िया रंगमंच पर होने वाली इस संगोष्ठी में शहर के प्रबुद्धजन शामिल होंगे। सूद ने बताया कि एडवोकेट जैन अयोध्या में राममंदिर और काशी विश्वनाथ प्रकरण में उच्चतम न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों में हिंदू पक्षकारों के अधिवक्ता रहे हैं। इनके पिता हरिशंकर जैन हैं और पिता-पुत्र की जोड़ी विख्यात है। विष्णु शंकर जैन विगत दिनों में काशी विश्वनाथ प्रकरण में संबंधित न्यायालय में हिंदू पक्ष अत्यंत मजबूती के साथ रखने के साथ टीवी डिबेट्स में भी पूर्णतः शांत रहते हुए अपने विधिक ज्ञान और अकाट्य तर्कों से विपक्षियों की बोलती बंद कर देने की योग्यता प्रदर्शन से बहुत लोकप्रिय हुए हैं। सूद ने बताया कि *राष्ट्र मंथन* उदयपुर के प्रबुद्ध वर्ग के विचारशील व्यक्तियों का एक मंच है, जो ज्वलंत विषयों पर चिंतन मंथन कर संबंधित सरकारों को अपने सुझाव इस दृष्टि से प्रेषित करता है कि वे अपने नीति विषयक मामलों में उसे सम्मिलित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रवींद्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला न्यायाधीश हिमांशु राय नागौरी होंगे। अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एनके सिंह राठौड़ करेंगे।

जल-समस्या निवारण के लिए पचास गांवों से निकली जलयात्रा

श्रीमाधोपुर/जयपुर (हिंस)। सुजलाम संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर योगेश यादव की पहल पर 12 अप्रैल से जारी जलयात्रा का श्रीमाधोपुर में विशाल मौन यात्रा के साथ समापन किया गया। यहां आयोजित कार्यक्रम में महामंडलेश्वर ओमकार दास महाराज ने जल यात्रा की संयोजक कविता यादव को तिरंगा ध्वज सौंपकर विशाल मौन यात्रा को रवाना किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगेश यादव ने कहा कि सिंचाई के अभाव में हमारे खेत बंजर हो रहे हैं। गांव ढाणी से लोग पलायन कर रहे हैं। श्रीमाधोपुर शहर में 8 दिन में एक बार पानी आता है। अजीतगढ़ में पानी का संकट खड़ा हो रहा है। गांव गांव में पानी की किल्लत से जनता परेशान है। सिंचाई के अभाव में पढ़ाई और दवाई का भी अभाव होगा। यात्रा संयोजिका डॉ. कविता यादव ने जलयात्रा के समापन पर कहा कि पानी की समस्या से हमारी मां और बहनों को तकलीफ भोगनी पड़ती है। पानी के लिए इंतजार करना पड़ता है। यात्रा में लगभग 50 हजार नागरिकों ने हस्ताक्षर कर सरकार से श्रीमाधोपुर के लिए नहर की भी मांग की।

सुजलाम संस्थान ने कुंभाराम लिफ्ट पेयजल परियोजना के तहत श्रीमाधोपुर विधान सभा क्षेत्र में नहर लाने की मांग तथा जल संरक्षण के उद्देश्य को लेकर गांव गांव ढाणी ढाणी पैदल मार्च कर जलयात्रा निकालकर जल यात्रा निकाली। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रांत प्रचार प्रमुख विवेकानंद शर्मा भी इस यात्रा के साथ रहे। उन्होंने बताया कि 8 दिन तक 50 गांवो में जाकर ग्रामीणों के साथ जल चौपाल आयोजित की गई। जल चौपाल के अंतर्गत वर्षा जल संग्रहण, फार्म पॉन्ड बनाना तथा भूजल स्तर के सुधार के लिए सार्थक चर्चा हुई। विवेकानंद शर्मा ने कहा कि सरकारें अपना काम अपने हिसाब से करेंगी, लेकिन आमजन को जल संरक्षण के लिए अपनी भूमिका निभानी जरूरी है। क्षेत्र वासियों ने संस्थान के निदेशक डा. योगेश यादव, डाक्टर कविता यादव, पर्यावरण गतिविधि के प्रांतीय प्रचार प्रमुख विवेकानंद शर्मा और जलयात्रा के प्रवक्ता दिनेश गोविंद शर्मा का नागरिक अभिनंदन किया। प्रवक्ता दिनेश गोविंद शर्मा ने कहा कि नहर से क्षेत्र को पानी उपलब्ध करवाना सरकारों का कर्तव्य है। जलयात्रा में क्षेत्र के दो नगर पालिका एवं पचास से अधिक राजस्व गांव ढाणी के महिला पुरुष प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वैज्ञानिक सीताराम सैनी, पूर्व प्रधान मक्खन लाल शर्मा, शिक्षाविद शिव कुमार जोशी, दिलीप शर्मा राष्ट्रवादी, सूरजमल फौजी, बृजेंद्र नायन का जोशी, अग्रवाल समाज के जुगल चौधरी, रामावतार सोनी, राजेंद्र हरभजनका, हरीश जीनगर, राजू बागवान, मुकेश सैनी, रामकिशोर सैनी, हेमंत सोनी, महेश ढाणी वाला, पवन गोठवाल, मुकेश शर्मा और नवीन चौधरी उपस्थित रहे। जनता के नहर लाने के लिए ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर का संकल्प पत्र शीघ्र ही राष्ट्रपति महोदय एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को सौंपे जाने का कार्यक्रम तय होगा। एक शिष्ट मंडल दिल्ली जाकर ज्ञापन सौंपेगा।

अक्षय तृतीया पर 20 फीसदी घट सकती है सोने की बिक्री, पड़ेगा गहनों की खरीद पर असर

नई दिल्ली।

सोने की कीमतों में पिछले चार महीनों में आए उछाल की वजह से अक्षय तृतीया पर गहनों की मांग में कमी आ सकती है। आभूषण विक्रेताओं ने इस बार अक्षय तृतीया पर बिक्री में 20 फीसदी तक गिरावट आने की आशंका जताई है। दरअसल, देश के अधिकांश हिस्सों में सोना इस समय 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर मिल रहा है। ऐसे में बहुत जरूरी होने पर ही सोने के गहनों एवं सिक्कों की खरीद के लिए शुभ माने जाने वाले अक्षय तृतीया पर लोग महंगे आभूषण खरीदेंगे। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा कि सोने के 60,000 रुपये के स्तर पर पहुंचने से ग्राहकों का बड़ा वर्ग आशंकित है। हालांकि, कुछ दिन से कीमतों में थोड़ी गिरावट आई है। इसके बावजूद दाम अब भी ऊंचे हैं। इससे अक्षय तृतीया पर होने वाली बिक्री प्रभावित होगी। हमारा अनुमान है कि बिक्री पिछले साल की तुलना में 20 फीसदी घट सकती है। वहीं, जीजेसी के पूर्व चेयरमैन एवं एनएसी ज्वेलर्स (चेन्नई) के प्रबंध निदेशक अनंत पद्मनाभन ने कहा कि महंगे सोने की मार अक्षय तृतीया पर आने वाली मांग को कम कर सकती है। हालांकि, बिक्री पर इसका असर सिर्फ 10 फीसदी ही पड़ेगा।

सोना 440 रुपये महंगा होकर 60 हजार पार, चांदी 850 रुपये महंगी – वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में उछाल से बृहस्पतिवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 440 रुपये महंगा होकर 60,000 के पार पहुंच गया और 60,340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 850 रुपये महंगी होकर 75,450 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 59,900 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) सौमिल गांधी ने कहा कि एशियाई कारोबारी घंटों में सोना और चांदी कॉमेक्स पर तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,996 डॉलर प्रति औंस रहा। चांदी 25.16 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर रही।

न्यूज ब्रीफ

धोखाधड़ी मामले में चीन के कारोबारी गुओ वेनगुई को नहीं मिली जमानत, कोर्ट ने बताया ये कारण

नई दिल्ली । न्यूयॉर्क के एक संघीय न्यायाधीश ने धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों में चीनी अरबपति गुओ वेनगुई को जमानत देने से इनकार कर दिया। निर्वासित व्यवसायी और बीजिंग के मुखर आलोचक को पिछले महीने अमेरिका की ओर से धोखाधड़ी का आरोप लगाए जाने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। गुओ ने 2014 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के तहत भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई के दौरान चीन छोड़ दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैनहट्टन पेंटहाउस से बीजिंग पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाले गुओ को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था और उन पर एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। गुओ और उनके वित्तीय सलाहकार किन मिंग जे पर हजारों पीड़ितों को धोखा देने की साजिश रचने का आरोप है। अभियोग के अनुसार, दोनों ने कथित तौर पर 30 करोड़ डॉलर से अधिक की राशि का इस्तेमाल खुद को और अपने परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए किया। रिपोर्ट के अनुसार, गुओ ने हालांकि खुद को निर्दोष बताया है और 24 घंटे गार्ड रखने का प्रस्ताव दिया है और उन्हें अपनी पत्नी के कनेक्टिकट स्थित घर में जीपीएस निगरानी के साथ हिरासत में रखा गया है। न्यायाधीश ने अपने प्रस्तावित जमानत पैकेज को अपर्याप्त बताया, यह देखते हुए कि उन्होंने दिवालियापन के लिए आवेदन किया है और उनके पास भागने के साधन और जानकारी है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी जिला न्यायाधीश अनालिसा टोरेस ने कहा कि अभियोजकों ने इस बात की अधिक संभावना दिखाई है कि गुओ वेंगुई के भागने का गंभीर खतरा था, और स्पष्ट और ठोस सबूतों से पता चला कि अगर उसे रिहा किया गया तो वह समुदाय के लिए आर्थिक नुकसान का खतरा पैदा करेगा।

महंगाईके खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं, आरबीआईगवर्नर बोले- मौद्रिक नीति को लेकर उठाएगएकदमों पर करीबी नजर

मुंबई । आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि महंगाई के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुईहै। पिछले एक साल में मौद्रिक नीति को लेकर जो कदम उठाए गए हैं, उसका असर अब भी जारी है। उस पर करीब से नजर बनाए रखने की आवश्यकता है। बृहस्पतिवार को जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के ब्योरे में दास ने कहा कि भले ही रेपो दर में वृद्धि नहीं की गई है, लेकिन महंगाई के खिलाफ जारी युद्ध अभी जीता नहीं गया है। ब्योरे के अनुसार, एमपीसी की तीन से छह अप्रैल को हुई बैठक में दास ने कहा, 2023-24 में महंगाई में नरमी का अनुमान है। लेकिन, इसके लक्ष्य के दायरे में आने की अवधि धीमी व लंबी हो सकती है।

जीएसटी चोरी दोगुना होकर 1.01 लाख करोड़, वसूली 21000 करोड़

नई दिल्ली। तमाम प्रयासों के बावजूद जीएसटी चोरी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष

2022-23 में जीएसटी चोरी करीब दोगुना होकर 1.01 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। इस दौरान कर चोरी करने वाले कारोबारियों से सिर्फ 21,000 करोड़ रुपये की ही वसूली की गई। 2021-22 में कर अधिकारियों ने 54,000 करोड़ की जीएसटी चोरी का पता लगाया था और 21,000 करोड़ रुपये की वसूली की थी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि 2022-23 में 1,01,300 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया गया है, जो पिछले साल की तुलना में करीब दोगुना है। जीएसटी चुकाने से बचने की कोशिश को जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) के अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर नाकाम किया। सरकार की ओर से अनुपालन बढ़ाने के प्रयासों के साथ आंकड़ों के विश्लेषण और अधिकारियों की तत्परता से कारोबारियों से अच्छी वसूली की गई। 2022-23 में कर चोरी के 14,000 मामले दर्ज किए गए। 2021-22 में 12,574 और 2020-21 में 12,596 मामले दर्ज किए गए थे। कारोबारियों ने कार्यप्रणाली में कर योग्य वस्तुओं और सेवाओं का मूल्यांकन घटाकर कम कर के भुगतान की रणनीति अपनाई थी।

सबसे ताकतवर रॉकेट में लॉन्चिंग के 4 मिनट बाद विस्फोट

30 किमी. ऊपर स्टारशिप टुकड़ों में बंटा, लेकिन इसका उड़ान भरना ही बड़ी कामयाबी

वॉशिंगटन।

दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट लिफ्ट ऑफ के 4 मिनट बाद गल्फ ऑफ मैक्सिको के 30 किलोमीटर ऊपर एक्सप्लोड हो गया। इसे शाम करीब 7 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था। ये स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट था।

स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। स्पेसएक्स ने कहा- स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रैपिड अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरिएंस की। इस तरह के एक टेस्ट के साथ, हम जो सीखते हैं उससे सफलता मिलती है। आज का टेस्ट हमें स्टारशिप की रिलायबिलिटी में सुधार करने में मदद करेगा।

एलन मस्क ने टीम को इस लॉन्च पर बधाई दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, स्टारशिप के एक्साइटिंग टेस्ट लॉन्च के लिए स्पेसएक्स की टीम को बधाई। कुछ महीनों में अगले टेस्ट लॉन्च के लिए बहुत कुछ सीखा। इससे पहले भी इसे लॉन्च करने की कोशिश की गई थी, लेकिन प्रेशर वाल्व के फ्रीज होने के कारण लॉन्च 39 सेकेंड पहले रोक दिया गया।

रॉकेट का लॉन्चपैड से उड़ना ही बड़ी सफलता – स्पेसएक्स ने कहा- टीमें डेटा को रिव्यू करना जारी रखेंगीं और अगले फ्लाइट टेस्ट की दिशा में काम करेंगी। स्टारशिप के फेल होने के बाद भी स्पेसएक्स हेडक्वार्टर में एम्प्लॉइज खुशी मनाते दिखाई दिए क्योंकि रॉकेट का लॉन्चपैड से उड़ना ही बड़ी सफलता है। एलन मस्क ने भी स्टारशिप लॉन्च से दो दिन पहले कहा था- सफलता शायद मिले, लेकिन एक्साइटमेंट की गारंटी है।

लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद रॉकेट ने खुद को नष्ट किया सुपर हेवी बूस्टर पर लगे 33 इंजन इगनाइट हुए और स्टारशिप धीरे-धीरे ऊपर बढ़ा। लगभग एक मिनट बाद, रॉकेट मैक्सिमम एयरोडायनेमिक प्रेशर के पीरियड से गुजरा। सुपर हेवी बूस्टर स्टेज पर कई इंजन फेल होने के कारण रॉकेट अनबैलेंस होने लगा। अपर स्टेज स्टारशिप व्हीकल को बूस्टर से अलग होना था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद,

ऑटोमेटिक फ्लाइट टर्मिनेशन सिस्टम ने रॉकेट को नष्ट कर दिया।

स्टारशिप इंसानों को मंगल पर पहुंचाएगा – ये लॉन्चिंग इसलिए अहम थी क्योंकि ये स्पेसशिप ही इंसानों को इंटरप्लेनेटरी बनाएगा। यानी इसकी मदद से पहली बार कोई इंसान पृथ्वी के अलावा किसी दूसरे ग्रह पर कदम रखेगा। मस्क साल 2029 तक इंसानों को मंगल ग्रह पर पहुंचाकर वहां कॉलोनी बसाना चाहते हैं। स्पेसशिप इंसानों को दुनिया के किसी भी कोने में एक घंटे से कम समय में पहुंचाने में भी सक्षम होगा। यहां कई लोगों के मन में सवाल होगा कि आखिर हमें पृथ्वी से 23 करोड़ किलोमीटर दूर मंगल ग्रह पर कॉलोनी बसाने की क्या जरूरत है वहीं कुछ का सवाल ये भी होगा कि इतनी दूर जाने में कितना समय लगेगा, इसकी प्रोसेस क्या होगी इंसान कैसे इस रेड प्लेनेट से वापस आएंगे स्टारशिप की टेक्नोलॉजी क्या है स्टारशिप क्या-क्या कर सकता है तो चलिए एक-एक कर जानते हैं इन सवालों के जवाब।

सबसे पहले बात स्टारशिप की इससे इस पूरे लॉन्च को समझना आपके लिए आसान हो जाएगा – स्पेसएक्स के स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है। ये एक रीयूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम है। इसमें एडवांस्ड रेप्टर इंजन लगे हैं।

दुनिया का सबसे पावरफुल व्हीकल – स्टारशिप अब तक का डेवलप दुनिया का सबसे पावरफुल लॉन्च व्हीकल है। ये पूरी तरह से रियूजेबल है और 150 मीट्रिक टन भार ले जाने में सक्षम है। स्टारशिप सिस्टम 100 लोगों को एक साथ मंगल ग्रह पर ले जाएगा। मस्क 10 अप्रैल को ही स्टारशिप को लॉन्च करना चाहते थे, लेकिन तब यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए से अप्रूवल नहीं मिल पाया था।

अगर लॉन्च सफल होता तो पूरी प्रोसेस कुछ ऐसी होती – ये पूरा लॉन्च 90 मिनट का था। टेस्ट फ्लाइट के दौरान, लिफ्ट ऑफ के लगभग 3 मिनट बाद बूस्टर अलग हो जाता और गल्फ ऑफ मैक्सिको में लैंड कर जाता। शिप 150 मील यानी 241.40 किलोमीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर पृथ्वी के चक्कर काटता और फिर हवाई कोस्ट पर स्पैल्शडाउन होता। यानी इस टेस्ट में स्टारशिप वर्टिकल लैंडिंग अटेम्प्ट नहीं करता। नीचे दिए ग्राफिक्स से लॉन्च की पूरी प्रोसेस को आप आसानी से समझ सकते हैं।

मिशन के सफल होने की संभावना केवल 50प्रतिशत थी – एलन मस्क ने लॉन्च से पहले ही कहा था कि स्टारशिप के पहले ऑर्बिटल मिशन के सफल होने की संभावना केवल 50प्रतिशत है, लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि स्पेसएक्स साउथ टेक्सास साइट पर कई स्टारशिप व्हीकल बना रहा है। इन्हें आने वाले महीनों में जल्दी-जल्दी लॉन्च किया जाएगा और लगभग 80प्रतिशत संभावना है कि उनमें से एक इस साल ऑर्बिट में पहुंच जाएगा।

फ्यूचर में मंगल ग्रह पर कैसे पहुंचेगा स्टारशिप – स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट मिलकर रियूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम बनाते हैं जो ऑर्बिट में रिफ्यूलिंग करने में सक्षम है। ये सिस्टम मार्स की सरफेस पर मौजूद नेचुरल रिसोर्सेज से खुद को रिफ्यूल भी कर सकता है। इंसानों पर मंगल ग्रह पर भेजने की बात करें तो सुपर हैवी बूस्टर के साथ स्टारशिप को लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद बूस्टर अलग हो जाएगा और पृथ्वी पर लौट आएगा। अब पृथ्वी से एक रिफ्यूलिंग टैंकर लॉन्च होगा। ये टैंकर ऑर्बिट में स्टारशिप से डॉक हो जाएगा ।

पोप फ्रांसिस, ट्रंप-बिल गेट्स के खातों से भी ब्लू टिक गायब; इन तीन को मिली छूट

नई दिल्ली ।

ट्विटर ने उपयोगकर्ताओं के प्रोफाइल से लीगेसी ब्लू टिकमार्क को हटाना शुरू कर दिया है। इसके तहत पॉप आइकन बियॉन्से और पोप फ्रांसिस सहित कई प्रभावशाली लोगों के ब्लू टिक हटा दिए गए। हालांकि बास्केटबॉल स्टार लेब्रॉन जेम्स और लेखक स्टीफन किंग जैसी कुछ हस्तियों का ब्लू टिक अब भी बरकार है। लेखक किंग, जो पूर्व में मस्क को ट्विटर के लिए मस्क को भयानक कह चुके हैं ने ट्वीट किया, मेरा ट्विटर अकाउंट कहता है कि मैंने ट्विटर ब्लू की सदस्यता ली है। मैंने ऐसा नहीं किया है। मेरा ट्विटर अकाउंट कहता है कि मैंने एक फोन नंबर दिया है। मैंने ऐसा नहीं किया है।मस्क ने उन्हें जवाबी ट्वीट किया, आपका स्वागत है नमस्ते। उन्होंने साथ में हाथ जोड़ने इमोजी भी साझा की। द वर्ज के अनुसार जेम्स, जिन्होंने पहले कहा था कि वह सत्यापन के लिए भुगतान नहीं करेंगे, ने भी ब्लू टिक रखने के लिए भुगतान नहीं किया था। मस्क ने अलग से ट्वीट किया: मैं कुछ के लिए व्यक्तिगत रूप से भुगतान कर रहा हूं। उन्होंने फिर ट्वीट किया उनमें सिर्फ शैटनर, लेब्रॉन और किंग शामिल हैं। उन्होंने अभिनेता विलियम शेटनर का जिक्र करते हुए ये ट्वीट किया जिन्होंने पिछले महीने शिकायत की थी कि उन्हें अपना ब्लू टिक बरकरार रखने के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प के सह-संस्थापक बिल गेट्स और रियलिटी टीवी स्टार किम कर्दाशियां भी ब्लू टिक खोने वालों में शामिल हैं। मस्क के स्वामित्व के तहत, ट्विटर ने प्रतिष्ठित ब्लू टिक को जारी करने के तरीके में बदलाव किया है। पहले प्रसिद्ध व्यक्तियों, पत्रकारों, अधिकारियों, राजनेताओं और प्रतिष्ठानों को उनकी पहचान सत्यापित करने के बाद ये ब्लू टिक जारी किए जाते थे। मस्क ने नवंबर में कहा था कि ट्विटर विज्ञापन से परे आमदनी के नए जरिए के रूप में ब्लू टिक के लिए प्रति माह आठ डॉलर चार्ज करेगा। उसके बाद कंपनी ने ब्लू टिक के अलावे सुनहरे और भूरे रंग के टिक की भी घोषणा की। व्यवसायों को सुनहरे और सरकार, बहुपक्षीय संगठनों और अधिकारियों को ग्रे टिक दिया गया। अमेरिकी गैर-लाभकारी नेशनल पब्लिक रेडियो (एनपीआर) ने अपने 52 आधिकारिक ट्विटर फीड पर सामग्री पोस्ट करना बंद कर दिया क्योंकि ट्विटर ने इसे राज्य से संबद्ध मीडिया और बाद में सरकार की ओर से वित्त पोषित मीडिया करार दिया।

धूप में पेंशन के लिए नंगे पैर बैंक जाती दिखी वृद्धा, मंत्री ने की खिंचाई तो मिला ये जवाब

नई दिल्ली ।

70 साल की एक महिला को अपने पेंशन लेने के लिए नंगे पैर कुर्सी के सहारे कई किलोमीटर पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में चिलचिलाती गर्मी में एक वृद्ध महिला को टूटी कुर्सी के सहारे चलते हुए देखा जा सकता है। अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वीडियो शेयर करते हुए महिला की परेशानी को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की खिंचाई की है। बैंक ने भी अपनी ओर से वित्त मंत्री को जवाब दिया है। वीडियो में दिख रही बुजुर्ग महिला की पहचान सूर्या हरिजन के रूप में हुई है। उनका बड़ा बेटा दूसरे राज्य में प्रवासी मजदूर है। वह अपने छोटे बेटे के साथ रहती हैं जो अन्य लोगों के मवेशियों को चराने का काम करता है। परिवार के पास कोई जमीन नहीं है और वे झोपड़ी में रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंधक ने इस मामले में जवाब दिया है, लेकिन फिर भी वे वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) और एसबीआई से ऐसे

मामलों में त्वरित संज्ञान लेने और मानवीय रूप से कार्य करने की उम्मीद करती हैं। उन्होंने पूछा है कि क्या उस क्षेत्र में बैंक मित्र नहीं हैं यह घटना 17 अप्रैल को ओडिशा के नबरंगपुर जिले की है।

वित्त मंत्री की प्रतिक्रिया के बाद एसबीआई ने रखा अपना पक्ष – मामले में वित्त मंत्री की प्रतिक्रिया के बाद एसबीआई ने ट्वीट किया, हम भी वीडियो को देखकर बहुत दुखी हैं। श्रीमती सूर्या हरिजन हर महीने अपने गांव में सीएसपी से अपना पेंशन निकालती थीं। बुढ़ापे के कारण उनके फिंगर प्रिंट मेल नहीं खा रहे थे। हमने इसके बाद डोरस्टेप पेंशन डिलीवरी की सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। हम जल्द ही उन्हें व्हीलचेयर भी सौंप देंगे।

भारत-बांग्लादेश अब रुपये और टका में सीधे करेंगे व्यापार, वाणिज्यिक लेनदेन पर ऐतिहासिक फैसला

ढाका ।

भारत और बांग्लादेश ने वाणिज्यिक लेनदेन को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला किया है। दोनों देशों ने निर्णय लिया है कि अब से वे भारतीय रुपये और बांग्लादेशी टका में वाणिज्यिक लेनदेन करेंगे। अभी तक लेनदेन अमेरिकी डॉलर में होता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, देश के बाहर लेनदेन की सुविधा के लिए दो भारतीय बैंक भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और दो बांग्लादेशी बैंक सोनाली और ईस्टर्न बैंक में खाते खोले जाएंगे। सोनाली बैंक लिमिटेड के सीईओ अफजल करीम ने कहा, इससे दोनों देशों को फायदा होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत और बांग्लादेश के और बैंक भी धीरे-धीरे इस प्रक्रिया का हिस्सा बनेंगे। गौरतलब है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत से बांग्लादेश का आयात करीब 13.69प्रतिशत था। इसमें से दो बिलियन डॉलर का लेन-देन रुपये में किया जाएगा, लेकिन बाकी का भुगतान अमेरिकी डॉलर में होगा।

डॉलर में मजबूती से क्रूड के दाम तीन सप्ताह के निचले स्तर पर – डॉलर में मजबूती और ब्याज दरें बढ़ने की आशंका से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटकर तीन सप्ताह के निचले स्तर पर आ गईं। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.12 डॉलर सस्ता होकर 82 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी तेल मानक डब्ल्यूटीआई की कीमत 1.02 डॉलर घटकर 78.14 डॉलर प्रति बैरल रह गई। दरअसल, अमेरिकी डॉलर सूचकांक इस सप्ताह अब तक करीब 0.3 फीसदी चढ़ चुका है। इसके साथ ही यह फरवरी के बाद अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया है। अन्य मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती से उन देशों के लिए तेल खरीदना महंगा हो गया है, जो अमेरिकी मुद्रा में लेनदेन करते हैं। इससे उन देशों में कच्चे तेल की मांग में गिरावट आई है। इसके अलावा, ब्रिटेन में महंगाई बढ़कर दहाई अंकों में पहुंच गई है। इससे अनुमान है कि बैंक ऑफ इंग्लैंड ब्याज दरों में और बढ़ोतरी कर सकता है। उधर, रूस के पश्चिमी बंदरगाहों से अप्रैल में तेल निर्यात 2019 के बाद सबसे अधिक होने की संभावना है।

रूस के आक्रमण के बाद पहली बार यूक्रेन पहुंचे नाटो प्रमुख – उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टॉल्टनबर्ग पिछले साल रूस के आक्रमण के बाद से पहली बार यूक्रेन पहुंचे हैं। नाटो के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने का अनुरोध करते हुए बताया, नाटो महासचिव यूक्रेन में हैं। हम जल्द से जल्द और अधिक जानकारी प्रदान करेंगे। स्टॉल्टनबर्ग युद्ध शुरू होने से पहले यूक्रेन गए थे, लेकिन अब उनकी यात्रा यूक्रेन की स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर नाटो की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एअर इंडिया पायलट ने महिला मित्र को कॉकपिट में बुलाया

एविएशन के सुरक्षा नियम तोड़े; केबिन क्रु की शिकायत के बाद डीजीसीए ने जांच शुरु की

नई दिल्ली।

दुबई से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में एक पायलट ने 27 फरवरी को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के सुरक्षा नियमों को तोड़ा। उसने कॉकपिट में अपनी महिला मित्र को बुलाया। दोनों एक घंटे तक कॉकपिट में रहे। केबिन क्रू के बाद डीजीसीए ने मामले की जांच शुरू कर दी है। केबिन क्रू की एक मेंबर ने बताया कि पायलट चाहते थे कि क्रू उनकी महिला दोस्त का कॉकपिट में आते वक्त स्वागत करता हुआ दिखाई दे। साथ ही उसे बिजनेस क्लास वाला खाना परोसा जाए। एयरलाइन के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि एअर इंडिया ने 3 मार्च को हुए इस वाकये के लिए एक जांच समिति का बनाई है।

वहीं, एअर इंडिया ने मामले पर कुछ भी बोलने से मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लाइट क्रू को डीजीसीए ने 3 मार्च के बाद पहली बार पेश होने के लिए समन भेजा है। केबिन क्रू ने अपनी शिकायत में बताया कि फ्लाइट 915 में 27 फरवरी को शुरुआत से ही पायलट के कारण

परेशानी हो रही थी। पहले वो रिपोर्टिंग टाइम से देरी से पहुंचा। क्रू इंतजार कर रहा था, लेकिन पायलट के लेट होने से वह एक-दूसरे से बिना मिले ही प्लेन में चले गए। बाद में पैसेंजर्स के साथ पायलट भी प्लेन में चढ़े। पायलट इंचार्ज ने आते ही क्रू मेंबर्स से बिजनेस क्लास में सीट खाली होने की जानकारी मांगी, क्योंकि उनकी एक महिला मित्र इकोनॉमी क्लास में सफर कर रही थी।

फ्लाइट क्रू ने कॉकपिट में शराब परोसने से मना किया तो पायलट भड़क गए – क्रू ने शिकायत में आगे बताया कि पायलट इंचार्ज ने उनसे अपनी महिला मित्र को बुलाने को कहा। साथ ही उसके आराम के लिए कुछ तकिए भी लाने को बोला। उनकी महिला मित्र कॉकपिट में आकर फस्ट ऑब्जर्वर सीट पर बैठी। पायलट ने क्रू से अपनी महिला मित्र के लिए ड्रिंक्स और खाने का ऑर्डर कॉकपिट में ही परोसने के लिए कहा।

क्रू ने उन्हें बताया कि वो कॉकपिट में शराब नहीं दे सकते। उसके बाद से पायलट भड़क गए। साथ ही क्रू से नौकरों जैसा व्यवहार करने लगे।

उड़ान के दौरान महिला मित्र से बातें करते रहे – जब पायलट की महिला मित्र कॉकपिट में मौजूद थी और क्रू के मेंबर उनसे बात करने गए तब वो अपनी सामान्य स्थिति में नहीं थे। फस्ट ऑफिसर तकिया लगाकर सो रहे थे। पायलट इंचार्ज पीछे के ऑब्जर्वर स्टेशन में महिला यात्री के सामने बैठकर बात कर रहे थे। पायलट इंचार्ज ने उन्हें इशारा किया कि फस्ट ऑफिसर (को-पायलट) कंट्रोल्ड रेस्ट और नींद ले रहे थे।

क्रू ने यह भी बताया कि दोनों पायलट महिला यात्री के साथ इमिग्रेशन एरिया तक गए थे। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि रिटर्न फ्लाइट के दौरान भी पालयट नाराज थे और उन्होंने अश्लील कमेंट्स किए। क्रू ने डीजीसीए से एयर फोर्स मेडिकल टेस्टिंग स्टेशन पर उनकी दिमागी हालत का टेस्ट करने कहा। क्योंकि उन्होंने पैसेंजर्स की जान जोखिम में डाली थी।

एअर इंडिया की फ्लाइट में ही हुआ था पेशाब कांड – 26 नवंबर को एअर इंडिया की न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट में पैसेंजर शंकर मिश्रा ने बुजुर्ग महिला के ऊपर पेशाब की। इस घटना पर एयरलाइन ने कोई एक्शन नहीं लिया। एयरलाइन ने दिल्ली पुलिस में एफआईआर कराई। यह कार्रवाई तब हुई जब पीड़ित बुजुर्ग महिला ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन से शिकायत की। इस मामले में डीजीसीए ने एयरलाइन पर 30 लाख का जुर्माना लगाया। डीजीसीए ने पायलट का लाइसेंस 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया।

कंगुवा एक शक्तिशाली बहादुर नायक की गाथा

-स्टूडियो ग्रीन ने की बड़ी फिल्म की घोषणा

मुंबई (ईएमएस)। स्टूडियो ग्रीन ने भारतीय सिनेमा की सबसे प्रत्याशित फिल्मों में से एक कंगुवा घोषणा की है। साल 2022 से ही दक्षिण के सुपरस्टार सूर्या की 42वीं फिल्म को लेकर इंतजार किया जा रहा है। शिवा द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 3डी में 10 भाषाओं में बनाया जा रहा है और ज्ञानवेलराजा यूवी क्रिएशंस के वामसी-प्रमोद के सहयोग से स्टूडियो ग्रीन के के.ई द्वारा निर्मित किया जा रहा है। सुपरस्टार सूर्या इस मास एंटरटेनर फिल्म में विभिन्न अवतारों में नजर आएंगे, जो देश भर के सभी प्रकार के दर्शकों के साथ निश्चितरूप से कनेक्ट करेगा। टाइटल के बारे में, निर्देशक शिवा ने कहा कि हमें सूर्या 42 के शीर्षक कंगुवा के घोषणा करते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है, एक ऐसा व्यक्ति जिसमे आग की शक्ति है, जिसे स्क्रीन पर सूर्या द्वारा बहुत ही शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जो यादगार, राजसी, अद्वितीय होगा और सिनेमा प्रेमियों के लिए दिलचस्प अनुभव होगा। हम फिल्म की शूटिंग पूरी कर जल्द से जल्द रिलीज डेट घोषणा करेंगे। गोवा, चेन्नई और कई अन्य स्थानों पर, फिल्म की 50 प्रतिशत शूटिंग पहले से ही पूरी की जा चुकी है और आने वाले महीनों में फिल्म की बाकी शूटिंग की जाएगी। चूंकि इसमें कई एक्शन सीक्वेंस और अगले स्तर के वीएफएक्स और सीजीआई शामिल हैं इसलिए फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन जबरदस्त होनेवाला है और निमार्ता 2024 की शुरूआत में फिल्म रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। यूवी क्रिएशंस के सहयोग से स्टूडियो ग्रीन प्रस्तुत करते हैं सूर्या की फिल्म कंगुवा। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद द्वारा संगीतबद्ध और शिव द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म के पूरा होने पर रिलीज की घोषणा की जाएगी। बताया जा रहा है कि अग्नि की शक्ति के साथ एक आदमी को चिन्हित करना कंगुवा एक शक्तिशाली बहादुर नायक की गाथा है और इसमें दिशा पटानी, योगी बाबू प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

शहनाज ने सलमान के साथ काम करने का बताया अनुभव

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस शहनाज गिल दबंग सलमान खान के साथ उनकी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के प्रीमियर से कुछ दिन पहले जिंदादिल और खुशमिजाज एक्ट्रेस शहनाज ने सलमान खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। शहनाज ने इंडस्ट्री में अपने शुरूआती अनुभव को याद करते हुए और अब सलमान खान के साथ काम करने के अवसर को याद करते हुए कहा, ह्वमुझे एक बार एक म्यूजिक वीडियो के ऑडिशन में खारिज कर दिया गया था और मैं वास्तव में बहुत निराश महसूस कर रही थी। मैं परेशान थी और रो रही थी। उस समय मेरा इकलौता सहारा मेरी मां थीं जिन्होंने उस समय मुझे खुद पर विश्वास करने के लिए कहा था। उस वक्त उन्होंने कहा था कि एक दिन मैं सलमान खान के साथ फिल्म में काम करूंगी। और, अब सलमान सर ने मुझे यह मौका दिया है और मेरे सपनों को साकार किया है और मेरी मां की भविष्यवाणी को भी। उन्होंने आगे कहा, ह्वअब जब मैं बड़े पर्दे पर हूं, तो मैं उतनी नर्वस नहीं हूं। लेकिन जब आपके सामने सलमान सर हों, तो आप जानते हैं, ऐसा होता है। लेकिन मैं नर्वस नहीं हूं, अब और नहीं। ऐसे बड़े लोगों के बीच खड़े होकर बहुत अच्छा लगता है जिन्होंने अपने जीवन में इतना कुछ हासिल किया है। यह बहुत गर्व का पल है कि मैं अभी सलमान सर के पीछे खड़ी हूं। और मैं उनके साथ काम करने के इस महान अवसर के लिए सलमान सर को धन्यवाद देना चाहती हूं ह्व सलमान खान द्वारा निर्मित, सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन किसी का भाई किसी की जान फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित हैं।

फिल्म में सलमान खान, वेंकटेश दग्गुबाती, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर हैं। साथ ही सलमान खान की फिल्म के भी सारे एलिमेंट मौजूद है जैसे एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा और रोमांस। ये फिल्म इस ईद पर रिलीज होने वाली है और यह दुनिया भर में जी स्टूडियोज की रिलीज होगी। बतादें कि बिग बॉस 13 से सबके दिलों पर छाने वाली खूबसूरत शहनाज गिल ने अपने मजेदार स्टाइल और व्यक्तित्व से देश भर में सभी की खूब अटेंशन खींची हैं। यहीं नहीं, उन्होंने सलमान खान का भी ध्यान खींचा।

सारा की विनम्रता को गलत फायदा उठाते है ट्रोलर

-इंटरव्यूज में अपने बारे में सब कुछ बता देती खुलकर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ में बहुत ही अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कई सारी बेहतरीन फिल्में की और बॉक्स ऑफिस पर हिट की गांरटी बन गई हैं। स्वभाव की विनम्र सारा ने कभी अपने सेलेब्रिटी स्टेटस को गंभीरता से नहीं लिया है और अपने इंटरव्यूज में वो अपने बारे में सब कुछ खुलकर बता देती हैं और इसी बात का फायदा ट्रोल्स उठाते हैं और उन्हें नीचा दिखाते हैं। उदाहरण के लिए एक्ट्रेस ने 2019 में सारा को ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल में बुलाया गया था जहां पर उन्होंने जीवन और शिक्षा के लेकर अपने अनुभव साझा किए थे। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ना उनका सपना था, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। एक्ट्रेस इस दौरान ये बताना चाहती थी कि जीवन में चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं लेकिन कभी हार नहीं माननी चाहिए। वो इस दौरान कहती हैं- रिजेक्ट होने पर मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई है। मैं रोते हुए मां को कॉल किया था। लेकिन फिर मुझे कोलंबिया यूनिवर्सिटी में मौका मिला और न्यूयॉर्क में मेरा 3 साल का सफर काफी यादगार था। मैनें उन पलों को वापस से दोहराने के लिए अपना एक पैर और हाथ भी देने को तैयार हूं। सारा की ये वीडियो क्लिप जैसे ही सोशल मीडिया पर आई तो ट्रोलर्स एक्टिव जो गए एक यूजर ने सारा के फैमिली बैकग्राउंड का जिक्र करते हुए कमेंट किया, ऑक्सफोर्ड में नेपोटिज्म नहीं चलता मेमसाब। लोगों को सारा का मजाक उड़ाते देखना निराशाजनक था जब की उन्होंने स्ट-ूडेंट्स को सिखाया कि जीवन में असफलता का सामना करने के बाद उदास नहीं होना चाहिए। बता दें कि केदारनाथ, कुली नंबर 1, अतरंगी रे जैसी फिल्मों से वो अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी है। आज वो इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं और बहुत ज्यादा डिमांड में भी हैं। लेकिन फिर भी अक्सर एक्ट्रेस ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं, या यूं कह लें कि हेटर्स के लिए सारा एक सॉफ्ट टारगेट हैं।

फिल्म धड़क-2 में नहीं दिखेंगे ईशान और जाह्नवी कपूर

फिल्म धड़क-2 में नहीं दिखेंगे ईशान और जाह्नवी कपूर

मुंबई(ईएमएस)। फिल्म धड़क की रीमेक में ईशान और जाह्नवी नहीं दिखाई देंगे। ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर की फिल्म धड़क जो की 2018 में रिलीज हुई थी से डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट रही थी। रोमांस और ड्रामा से भरी ये फिल्म सैराट की रीमेक थी। फैंस ने ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर की जोड़ी को खूब पसंद किया था। अब लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन फिल्म धड़क 2 की तैयारी कर रही है। इस फिल्म की स्टार कास्ट से लेकर डायरेक्टर तक का बदलाव हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म धड़क में एक लव स्टोरी है जिसमें लीड स्टार अपने प्यार के लिए समाज से लड़ रहे थे। फिल्म धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में होंगे। फिल्म का डायरेक्शन शाजिया इकबाल करेंगी और ये उनकी डेब्यू फिल्म होगी। सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी इस लव स्टोरी की फिल्म में शामिल होने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म धड़क 2 पर जल्द काम शुरू होगा। फिल्म की बाकी स्टारकास्ट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, फिल्म धड़क 2 को लेकर ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सिद्धांत चतुवेर्दी पिछली बार फिल्म फोन भूत में नजर आए थे। अब वह फिल्म युध्र और फिल्म खो गए हम कहां में काम करते दिखाई देंगे।

बेटी मालती को गोद लिए स्टेज पर परफॉर्म करते दिखे निक जोनस

लोगों ने की प्रियंका के पति की जमकर तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकन सिंगर निक जोनस अपनी पत्नी एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की तरह ही सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहते हैं। वह न सिर्फ बेहतर सिंगर और सॉन्ग राइटर हैं, बल्कि एक बेस्ट फैमिली मैन भी है। यह उन्होंने कई बार साबित भी किया है। निक अपनी बेटी मालती मैरी से भी बेहद प्यार करते हैं। हाल ही में वह अपनी लाड़ली को गोद में लिए स्टेज पर परफॉर्म करते दिखे। जैसे ही उन्होंने ये तस्वीर अपने सोशल एकाउंट पर शेयर की, यूजर्स उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाए। निक की बेटी संग ये तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। दरअसल, जोनस ब्रदर्स ने लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में कॉन्सर्ट किया था, जिसमें निक जोनस ने अपनी फैमिली के साथ एंट्री की। कॉन्सर्ट से निक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बेटी मालती को एक हाथ से गोद में लिए नजर आ रहे हैं तो दूसरे हाथ में माइक दिख रही है। इस दौरान मालती के कानों पर हेडफोन भी लगे हुए हैं। बेटी संग तस्वीर शेयर कर निक ने कैप्शन में लिखा कि उसका पहला साउंडचेक। फैंस बाप-बेटी की इस प्यारी तस्वीर पर खूब प्यार बरसा रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

बंद होने वाला है कपिल शर्मा शो, जून में आखिरी टेलीकास्ट

मुंबई (ईएमएस)। ह्वद कपिल शर्मा शो बंद होने वाला है, इसका आखिरी एपीसोड का टेलीकास्ट जून में होगा। शो को लेकर पिछले दिनों खबर आई कि कपिल का यह मशहूर शो जल्द ही बंद होने वाला है। हालांकि शो का यह चौथा सीजन है, जिसे लेकर खबरें हैं कि शो ऑफ एयर होने वाला है। रिपोट्‌र्स के मुताबिक, शो का आखिरी एपिसोड जून में टेलीकास्ट होगा, जिसके बाद कपिल शर्मा शो से ब्रेक लेंगे। वहीं जबसे शो के बंद होने की खबरें तेज हुई हैं, फैंस बेहद निराश हो गए हैं। इसी बीच अब कपिल शर्मा ने शो के ऑफ एयर होने पर अपडेट दी है। उन्होंने बताया कि अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं है। हम जुलाई में लाइव टूर के लिए अमेरिका जाएंगे और फिर वहां से आने के बाद देखेंगे कि क्या करना है। गौरतलब है कि पिछले अनेक सालों से कपिल का शो चलता आ रहा है जिसे दर्शक बेशुमार प्यार देते हैं। शो पर ना सिर्फ फिल्मी सितारे बल्कि खेल, राजनीति जगत से भी सेलेब्स बतौर गेस्ट आते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, द कपिल शर्मा शो से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि सीजनल ब्रेक ने वास्तव में शो के लिए काम किया है जिससे हमें कंटेंट और कलाकारों के मामले में चीजों को बेहतर करने का मौका मिला है। इसके अलावा, कॉमेडी एक कठिन शैली है और एक्ट्रर्स को एक ब्रेक की आवश्यकता होती है ताकि वह भी बोर ना हो जाएं। हालांकि, सोर्स ने बताया है कि अभी इसकी फाइनल डेट कन्फर्म नहीं की गई है लेकिन टीम के मई में शूट पूरा करने की संभावना है। इस तरह सीजन का आखिरी एपिसोड जून में स्ट्रीम होगा।

सेल्फी ले रहे डिलीवरी ब्वॉय को ऋतिक के गार्ड ने हटाया

एक्टर ऋतिक रोशन के साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे एक फैन को उनके सिक्योरिटी गार्ड ने धक्का देकर हटा दिया। मुंबई में एक रेस्तरां के बाहर का ऋतिक का एक वीडियो पैपराजी अकाउंट पर शेयर किया गया जिसमें वह अपनी एक्स वाइफ सुजैन खान और उनके बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में, ऋतिक अपनी कार की ओर बढ़ रहे है। इस दौरान एक फूड डिलीवरी ब्वॉय एक्टर के साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता है और वह उनकी तरफ आता है, लेकिन सिक्योरिटी गार्ड उसे धक्का दे देता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, एक्टर जल्द ही दीपिका पादुकोण के साथ फाइटर में दिखाई देंगे। सिद्धार्थ आनंद द्वारा अभिनीत फाइटर जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वेलकम श्रृंखला की तीसरी किस्त की बन रही योजना

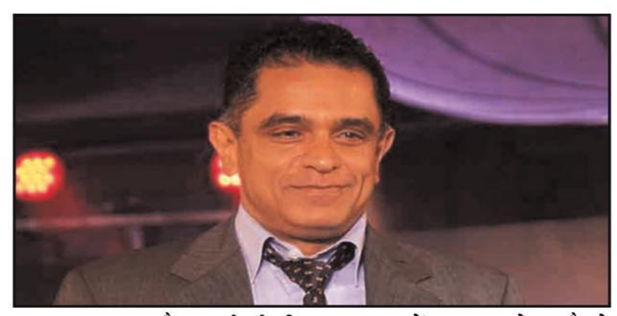

बालीवुड फिल्म निमार्ता फिरोज नाडियाडवाला वेलकम और वेलकम बैक की सफलता के बाद, श्रृंखला की तीसरी किस्त की योजना बनाने में व्यस्त हैं। निर्माता द्वारा बताए गए अनुसार इसे वेलकम टू द जंगल कहा जाएगा। यह अभी स्टार कास्ट फाइनल नहीं हुई है, लेकिन इसमें सभी बड़े कलाकारों के शामिल होने की उम्मीद है। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, फिल्म 2023 के अन्त तक फ्लोर पर जाने की सम्भावना है। इस फ्रैंचाइजी से जुड़े हास्य, बुद्धि और मनोरंजन को बनाए रखेगा और इसके अलावा, यह एक सैन्य कार्रवाई की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। इस फिल्म में एक्शन जबरदस्त होगा। नाडियाडवाला ने पहले एक साक्षात्कार में कहा था, इसे उस पैमाने पर बनाया जाएगा, जो बजट, भव्यता आदि के मामले में भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं देखा गया है।

फोर्स 3 की तैयारी में लगे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम ने एक बकवास पुलिस वाले एसीपी यशवर्धन सिंह की भूमिका में दिल जीत लिया। पहले भाग की सफलता के बाद, टीम लगभग पांच साल बाद फोर्स 2 लेकर आई, जो समान रूप से सफल रही। और अब, हालिया रिपोर्ट के अनुसार, फोर्स 3 भी बन रही है। फिल्म के करीबी रिपोर्ट में कहा गया है, जॉन अब्राहम ने विपुल शाह से फोर्स फ्रेंचाइजी के सभी अधिकार हासिल कर लिए हैं और एक्शन फ्रंट पर चीजों को अगले स्तर तक ले जाने के लिए तैयार हैं। अभिनेता एक ऐसी कहानी को लॉक करने के मिशन पर है जो फोर्स के ब्रह्मांड में उस तरह के एक्शन तमाशे के साथ न्याय करता है जो वह बनाना चाहता है। एक बार स्क्रिप्ट फाइनल हो जाने के बाद, उनकी टीम प्री-प्रोडक्शन के दूसरे पहलू पर आगे बढ़ेगी।

केजीएफ-चैप्टर 2 में रॉकी भाई का उड रहा मजाक

रॉकी भाई को फिल्म फ्रेंचाइजी केजीएफ-चैप्टर 2 में भारतीय नौसेना के खिलाफ सामना करने के बाद समुद्र में डूबते देखा गया। जब दर्शकों ने ठीक उसी समयउन्हें मृत मान लिया, निर्देशक प्रशांत नील फिल्म श्रृंखला के तीसरे भाग में चरित्र की वापसी का मजाक उड़ाते हैं। हालांकि फिल्म कब फ्लोर पर जाएगी, इस बारे में कोई अपडेट नहीं है, लेकिन मीडिया से बातचीत के दौरान, यश ने कहा कि वह जल्द ही इस परियोजना में शामिल होने की योजना नहीं बना रहे हैं क्योंकि वह अलग-अलग किरदार निभाना चाहते हैं।

सूडोकु नवताल- 6408

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6407 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्दजाल - 7155

सं	ज	य	मां	ज	रे	क	र	अ	झ	क
प	ज	ग	प	डी	रिं	पू	ना	जी	शा	सु
वि	ज	य	व	सं	जे	दि	श	त	ला	नी
वि	कु	र	अ	सी	ब	गां	प	वा	श	ल
ज	ति	म	न	ज	म	र	धी	डे	वी	गा
य	रं	न	प	व	ट	जा	ऐ	क	प	व
ह	र	लां	श	चें	ज	क	फ	र	ल	स्क
जा	बा	बा	म	म	क	छ	र	र	श	र
रे	स	य	य	व	दि	ने	श	मों	गि	या
द	ज	र	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
वि	क	सा	गु	ल	मो	ह	म्म	द	प	क

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया,अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल -7154 का हल

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	ज़ा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	स्ट	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6108

3	2	7			5	1
4	31		31	2	31	
	5		3	1	7	
6	31	3	29		38	6
	3			6		
7	31	5	36		35	5
		4		7	2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6107 का हल

3	2	4	6	7	5	1
4	23	2	31	2	39	7
2	5	1	3	6	7	4
6	33	5	29	3	36	6
5	3	6	4	1	7	2
7	37	3	36	5	29	5
1	5	7	6	4	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय रिकर्व टीम नौ वर्ष बाद तीरंदाजी विश्वकप के फाइनल में, चीन से होगी खिताबी टक्कर

अंताल्या ।
भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम ने नौ वर्ष में पहली बार विश्वकप चरण-1 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका सामना चीन से होगा। भारतीय तीरंदाजों ने लगातार तीन जीत हासिल की। अतानु दास, बी धीरज और तरुणदीप राय के पास फाइनल में जीत दर्ज कर भारत को 13 साल बाद स्वर्ण पदक दिलाने का मौका रहेगा। भारत ने रिकर्व तीरंदाजी में विश्वकप में अपना पिछला स्वर्ण 2010 में शंघाई में जीता था। पिछली बार रिकर्व टीम 2014 में मेडेलिन में स्टेज-2 में फाइनल में पहुंची थी लेकिन कोरिया से टाईब्रेकर में हार के बाद रजत मिला था। जब शंघाई में स्वर्ण जीता था तब सेना के तरुणदीप उस टीम का हिस्सा भी रहे हैं।

क्वालिफाइंग दौर में चौथी वरीयता हासिल करने वाली भारतीय टीम को पहले दौर में बाई मिला था। उसके बाद उसने 13वीं वरीयता की जापानी टीम को शूट ऑफ में 29-28 की जीत के साथ 5-4 से हराया। भारतीय तीरंदाजों ने तीन प्रयासों में से दो बार (10, 10, 09) दस अंक पर सटीक निशाना लगाया। इससे पहले दोनों टीमें 4-4 (49-52, 57-22, 54-51, 52-57) से बराबरी पर थीं। उसके बाद भारत ने 12वीं वरीयता की चीनी ताइपे और नौवीं वरीयता की नीदरलैंड की टीम को एकसमान 6-2 से हराया। भारत फाइनल में दूसरी वरीयता की टीम चीन से और नीदरलैंड कांस्य पदक के मुकाबले के लिए स्लोवेनिया से खेलेगा। चीनी ताइपे को हराने में भारत को ज्यादा परेशानी नहीं हुई और उसने शुरुआत में 4-0 की बढ़त बना ली थी। नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं था क्योंकि उन्होंने शीर्ष वरीय मेजबान तुर्किये को 6-0 से हराया था। तुर्किये की टीम में गत ओलंपिक चैंपियन मेते गाजोज भी थे। डच टीम ने शुरुआत में 2-0 की बढ़त बना ली थी लेकिन भारतीय तीरंदाजों ने शानदार वापसी की। संयोग से यह वही जगह है जहां 2008 में जयंत तालुकदार, राहुल बनर्जी और मंगल सिंह चांपिया ने मलयेशिया को 218-215 से हराकर स्वर्ण जिताया था।

ज्योति कपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के सेमीफाइनल में - इस बीच कंपाउंड के महिला व्यक्तिगत वर्ग में भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम सेमीफाइनल में पहुंच गईं। क्वालिफिकेशन में 713 के स्कोर के साथ विश्वरिकॉर्ड की बराबरी करने वालीं ज्योति ने लगातार चौथी जीत हासिल की। अब उनका सामना दुनिया की नंबर एक इंग्लैंड की इला गिब्सन से होगा। ज्योति ने लगातार तीन बार 150 में से 145 का स्कोर किया और स्विट्जरलैंड की माइरियाम, अमेरिका की डेनेली और मैक्सिको की एना सोफिया को पराजित किया।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स धवन पर ही आधारित न रहे : हरभजन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि पंजाब किंग्स को अगर

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। हरभजन के अनुसार अब तक देखने में आया है कि टीम कप्तान शिखर धवन पर ही निर्भर नजर आयी है। हरभजन के अनुसार एक ही खिलाड़ी पर आधारित होना सही नहीं है। जीत के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जरुरत के अनुसार योगदान देना होगा। पंजाब की तरफ से अभी तक मैचों में अधिकतर रन धवन ने ही बनाए हैं और उन्होंने ही टीम को जीत दिलायी है। धवन ने चार पारियों में कुल 233 रन बनाए हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब ने अभी तक दो मैच जीते हैं जबकि इतने ही मैच में उसे हार झेलनी पड़ी है। ध्वन कंधे की चोट के कारण लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ हुए पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें टीम ने सैम करेन की कप्तानी में जीत हासिल की थी। हरभजन ने कहा,'' पंजाब की टीम देखकर लगता है कि बल्लेबाजी विभाग में कप्तान पर बहुत अधिक निर्भरता है जो ठीक नहीं है।''उन्होंने कहा,'' एक खिलाड़ी पर निर्भर होने के कारण आप दो या तीन मैच जीत सकते हो पर आप टूर्नामेंट में खिताब नहीं जीत सकते हैं , इसके लिए सभी को एकजुट होकर खेलना होगा। इसलिए अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो सभी खिलाड़ियों को कप्तान का साथ देना होगा।

अल्काराज बार्सिलोना के क्वार्टरफाइनल में, सेरूनडोलो ने रुड को अपसेट किया

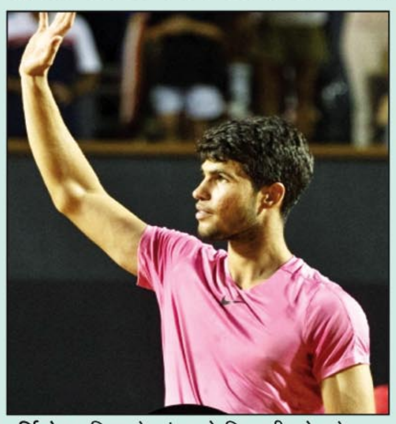

बार्सिलोना। विश्व के नंबर दो खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने हमवतन रॉबटरे बतिस्ता अगुत के कड़े संघर्ष पर काबू पाते हुए अपनी लगातार दूसरी सीधे सेटों की जीत दर्ज कर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। 9 वर्षीय अल्काराज ने अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरूआत जारी रखते हुए 6-3, 7-5 से जीत हासिल की। अलकारज के साथ अंतिम आठ चरण में 15वीं सीड अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरूनडोलो भी पहुंच गए हैं जिन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रुड को 7-6(5), 6-3 से हराया। इस बीच, दो बार के बार्सिलोना ओपन फाइनलिस्ट स्टेफानोस सितसिपास ने 14वीं सीड कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 6-3, 6-2 से हराया। अल्काराज का क्वार्टरफाइनल में एक और स्पेनिश खिलाड़ी 10वीं सीड अलेजांद्रो डेविदोविच फोकिना से मुकाबला होगा जबकि सेरूनडोलो का मुकाबला ब्रिटेन के डेनियल इवांस से होगा जिन्होंने कारेन खाचानोव को 6-3, 6-4 से हराया।

शरत कमल ने बनाई फाइनल में जगह, साथियान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । भारत के अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और जी साथियान पीएसपीबी अंतर संस्थानिक टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में भिड़ेंगे। आईओसीएल के खिलाड़ी शरत ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए युवा खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य को 6-11, 11-9, 11-9, 11-7, 11-8 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अन्य सेमीफाइनल में मौजूदा राष्ट्रीय विजेता ओएनजीसी के खिलाड़ी साथियान ने अपनी फॉर्म में वापसी करते हुए सौराभ साहा को 11-8, 11-8, 11-6, 11-8 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, महिलाओं में, ओआईएल की प्रतिभाशाली जूनियर खिलाड़ी यशस्विनी घोरपड़े ने ओएनजीसी की दिव्या देशपांडे को सेमीफाइनल में 11-4, 11-8, 3-11, 3-11, 11-6, 11-9 से हरा दिया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड उलटफेर का शिकार

सेविला ने किया बाहर ; जोस मोरिन्हो की रोमा ने भी किया कमाल

रोम/सेविला ।
इंग्लैंड के बड़े फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड यूईएफए यूरोपा लीग से बाहर हो गई है। उसे क्वार्टर फाइनल में स्पेन के क्लब सेविला ने हरा दिया। दोनों टीमों के बीच पहला लेग 2-2 की बराबरी पर छूटा था। दूसरे लेग में सेविला ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और तीन गोल दागे। यूनाइटेड की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी और इस तरह सेविला ने कुल स्कोर 5-2 के अंतर से सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

जब पहला लेग 2-2 की बराबरी पर छूटा था तो ऐसा माना जा रहा था कि इस सीजन में खराब प्रदर्शन करने वाली सेविला की टीम को मैनचेस्टर यूनाइटेड आसानी से हरा देगी। सेविला अपने देश की लीग ला लिगा में 13वें स्थान पर है। वहीं, मैनचेस्टर यूनाइटेड इंग्लिश प्रीमियर लीग में तीसरे स्थान पर है। सेविला ने हमेशा यूरोपा लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। उसके खाते में सर्वाधिक छह खिताब है।

2020 में भी सेविला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को किया था बाहर

सेविला ने 2020 में सेमीफाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया था। अब एक बार फिर यूनाइटेड की टीम उसका शिकार बन गई। सेविला भले ही अपनी घरेलू लीग में खराब प्रदर्शन कर रही है, लेकिन यूरोपा लीग में उसने यह साबित कर दिया कि वह क्यों इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार चैंपियन बनी है।

नसेरी ने दागे तीन गोल

सेविला के लिए क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए यूसुफ एन-नसेरी ने दो गोल दागे। उन्होंने आठवें और 81वें मिनट में गोल किया। 47वें मिनट में लॉक बेड ने सेविला के लिए दूसरा गोल किया था। मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराने के बाद अब सेमीफाइनल में सेविला का सामना इटली के युवेंटस से होगा। युवेंटस ने क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के क्लब स्पोर्टिंग को हराया।

रोमा ने फेनूर्ड को हराया

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में इटली के क्लब रोमा ने नीदरलैंड के फेनूर्ड को बाहर कर दिया। पहले लेग में फेनूर्ड ने 1-0 से जीत हासिल की थी। दूसरे लेग का मुकाबला रोमा के होमग्राउंड पर खेला गया। अपने प्रशंसकों के बीच रोमा ने जबरदस्त खेल दिखाया। रोमा ने 4-1 से मैच को जीत लिया। उसके लिए लियानार्डो स्पिनजोला ने 60वें मिनट, पाउलो डाइबाला ने 89वें मिनट, स्टीफन एल शरावे ने एक्स्ट्रा टाइम (101वें मिनट) और लोरेंजो पेलिग्रिनी ने एक्स्ट्रा टाइम (109वें मिनट) में गोल किया। फेनूर्ड के लिए इकलौता गोल इगोल पाइक्साओ ने 80वें मिनट में गोल किया। दोनों लेग को मिलाकर रोमा ने 4-2 से मैच को अपने नाम किया। रोमा का मुकाबला सेमीफाइनल में जर्मनी के क्लब लेवरकुसेन से होगा।

मोरिन्हो ने किया कमाल

रोमा के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने टीम को पिछले साल यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग में जीत दिलाई थी। इस बार टीम को यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया है। वहीं, इटली के लीग सीरी-ए में रोमा को शीर्ष-4 में पहुंचा रखा है। अगर रोमा की टीम सीरी-ए में शीर्ष चार में रहती है या यूरोपा लीग जीत लेती है तो वह अगले सीजन में चैंपियंस लीग में खेलेगी। मोरिन्हो की कोचिंग का ही कमाल है कि पिछले कुछ सालों से खराब प्रदर्शन करने वाली रोमा की टीम अब काफी मजबूत हो गई है।

मेरे पहले टेस्ट मैच रन की तरह था, दिल्ली कैपिटल्स की आईपीएल 2023 में पहली जीत के बाद बोले सौरव गांगुली

नई दिल्ली।
दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2023 में सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स ने कांटेदार मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स को 4 गेंदें शेष रहते हुए 4 विकेट से मात दी। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने स्वीकार किया कि टीम की स्थिति देखकर वो थोड़ा घबराए हुए थे। स्टेडियम के डगआउट में बैठे सौरव गांगुली ने दिल्ली को कड़े संघर्ष के बाद जीत दर्ज करते हुए देखा, जिसने उन्हें लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 1996 में अपने पहले टेस्ट रन की याद दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केकेआर को 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 127 रन पर ऑलआउट कर दिया।

आईपीएल में 718 दिन बाद अपना पहला मैच खेल रहे ईशांत शर्मा ने दमदार वापसी की और उन्हें एनरिच नॉर्ट्जे, अक्षर पटेल व कुलदीप यादव का अच्छा समर्थन मिला। फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को कप्तान डेविड वॉर्नर ने अर्धशतक जमाकर मजबूती दिलाई। मगर वॉर्नर के आउट होने के बाद दिल्ली की पारी लड़खड़ा गई। दिल्ली को आखिरी ओवर में 7 रन की दरकार थी और तब अक्षर पटेल ने मैच विजेता की भूमिका निभाई।

मैच के बाद गांगुली ने कहा, मैच जीतकर खुश हैं। हार का सिलसिला तोड़ने पर डगआउट में बैठे सोच रहा था कि यह मेरे पहले टेस्ट रन की तरह था। हम आज भाग्यशाली रहे। पूर्व भारतीय कप्तान ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजी विभाग में सुधार की जरुरत बताई। वॉर्नर और अक्षर पटेल के अलावा कई बल्लेबाज अपनी उपयोगिता साबित करने में नाकाम रहे हैं।

बल्लेबाजी में सुधार की जरुरत

गांगुली ने कहा, हम इस सीजन में पहले भी अच्छी गेंदबाजी कर चुके हैं। मगर दिक्कत बल्लेबाजी के साथ है। हमें जाकर अपने आप को देखना होगा और सोचना पड़ेगा कि कैसे बेहतर बन सकते हैं। स्पिनर्स ने अच्छी गेंदबाजी की। मुझे पता है कि हमने अच्छा नहीं खेला और बेहतर बल्लेबाजी के लिए रास्ता तलाशना होगा। हमने लड़कों के साथ काम किया और उन्हें फार्म में लेकर आए। पृथ्वी, मनीष या फिर मिचेल मार्श हो, ये सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं।

ओडिशा में शुरू होने जा रहा है भारतीय पारंपरिक खेल महोत्सव, केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार करेंगे उद्घाटन

भुवनेश्वर।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय 21 और 22 अप्रैल को भारत के पारंपरिक क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। यह पहली बार है कि ओडिशा में यह विश्वविद्यालय कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा खेल भारती के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत के विभिन्न पारंपरिक खेल देखने को मिलेंगे।

क्या है उद्देश्य

आयोजन का उद्देश्य भारत के पारंपरिक खेलों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है, जो आधुनिक समय में अपनी लोकप्रियता खोते जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष सरकार विश्वविद्यालय के इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

कौन है अतिथि

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति प्रोफेसर पी.वी.कृष्ण भट्ट सम्मानित

अतिथि होंगे। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर चक्रधर त्रिपाठी समारोह की अध्यक्षता करेंगे। बताया गया है कि भारत की समृद्ध संस्कृति और इतिहास हमेशा खेल और क्रीड़ा में गहराई से निहित रहा है।

वीडियो गेम में व्यस्थ हैं युवा

दुर्भाग्य से, आज के युवा खो-खो, पलांगुजी, लिप्पा, कबड्डी और गिल्ली डंडा जैसे पारंपरिक खेलों को भूल गए हैं, क्योंकि वे वीडियो गेम खेलने में बहुत तल्लीन हैं। वे दिन जब बच्चे उत्सुकता से कुछ पारंपरिक खेल खेलने के लिए बाहर जाते थे, इन दिनों दिखाई नहीं देते हैं।

शारीरिक व्यायाम में कमी ने बच्चों में कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दिया है। इसलिए पुराने खेल को वापस लाने से स्वास्थ्य पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

ओले की बरसात ने बदल दिया स्टेडियम का नजारा, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड मैच का नहीं निकल पाया नतीजा

नई दिल्ली।
पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच रावलपिंडी में खेले गए चौथे टी20 इंटरनेशनल मैच का नतीजा नहीं निकल सका। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान रावलपिंडी में ओलावृष्टि हुई, जिसके बाद मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका। ओले के कारण पूरा स्टेडियम सफेद चादर से ढका हुआ नजर आ रहा था। ओले के कारण स्टेडियम का नजारा एकदम बदला हुआ नजर आ रहा था। बता दें कि ओले की बारिश आने से पहले न्यूजीलैंड ने 18.5 ओवर में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए थे। मार्क चैपमैन 71* रन बनाकर खेल रहे थे। बता दें कि पाकिस्तान की टीम इस समय सीरीज में 2-1 की बढ़त बना रखी है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का निर्णायक टी20 इंटरनेशनल मैच सोमवार को रावलपिंडी में ही

खेला जाएगा।

इमाद वसीम ने झटके तीन विकेट - पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान टॉम लैथम (13) को इमाद वसीम ने हैरिस रउफ के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद विल यंग (6) को इमाद वसीम ने क्लीन बोल्ड किया। इमाद वसीम ने डैरिल मिचेल (3) को स्टंपिंग कराकर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया।

बोल्स-चैपमैन ने खेली उम्दा पारी - 54/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रही न्यूजीलैंड को चाड बोव्स (54) और मार्क चैपमैन (71*) ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। अर्धशतक पूरा कर चुके बोव्स का शाहीन अफरीदी ने अपनी गेंद पर कैच लपका। बोव्स ने 38 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाए।

रोहिदास बोले- यूरोप चरण में जीत की लय बनाए रखना चुनौती

बंगलूरू । अनुभवी रक्षक खिलाड़ी अमित रोहिदास का मानना है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए आगामी समय में सबसे बड़ी चुनौती मौजूदा एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में जीत की लय बरकरार रखना है। पिछले सत्र में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद भारत वर्तमान में आठ मैच में 19 अंकों के साथ एफआईएच प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर चल रहा है। पिछले महीने राउरकेला में भारत शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अजेय रहा था।

पहले यूपी में माफिया शूट करते थे, अब शूटिंग हो रही है, नोएडा में बोले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

नोएडा।
नोएडा सेक्टर- 21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय सांसद खेल स्पर्धा कार्यक्रम का शुभारंभ हो चुका है। इस कार्यक्रम के शुभारंभ में सूचना प्रसारण और युवा मामले व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, विधायक पंकज सिंह, सांसद महेश शर्मा सहित अन्य लोगों ने शिरकत की है, जहां यूपी की कानून व्यवस्था पर बोलते हुए कहा- यूपी में शानदार और दमदार सरकार आई है। सरकार बदलने से सोच बदली है। पहले माफिया शूट करते थे। अब शूटिंग हो रही। पहले माफियाओं का दंगा होता था। अब खिलाड़ियों का दंगल हो रहा है।

खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर हो रहा है तैयार: अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री ने अनुराग ठाकुर ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर लोगों को संबोधित करते हुए कहा- खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर बन जाता है, लेकिन अगर

खिलाड़ी ही नहीं आएंगे तो यह किसी काम का नहीं रहेगा। सांसद ने बढ़िया कार्यक्रम कराया है। जहा 2014 में कांग्रेस की सरकार में 934 करोड़ रूपये का खेल का बजट था। भाजपा सरकार में तीन हजार करोड़ से अधिक का बजट है। खेलों इंडिया के लिए प्रधानमंत्री ने 3200 करोड़ रूपये की मंजूरी दी है। खेलो इंडिया में 15 हजार खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे।

उन्होंने आगे कहा- सरकार खिलाड़ियों को बहुत अधिक सुविधाएं दे रही। पहले की सरकार यह नहीं कर रहीं। अब यह हो रहा है। इसी का नतीजा है कि ओलिंपिक, पैरा ओलिंपिक, थामस कप, कॉमन वेल्थ गेम्स में खिलाड़ी पदक जीत रहे। भारत की बेटियां विश्व में पदक जीत रहीं। दिव्यांग खिलाड़ी ने भी रिकॉर्ड बनाने का काम किया है। योगी सरकार ने नकदी देकर देश भर के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का काम किया। मई में उत्तर प्रदेश में खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन होगा। गौतमबुद्धनगर के खिलाड़ियों ने जिले के नाम को रोशन करने का काम किया था। नोएडा में इंटर नेशनल एयरपोर्ट आने के बाद विश्व स्तरीय सुविधाएं मुहैया हो रही।

यूपी में आई है शानदार सरकार: केंद्रीय मंत्री

यूपी में शानदार और दमदार सरकार आई है। सरकार बदलने से सोच बदली है। पहले माफिया शूट करते थे। अब शूटिंग हो रही। पहले माफियाओं का दल दल था। अब खिलाड़ियों का दंगल हो रहा है। खेलो इंडिया नेशनल गेम्स में बेटियों ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने का काम किया है। पंकज सिंह को साइकिल फेडरेशन का अध्यक्ष बनने पर बधाई। सांसद खेल स्पर्धा के शुभारंभ की बढ़ाई।

वहीं, नोएडा के सांसद डा.महेश शर्मा ने बोला- कर्म भूमि के सम्मानित साथियों का अभिनंदन करता हूं। डा.महेश शर्मा , सांसद: कर्म भूमि के सम्मानित साथियों का अभिनंदन करता हूं। राहुल गांधी की संसद सदस्यता बिना पर बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा कि आज भी अनुराग ठाकुर ने कहा है कि माफी तो मांगनी होगी।

नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने अपने संबोधन में कहा- कार्यकर्ताओं व नौजवानों का उत्साह देखने लायक है। विश्व में देश का तिरंगा ऊंचा करना व राष्ट्र गान के गायन एक खिलाड़ी दे सकता है।

भारत माता की जय के लगे नारे

कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम का नारों से पूरा हॉल गूंज उठा। साथ ही कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से की गई है।

बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ रही है। पहले भले ही ऐसे बच्चों को गोलू-मोलू कहकर पसंद किया जाता हो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बच्चों में मोटापे की समस्या और उससे सेहत को होने वाले नुकसानों के बारे में व्यापक चर्चा की जाती है। बच्चों में मोटापा कई कारणों से हो सकता है। इनमें अनुवांशिक कारणों को तो हम नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ कारण ऐसे हैं, जिन पर यदि नजर रखी जाए, तो हम समय रहते बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं।

बच्चे को मोटा बना सकती हैं ये आदतें

शारीरिक गतिविधियों का अभाव

उछलकूद करना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। इससे न केवल उनका मानसिक विकास होता है, बल्कि इससे उनका शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसके साथ ही बच्चों को छोटी-मोटी शारीरिक गतिविधियों में शामिल करें। रसोई तक अपने बर्तन खुद रख कर आना। लाइट का स्विच ऑफ करने उठना। पानी पीने जाना, घर की सीढ़ियां चढ़ना, जैसे काम भी आजकल बच्चे नहीं करते। इससे उनमें आलस्य आ जाता है और शरीर पर बेकार की चर्बी जमा होने लगती है। इसके साथ ही आपको चाहिए कि आप अपने बच्चे के साथ घूमने जाएं, उन्हें आउटडोर गेम्स में शामिल करें। वरना आजकल के बच्चों के लिए गेम्स का अर्थ कंप्यूटर अथवा ऑनलाइन गेम्स हो गया है।

लिक्विड कैलोरी का अधिक सेवन

शुगर ड्रिंक और फ्रुट ड्रिंक बच्चों के पसंदीदा पेय पदार्थ हैं, लेकिन इससे बच्चों को और कुछ नहीं बस चीनी और कैलोरी ही मिलती है। आपको चाहिए कि बच्चों को ऐसे पेय पदार्थों के सेवन से रोकें क्योंकि इनसे उन्हें पोषण नहीं मिलता, बल्कि उनकी सेहत को नुकसान ही पहुंचता है।

पर्याप्त नींद न लेना

देर रात तक जागते रहना आजकल की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। लेकिन, आपके बच्चों के लिए यह बिल्कुल ही फायदेमंद नहीं है। मोटापे और नींद के बीच गहरा संबंध है। शोध इस बात को

प्रमाणित कर चुके हैं कि जो बच्चे पूरी नींद नहीं लेते, उनके मोटापे से ग्रस्त होने की आशंका बहुत अधिक होती है। इसके साथ ही ज्यादा नींद भी आपके बच्चों के लिए अच्छी नहीं। इससे आपका बच्चा आलसी हो सकता है। ध्यान रहे आपके बच्चे के लिए नौ से दस घंटे की नींद काफी है।

जंक फूड का सेवन

बच्चों में मोटापे का अहम कारण जंक फूड का सेवन है। जरा सी भूख लगने पर ही बच्चे बर्गर, पिज्जा या कोई अन्य जंक फूड खा लेते हैं। ये हाई कैलारी खाद्य पदार्थ बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में अभिभावकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों के खानपान का ध्यान रखें। बच्चों की जिद के चक्कर में आप उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ न करें। कभी-कभार इस प्रकार का भोजन ठीक है, लेकिन इसका नियमित सेवन सेहत के नुकसानदेह है।

टीवी है बीमारी

एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई थी कि जो बच्चे टीवी के सामने अधिक समय बिताते हैं, वे सामान्य बच्चों से अधिक मोटे होते हैं। टीवी मनोरंजन तक तो ठीक है, लेकिन इसके सामने अधिक समय तक बैठे रहना बच्चों को मोटा और थुलथुला बना सकता है। लास एंजेलिस स्थित पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने शयनकक्ष में टीवी देखने एवं बचपन में मोटापे के बीच सम्बधों को सामने रखा।

भोजन अगर न हो सही

बच्चे के आहार में फाइबर युक्त पदार्थों को शामिल करें। इससे उन्हें ऊर्जा भी मिलेगी और साथ ही उनका पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। राजमा, ब्रोकली, मटर, नाशपति, साबुत अनाज का पास्ता, ओटमील आदि फाइबर के उच्च स्रोत हैं। इसके साथ ही आप उन्हें फल और सब्जियों का सेवन भी करवाएं। इनके अभाव से भी बच्चे में मोटापा बढ़ सकता है।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिए निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

बार-बार गर्भपात से महिलाओं को होते हैं ये नुकसान

अनचाहे गर्भ को गिराने के लिए जोड़े अक्सर गर्भपात का सहारा लेते हैं लेकिन बहुत से लोगों को मालूम नहीं है कि लगातार गर्भपात कराना जीवन के लिए खतरनाक है। लगातार गर्भपात करवाने से भविष्य में होने वाली प्रेग्नेंसी कष्टदायक हो सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं ज्यादा गर्भपात कराती हैं। उनमें अवधि पूर्व जन्म या शिशु का वजन बहुत कम होना आदि परेशानियां पैदा होती हैं, जिन महिलाओं ने 3 या इससे अधिक बार गर्भपात कराया है। उनकी गर्भाशय ग्रीवा के लिए खतरा है। इसके अलावा इससे कुछ समय बाद अपने आप गर्भपात भी हो सकता है।

बहुत से लोगों को आजकल बांझपन, अस्थानिक गर्भावस्था या बच्चे के जन्म की परेशानी आदि समस्याएं उठानी पड़ती हैं। बांझपन से तात्पर्य है कि 12 माह की कोशिशों के बावजूद भी बच्चा नहीं लगना। सामान्य रूप से महिलाओं में बांझपन होने के कई कारण हैं लेकिन बहुत से डॉक्टर्स ऑपरेशन से गर्भपात कराने को इसका प्रमुख कारण मानते हैं।

गर्भपात करवाने से शरीर को नुकसान

बच्चा गिरना: गर्भपात कराने से भी कई बार गर्भाशय ग्रीवा क्षतिग्रस्त हो जाती है तो आगे गर्भपात में परेशानी हो सकती है। यदि गर्भपात के दौरान बच्चेदानी क्षतिग्रस्त हो जाती है तो यह बच्चे के लिए भी खतरनाक होती है।

समय पूर्व प्रसव: ज्यादा बार गर्भपात कराने का यह एक मुख्य कारण यह है कि इससे समय पूर्व प्रसव के अवसर बढ़ जाते हैं और गर्भ नाल इससे गलत रूप से बढ़ जाती है।

अस्थानिक गर्भावस्था: बार-बार गर्भपात कराने से अस्थानिक गर्भधारण का खतरा पैदा होता है। अस्थानिक गर्भावस्था ना केवल जीवन के खतरनाक है बल्कि इससे प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है।

पेडू के सूजन की बीमारी: पेडू के सूजन की बीमारी भी बार-बार गर्भपात से होती है। पीआईडी एक खतरनाक बीमारी है जो कि बांझपन का कारण भी बन सकती है। यह फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों पर घाव पैदा कर सकती है, जिससे आगे चलकर प्रजनन क्षमता में कमी होती है। कभी कभी पीआईडी गर्भपात या अबॉरशन के बाद भी हो सकती है।

एन्डोमिट्राइटिस: ज्यादा गर्भपात कराने से यह होता है। अबॉरशन के बाद यह समस्या होती है। 20 से 29 वर्ष की महिलाएं खास तौर पर इसका शिकार ज्यादा होती हैं।

गर्भाशय में छेद होना: गर्भपात कराने वाली 2 से 3 प्रतिशत मरीजों में यह परेशानी होती है जो महिलाएं पहले बच्चे को जन्म दे चुकी हैं। उनमें यह ज्यादा होता है। इस समस्या से ग्रसित मरीजों में कई बार गर्भपात के दौरान सामान्य एनेस्थेसिया भी देना पड़ता है।

संक्रमण: बार-बार गर्भपात कराने से महिलाओं में स्वास्थ्य से संबन्धित समस्याएं पैदा होती हैं जैसे कि ज्यादा रक्तस्राव, संक्रमण, ऐंठन, एनेस्थेसिया से संबन्धित जटिलताएं, एम्बोलि्म, गर्भाशय में सूजन, एंडोटोक्सिक शॉक, गर्भाशय ग्रीवा का चोटिल होना, रक्तस्राव आदि।

पान का सेवन दिलाता है कई बीमारियों से राहत

पान कई बीमारियों का नाश करता है। हम यह बात मान सकते है कि पान के पत्तों में सुपारी, तंबाकू, चूना आदि लगा कर खाने से स्वास्थ संबंधी बीमारी हो सकती है। लेकिन आगर आप केवल पान के पत्तें का इस्तेमाल करते है तो यह काफी लाभकारी हो सकता है। इसे खानें से गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिल सकता है। इसमें कई तरह के एंटीसेप्टिक गुण छिपे हैं।

पाचन में सुधार

पान के पत्ता का वैसे माउथ फेशनर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे चबाने से हमारें लिए कापी फायदेमंद हो सकता है। जब हम इसे चबा कर खाते है तब हमारी लार ग्रंथि पर असर पड़ता है। इससे सलाइव लार बनने में मदद मिलती है। जो हमारी पाचन तंत्र के लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपने भारी भोजन भी कर दिया है उसके बाद आप पान खा लें। इससे आपको भोजन आसानी से पच जाएगा।

मुंह के कैंसर से बचाव

पान सिर्फ छोटी बीमारियों के लिए ही लाभकारी नही हा बल्कि गंभीर बीमारियों के लिए फायदेमंद है। पान के पत्ते को चबाने से मुंह के कैसंर से बचा जा सकता है।

माउथ-फ्रेशर

पान के पत्तों में कई ऐसे यौगिक होते हैं जो सांसों में बदबू को खत्म करता है। इसके अलावा पान में लौंग, सौंफ, इलायची जैसे विभिन्न मसाले मिलने से ये एक बेहतरीन माउथ-फ्रेशर भी बन जाता है।

प्रजनन क्षमता

पान को सेक्स का सिंबल भी माना जाता है। सेक्स संबंध से पहले खाने से इस क्रिया का अधिक सुख लिया जा सकता है। इसलिए नए जोड़े को पान खिलाने की परंपरा भी काफी पुरानी है, इसलिए इसे खाने को दिया जाता है।

मसूड़ों में सूजन आ जाने पर

अगर आपको मसूड़ों में गांठ, सूजन जा फिर खून आ रहा हो तो इसके लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उन्हें मैश कर लें। इन्हें मसूड़ों पर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।

गैस्ट्रिक अल्सर

पान के पत्ते के रस को गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव गतिविधी के लिए भी जाना जाता है जिससे गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद मिलती है।

मसा का उपचार

पान के पत्तों से कब्ज दुर होती है इस दवा के इस्तेमाल से बिना कोई निशान छोड़े मसा को पूरी तरह से सही किया जा सकता है।

बाल तोड़ में सहायक

इसका आयुर्वेद में बाल तोड़ फोड़े-फुंसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पान के पत्ते गरम करके उसमें आरंडी का तेल लगाकर फोड़े पर लगाने से आराम मिलता है।

मधुमेह

पान पर अध्ययन यह दिखाते हैं, कि इसमें मधुमेह रोधी गुण होते हैं और यह इसके उपचार में मदद करता है।

खांसी करें सही

पान के पत्ते में शहद लगाकर खाने से खांसी में आराम मिलता है। इसके अलावा इससे छाती से बलगम दूर किया जा सकता है।

सिरदर्द में राहत

पान के पत्ते की एनाल्जेसिक और ठंडी विशेषताओं की वजह से ऊपर से लगाने में यह तेज सिर दर्द से राहत दिलाने में मदद करेगा।

क्या है हॉट योगा और इसे क्यों करें

योग के अदभुद लाभों के चलते न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में योग की ख्याति है। योगासनों के कई अलग अलग प्रकार और तकनीक हैं, और इनमें से एक है हॉट योगा। हॉट योगा प्राचीन योग का ही एक एक्स्ट्रीम फॉर्म है। इसे यदि साधारण योगा का मॉडर्न रूप कहा जाए तो गलत न होगा। हॉट योगा एक ग्लैमरस, लेकिन मुश्किल योग है। 90 मिनट के इसके एक सत्र में 26 जटिल आसन और दो प्राणायाम शामिल होते हैं। और इसकी खास बात है कि यह एक ऐसे कमरे में होता है, जहां का तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे ऊपर रखा जाता है और वहां की आर्द्रता 50 प्रतिशत के आसपास होती है।

शायद इस आसनों को करते समय या इन्हें करने के पश्चात इस होने वाले गर्म तापमान के कारण ही इसे हॉट योगा कहा जाने लगा होगा। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जब तक पसीना बाहर न आए, एक्सरसाइझ का फायदा नहीं होता है। हालांकि इस बात के पीछे का तथ्य यह है कि पसीना इस बात का संकेत होता है कि आपने जरूर के हिसाब से शारिरिक गतिविधी की है और कैलोरी बर्न की हैं। शायद यही सब सोचते हुए कुछ योग एक्सपर्ट ने इस पसीना बहाऊ योग का आविष्कार कर लिया वरना तो योग करने से पसीना कम ही छूटता है। ऐसा माना जाता है कि हॉट योगा दांपत्य जीवन के साथ-साथ, मस्तिष्क व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभदायक होता है, और इससे व्यक्ति तनाव मुक्त रहकर आत्मविश्वास से भरा रहता है। वैसे तो हॉट योगा के बहुत फायदे हैं लेकिन इसे करने से पहले इसके लिए ठीक ट्रेनिंग लेना बेहद जरूरी होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**